हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

भारत ने स्पेस सेक्टर में आज एक और बड़ी कामयाबी हासिल कर ली है। चंद्रयान-3 की सफलता के बाद भारत का पहला सोलर मिशन 'आदित्य एल1' शाम 4 बजे के करीब अपने लक्ष्य पर पहुंच गया है। भारतीय स्पेस एजेंसी इसरो ने इसे कमांड देकर एल-1 पॉइंट की हेलो ऑर्बिट पर पहुंचा दिया है।

भारत की स्पेस सेक्टर में एक और बड़ी कामयाबी

'सूरज की बाहों में...'

पहुंचा हमारा आदित्य

पहला सोलर मिशन, 'आदित्य-एल 1' अपने लक्ष्य पर पहुंच गया

हरिभूमि न्यूज/नई दिल्ली। यान को पृथ्वी से लगभग 15 लाख किलोमीटर दूर सूर्य-पृथ्वी प्रणाली के 'लैग्रेंज प्वाइंट 1' (एल 1) के आसपास एक प्रभामंडल कक्षा में स्थापित किया गया है। इस तरह 2 सितंबर को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से सूर्य की ओर शुरू हुई 15 लाख किलोमीटर की यह यात्रा अपने मुकाम पर पहुंच गई है। इसरो के वैज्ञानिकों को बड़ी कामयाबी मिली है। भारत का सौर मिशन आदित्य-एल1 का हेलो कक्षा में ▶▶|शेष पेज 4 पर

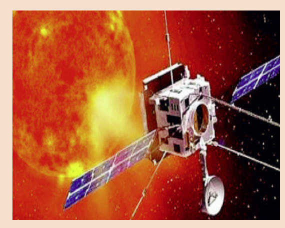

जश्न का माहौल

बेंगलूरू में भी आदित्य एल-वन की कामयाबी का जश्न मनाया जा रहा है। भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान की निदेशक अन्नपूर्णी सुब्रमण्यम ने कहा, हम एल1 बिंदु पर पहुंच गए हैं, सौर मिशन आदित्य-एल1 हेलो कक्षा में प्रवेश कर गया है। इस कामयाबी के बाद वैज्ञानिक उपकरणों का बेहतर तरीके से इस्तेमाल किया जा सकेगा।

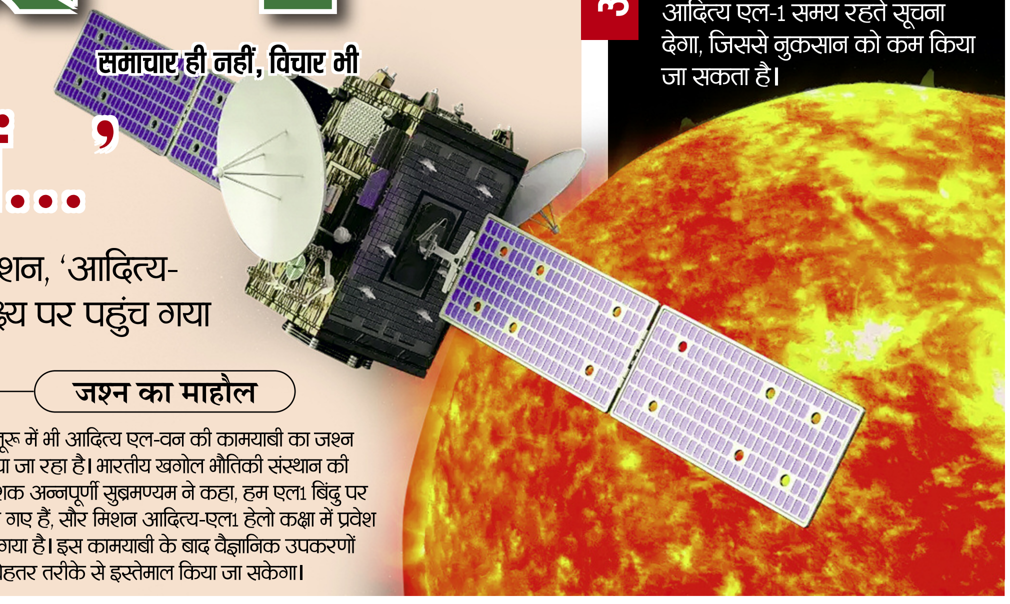

अब आगे क्या

सूरज अपनी धरती के सबसे नजदीक का तारा है। इससे बहुत ज्यादा एनर्जी निकलती है। सौर लपटें भी उठती रहती हैं। इनकी लपटों की दिशा अगर धरती की तरफ हो जाए तो स्पेसक्राफ्ट, सैटलाइट और कम्युनिकेशन सिस्टम खराब हो सकते हैं। ऐसी सौर घटनाओं की आदित्य एल-1 समय रहते सूचना देगा, जिससे नुकसान को कम किया जा सकता है।

विधायक देवेंद्र की जमानत खारिज

जेल में बंद आरोपियों से पूछताछ करेगी ईडी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

माइनिंग ट्रांसपोर्ट तथा मनी लांड्रिंग मामले को लेकर शनिवार को ईडी की विशेष अदालत अजय सिंह राजपूत की कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई में निलंबित आईएएस समीर विश्नोई, कारोबारी सूर्यकांत तिवारी, सुनील अग्रवाल, लक्ष्मीकांत तिवारी, माइनिंग अधिकारी शिवशंकर नाग और दीपक टांक तथा राजेश चौधरी उपस्थित हुए। राज्य प्रशासनिक सेवा की निलंबित अधिकारी सौम्या चौरसिया, आईएएस रानू साहू तथा निखिल चंद्राकर मेडिकल आवेदन पेश कर कोर्ट में उपस्थित नहीं हुए। कोर्ट में भिलाई विधायक देवेंद्र यादव ने जमानत आवेदन पेश किया, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया।

कोर्ट में कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव की ▶▶|शेष पेज 4 पर

चार्जशीट में भूपेश का नाम, बघेल बोले-यह षड्यंत्र, सीएम ने कहा-ईडी कर रही अपना काम

महादेव सट्टा ऐप मामले में छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल का नाम आने का बाद सियासत तेज हो गई है। ईडी ने दावा किया है कि महादेव सट्टा ऐप मामले में कथित तौर पर पैसे का लेन-देन करने वाले जिस व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है, वह अपने उस दावे पर कायम है, जिसमें कहा गया है कि उसे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल तक नकद रुपये पहुंचाने के लिए भेजा गया था। ईडी ने अदालत को यह जानकारी दी। ईडी के इस दावे के बाद भूपेश बघेल ने पलटवार किया है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भूपेश बघेल ने कहा, प्रवर्तन निदेशालय ने अपनी सप्लीमेंट्री चार्जशीट में जिस तरह से मेरा नाम लिखा है, वह पूरी तरह से राजनीतिक षड्यंत्र का हिस्सा है। ईडी अपने राजनीतिक आकाओं के इशारे पर कूटरचना कर लोगों को गिरफ्तार कर रही है और उनसे दबावपूर्वक मेरे और मेरे सहयोगियों के खिलाफ बयान दिलवा रही है। इन बयानों में जो पैसों के लेनदेन के आरोप लगाए गए हैं, उनका कोई आधार नहीं है। वहीं एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ज्यादा कुछ नहीं कहा। उन्होंने कहा कि ईडी अपना ▶▶|शेष पेज 4 पर

महादेव सट्टा ऐप की चार्जशीट में भूपेश का नाम आने के बाद सियासत तेज

मैंने शुरू की थी मामले की जांच

भूपेश बघेल ने कहा, महादेव ऐप के घोटाले की जांच मैंने ही मुख्यमंत्री रहते हुए खुद शुरू की थी। मैं चाहता था कि इस पूरे गिरोह का भंडाफोड़ हो और युवाओं को जुआखोरी की ओर धकेल रहे इस अपराध पर रोक लगे। छत्तीसगढ़ सरकार की इस जांच के आधार पर ही ईडी धन-शोधन का मामला बनाकर ▶▶|शेष पेज 4 पर

पूर्व नियोजित थी घटना

श्री बघेल ने कहा, इसका मतलब है कि पूरी घटना पूर्व नियोजित थी और इसका मतलब यही है कि इसकी कूटरचना ईडी ने ही की थी। ईडी ने दावा किया है कि चंद्रभूषण वर्मा ने भी अपना पहले का बयान वापस ले लिया है। हम तो शुरुआत से कह रहे हैं कि ईडी मारपीट से लेकर धमकी देने तक हर ▶▶|शेष पेज 4 पर

मूणत बोले- जब कोई उलझता है तो ऐसे ही आरोप लगाता है

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बयान पर पूर्व मंत्री और विधायक राजेश मूणत ने कहा, जब कोई व्यक्ति उलझता है, तो ऐसे ही आरोप लगाता है।

कांग्रेस ने खुद महादेव एप के मामले में दुर्ग के मोहन नगर थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। लगातार आ रही खबरों से पहले ही यह तय था कि इस मामले में बड़े लोगों का संरक्षण है। श्री मूणत ने कहा, जब किसी के बैंक खाते में दो-चार लाख भी आते हैं, तो पूछताछ होती है, लेकिन करोड़ रुपए खातों में आने के बाद कोई पूछताछ नहीं हुई। राज्य की किसी भी खुफिया एजेंसी ने इस तरफ ध्यान नहीं दिया। अब जबकि पूर्व मुख्यमंत्री का इस मामले में नाम सामने आ गया, तो वे राजनीति षड्यंत्र का आरोप लगा रहे हैं।

जुटेंगे प्रदेशभर के सराफा कारोबारी

छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन के चुनाव में होगा घमासान सर्वसम्मति की संभावना नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन के चुनाव में भारी घमासान के आसार हैं। राजधानी रायपुर के जैनम भवन में रविवार को आमसभा के बाद हमेशा की तरह सर्वसम्मति से निर्विरोध पदाधिकारियों के चयन का प्रयास होगा, लेकिन इस बार सर्वसम्मति के आसार बिलकुल नहीं हैं, क्योंकि बिलासपुर, सरगुजा और बस्तर संभाग के सराफा कारोबारी हर हाल में चुनाव चाहते हैं। कारोबारी लगातार एक ही नारा लगा रहे हैं, अब नहीं सहिबो ▶▶|शेष पेज 4 पर

सर्वसम्मति संभव नहीं

अध्यक्ष पद के दावेदार बिलासपुर सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष कमल सोनी का कहना है, हमेशा सर्वसम्मति से ही चुनाव कराने का काम होता है। यह अच्छी बात है, लेकिन इसके कारण प्रक्रिया का पालन नहीं होता है। इस बार हम किसी भी हाल में सर्वसम्मति के पक्ष में नहीं हैं। अगर आम ▶▶|शेष पेज 4 पर

निष्पक्ष और प्रक्रिया से ही होंगे चुनाव

चुनाव निष्पक्ष और प्रक्रिया के तहत ही होंगे। आमसभा में जो फैसला होगा, उसके मुताबिक ही चुनाव की प्रक्रिया होगी।

- मंगेलाल मालू, चुनाव अधिकारी

रायपुर शहर के गॉस मेमोरियल ग्राउण्ड में

1 जनवरी से शानदार चल रहा है

FUN FAIR

DISNEY LAND MELA

Handloom & Handicraft

खाना, खरीदी और मनोरंजन. एक साथ, एक जगह

रोज़ाना शाम 5 बजे से रात्रि 10 बजे तक

गॉस मेमोरियल ग्राउण्ड, काली माता मन्दिर के सामने, आकाशवाणी के पास, रायपुर

sumit

रायपुर
रविवार, 7 जनवरी 2024
पौष कृष्ण पक्ष एकादशी
वर्ष : 22, अंक : 171
पृष्ठ : 12+6+4 = 22, मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 27.1
न्यून. 17.0

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

03 ट्रेडिशनल लुक में आई नजर

आजकल
02 'राममय' का सांस्कृतिक-राजनीतिक दौर

श्रीराम के रंग में रंगेगा छत्तीसगढ़...

15 हजार बड़ी स्क्रीन, 51 हजार मंदिरों में पूजा-अर्चना
21 हजार भक्त करेंगे दुर्ग में हनुमान चालीसा का पाठ

हर गांव के मंदिर में कार्यक्रम

विश्व हिंदू परिषद ने ही पूरे राज्य में गांव-गांव में कार्यक्रम करने का बड़ा जिम्मा उठाया है। उसके साथ आरएसएस, बजरंग दल, भाजपा और सामाजिक संगठन भी जुटे हैं। अयोध्या के प्राण प्रतिष्ठा के पूरे कार्यक्रम को सुबह 11 से दोपहर को 1 बजे तक लाइव दिखाने की व्यवस्था की जा रही है। इसके लिए 15 हजार मंदिरों या उसके आसपास के स्थानों पर बड़ी स्क्रीन लगाकर लोगों को लाइव प्रसारण दिखाया जाएगा। इसी के साथ हर गांव-गांव के मंदिरों में पूजा-अर्चना होगी, प्रसाद का वितरण होगा। शाम तो दीये जलाए जाएंगे और आतिशबाजी भी होगी।

पूरे देश में दीपावली जैसा उत्सव मनाने की पूरी तैयारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर में भगवान श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम होगा। इस दिन पूरे देश में दीपावली जैसा उत्सव मनाने की पूरी तैयारी है। अपने राज्य छत्तीसगढ़ में भी विश्व हिंदू परिषद, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, बजरंग दल, भाजपा के साथ ही कई सामाजिक संगठन इस दिन के लिए अलग-अलग तैयारी में लगे हैं। प्रदेश में 15 हजार स्थानों पर बड़ी स्क्रीन लगाकर प्राण प्रतिष्ठा का लाइव दिखाया जाएगा। इसी के साथ 51 हजार मंदिरों में पूजा-अर्चना का कार्यक्रम होगा। राजधानी रायपुर के राम मंदिर में जहां पूजा-अर्चना होगी, वहीं शाम को हजारों दीये जलाए जाएंगे। इसी के साथ आतिशबाजी भी होगी। जयस्तंभ चौक पर अयोध्या का कार्यक्रम दिखाने बड़ी स्क्रीन लगाई जाएगी। अंबिकापुर के स्टेडियम में एक लाख दीये जलाने की तैयारी है। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण का काम पूरा हो गया है और अब सभी को 22 जनवरी का इंतजार है। उस दिन राम लाल की प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही राम लला के द्वार भक्तों के दर्शन के लिए खुल जाएंगे। कार्यक्रम के ही ▶▶|शेष पेज 4 पर

शोभायात्रा-बाइक रैली

प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन के दो दिन पहले सर्व हिंदू समाज की राजधानी रायपुर में कालीमाता मंदिर से ▶▶|शेष पेज 4 पर

एक लाख जलेंगे दीये

अंबिकापुर के गांधी स्टेडियम में प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन बड़ा कार्यक्रम तय किया गया है। इसमें जहां ▶▶|शेष पेज 4 पर

21 से विजय कौशल महाराज की रामकथा

राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज के दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में श्रीराम कथा आयोजन समिति द्वारा विजय कौशल महाराज की रामकथा का आयोजन 21 से 28 जनवरी तक किया गया है। जब राजधारी में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम हुआ था, तब भी कौशल महाराज की ही रामकथा का आयोजन किया गया था।

लाइव प्रसारण के साथ मंदिरों में होगी पूजा-अर्चना

विहिप के साथ अन्य संगठनों ने मिलकर प्रदेश में हजारों स्थानों पर लाइव प्रसारण की व्यवस्था की है। इसी के साथ हर गांव के मंदिर में पूचा-अर्चना के बाद प्रसाद का वितरण होगा। भंडारा होगा, दीये जलेंगे, आतिशबाजी होगी। पूरी तरह से उस दिन राज्यभर में दीपावली मनेगी।

- **धवल शाह**, प्रांत कोषाध्यक्ष, विहिप

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

राहुल की अभद्र टिप्पणी पर टली सुनवाई

सुलतानपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में अगली सुनवाई 18 जनवरी के लिए निर्धारित कर दी। सुलतानपुर की सांसद-विधायक अदालत ने शाह पर पांच वर्ष पूर्व अभद्र टिप्पणी करने के मामले में राहुल को छह जनवरी को तलब होने का समन जारी किया था।

नीट पीजी जुलाई के पहले हफ्ते में

नई दिल्ली। राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट)-स्नातकोत्तर परीक्षा जुलाई के पहले सप्ताह में और काउंसलिंग अगस्त के पहले सप्ताह में आयोजित होने की संभावना है। सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। नेशनल एग्जिट टेस्ट (एनईएक्सटी) इस साल आयोजित नहीं किया जाएगा।

अनूपपुर स्टेशन में तीसरी लाइन कनेक्टिविटी के लिए किया जाएगा कार्य

6 दिनों तक चलेगा एनआई का कार्य महानगर को जाने वाली 30 ट्रेनें रहेंगी रद्द

दिल्ली, मध्यप्रदेश और राजस्थान जाने वाली प्रमुख ट्रेन रहेगी रद्द

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से महानगरों को जाने वाली 30 ट्रेनों के पहिए 10 जनवरी से छह दिनों तक थम जाएंगे। जोन के बिलासपुर मंडल के अंतर्गत अनूपपुर स्टेशन में तीसरी लाइन कनेक्टिविटी के लिए प्री-एनआई व एनआई का कार्य किया जाएगा। ट्रेनों के रद्द होने से लखनऊ, दिल्ली, रीवा, भोपाल समेत अजमेर, उदयपुर जाना मुश्किल हो जाएगा। इसके अलावा 50 हजार से भी अधिक यात्रियों को ट्रेन रद्द कर रिफंड लेना होगा। जोन में तीसरी लाइन को लेकर कार्य बीते दो सालों से चल रहा है। वर्तमान में 50 फीसदी ही कार्य हुआ है। कई यात्रियों को सफर का माध्यम भी बदलना पड़ सकता है, क्योंकि 20 से अधिक ट्रेन पहले से रद्द चल रही हैं। ऐसे में यात्रियों को दूसरी ट्रेन में सफर करने विकल्प नहीं मिलेगा।

10 लाख से अधिक रिफंड देगा रेलवे

कन्फर्म टिकट के लिए चार महीने पहले टिकट खरीदने का यात्रियों को फायदा नहीं मिला। 10 से 16 जनवरी तक 30 ट्रेन रद्द रहेगी। अब उस मार्ग में चलने वाली दूसरों ट्रेनों में वेटिंग 50 से 80 तक पहुंच गया है। ऐसे में कन्फर्म टिकट मिलना मुश्किल है। 30 ट्रेनों के रद्द के बाद रेलवे 10 लाख से भी अधिक का रिफंड जोन के यात्रियों को देगा।

परिवर्तित मार्ग से चलेंगी यह गाड़ियां

1) 8 जनवरी से 14 जनवरी तक 15231 बरौनी – गोंदिया एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया कटनी – जबलपुर – नैनपुर – बालाघाट के रास्ते चलेगी।
2) 9 जनवरी से 15 जनवरी 2024 तक 15232 गोंदिया - बरौनी एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया बालाघाट – नैनपुर – जबलपुर - कटनी के रास्ते चलेगी।

रद्द होने वाली गाड़ियां

1) 10 से 16 जनवरी 08269 चिरमिरी-चंदिया रोड पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।
2) 10 से 16 जनवरी 08270 चंदिया रोड - चिरमिरी पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।
3) 10 से 16 जनवरी 08740 बिलासपुर – शहडोल मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।
4) 10 से 16 जनवरी 08739 शहडोल - बिलासपुर मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।
5) 11, 13 व 16 जनवरी 05755 चिरमिरी - अनूपपुर पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।
6) 11, 13 व 16 जनवरी 05756 अनूपपुर - चिरमिरी पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।
7) 10, 12 व 15 जनवरी 11751 रीवा-चिरमिरी एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
8) 11, 13 व 16 जनवरी 11752 चिरमिरी-रीवा एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
9) 08 से 16 जनवरी 18234 बिलासपुर-इंदौर नर्मदा एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

▶▶|शेष पेज 4 पर

कोहरे-सर्दी का डबल अटैक विमान और ट्रेनें प्रभावित

16 राज्यों में घना कोहरा
50 से ज्यादा उड़ान में देरी
125 से ज्यादा ट्रेनें लेट

नई दिल्ली। पंजाब, हरियाणा समेत उत्तर और मध्य भारत के 16 राज्यों में घने कोहरे की स्थिति बनी हुई है। भोपाल, लखनऊ, जम्मू, अजमेर समेत 17 शहरों में शनिवार सुबह विजिबिलिटी 200 मीटर से कम रह गई। इसकी वजह से 125 से ज्यादा ट्रेनें लेट चल रही हैं। वहीं दिल्ली-राजस्थान समेत उत्तर भारत के एयरपोर्ट से उड़ने वाली 50 से ज्यादा उड़ान में देरी हुईं। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और बिहार के कुछ शहरों में शनिवार सुबह बरसात के साथ हुई। बारिश की वजह से यहां ठंड बढ़ गई है।

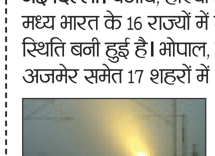

■ उत्तर भारत में ठंड का सितम

स्कूल का बदला समय

सर्दी के बढ़ते असर को देखते हुए उत्तर प्रदेश और दिल्ली-एनसीआइर के स्कूलों का समय बदल दिया गया है। राजस्थान में जयपुर के सरकारी और निजी स्कूलों में 8वीं क्लास तक की ठंड की छुट्टियां 13 जनवरी तक बढ़ा दी गई हैं। सीकर में भी 15 जनवरी से स्कूल खुलेंगे।

पीएससी घोटाले की फाइल सीबीआई को सौंपी: सीएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मंच से कहा कि कांग्रेस की सरकार में हुए पीएससी घोटाले की फाइल जांच के लिए सीबीआई को सौंप दी है। मोदी की गारंटी के तहत सभी वादे लगातार पूरे किए जा रहे हैं। चुनाव जीतने के बाद सरकार ने शपथ ग्रहण के दूसरे दिन तत्काल अठारह लाख परिवार को पीएम आवास देने की स्वीकृति दी। इसके अलावा दो साल का बकाया बोनस और मातृत्व वंदन के लिए भी कार्य हो रहा है। जल्द ही मोदी की गारंटी वाले सभी वादे पूरे होंगे। दुर्ग के रविशंकर स्टेडियम में शनिवार को संभाग स्तरीय ▶▶|शेष पेज 4 पर

■ मुख्यमंत्री साय ने कहा दुर्ग आने में हुई देरी उसके लिए करें क्षमा

लोकसभा की 11 सीटों को जीतने का आह्वान

कार्यक्रम में प्रदेश प्रभारी ओम माथुर भी थे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आने वाले लोकसभा चुनाव में हम प्रदेश की पूरी 11 सीट जीतकर मोदी जी को देंगे। राजनांदगांव सांसद संतोष पांडे ने भी उद्बोधन देते हुए कवर्धा की घटना और सजा में विधायक ईश्वर साहू के किस्से को याद कर कांग्रेस भी जमकर भड़ास निकाली।

मोदी और शाह को दिया श्रेय

साजा विधायक ईश्वर साहू ने जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह को देते हुए कार्यकर्ताओं का अभिनंदन किया। उनके द्वारा बोले गए शायरी से जमकर ताली भी बजी।

उसरवारा पुरूर की घटना

मां-बेटे की हत्या, पत्नी पर भी किया टंगिया से हमला, गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धमतरी/गुरूर

एक युवक ने अपनी मां व तीन माह के बेटे की हत्या कर दी है। वहीं पत्नी की भी हत्या करने की नीयत से उस पर टंगिया से हमला किया। इस घटना में पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के कारण का पता अभी नहीं चल पाया है।

परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार पुरूर थाना क्षेत्र के ग्राम उसरवारा निवासी भवानी निषाद (27) मजदूरी व हमाली का काम करता था। ▶▶|शेष पेज 4 पर

समिति से आरोपी ने कर्ज लिया था

बताया जाता है कि आरोपी भवानी शराब सेवन करने का आदी था। वह किसी समिति से अपनी जिम्मेदारी पर कर्ज में पैसा लिया है। उक्त राशि को आरोपी जमा नहीं कर पा रहा था।

16 हजार फुट की ऊंचाई, 174 यात्रियों की अटकी रहीं सांसें

टेक ऑफ के बाद खिड़की उड़ी, सामने दिखने लगी मौत!

एजेंसी ▶▶| पोर्टलैंड

अमेरिका में अलास्का एयरलाइंस में सवार 174 यात्रियों की जान बाल-बाल बची। विमान का विंडो पैनल फ्लाइट टेकऑफ होने के बाद अचानक उड़ गया। यात्रियों से मिली शिकायत के बाद विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। बड़ा हादसा टलने के बारे में विमान में सवार यात्री ने बताया कि उसे खिड़की उड़ने पर ऐसा एहसास हुआ कि उसकी मौत होने वाली है। बोइंग 737-9 श्रृंखला के एक विमान की एक खिड़की और कुछ हिस्सा क्षतिग्रस्त हो जाने के विमानों के परिचालन पर रोक लगा दी है।

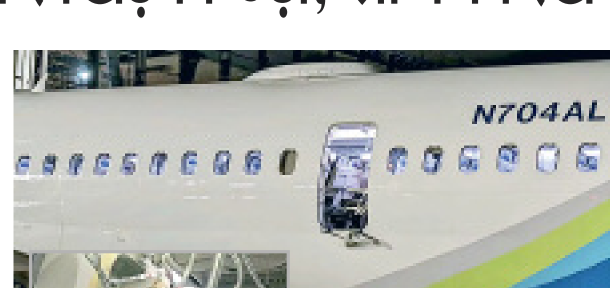

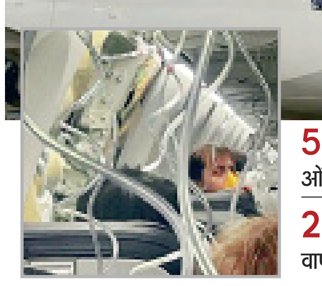

5.07 बजे कैलिफोर्निया के ओंटारियो के लिए रवाना हुआ था

20 मिनट की उड़ान के बाद फ्लाइट वापस एयरपोर्ट पर लौट आया

भारत अलर्ट, जारी की एडवाइजरी

भारतीय विमानन नियामक ने शनिवार को सभी भारतीय हवाई ऑपरेटरों को अपने-अपने बोइंग 737-8 मैक्स विमानों पर इमरजेंसी एग्जिट का निरीक्षण करने का निर्देश दिया है। यह फैसला अमेरिका में अलास्का एयरलाइंस की फ्लाइट के उड़ान भरने के तुरंत बाद हुए हादसे के मद्देनजर लिया गया है। एहतियात के रूप में डीजीसीए ने सभी भारतीय हवाई ऑपरेटरों को एक बार निरीक्षण करने का निर्देश दिया है।

सरकार ने जारी की नई गाइडलाइन

दवाएं वापस बुलाई तो बतानी होगी वजह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

स्वास्थ्य मंत्रालय ने नई गाइडलाइन जारी की है। अब दवा कंपनियों को किसी औषधि को वापस लेने के बारे में लाइसेंसिंग प्राधिकारी को सूचित करना होगा और उत्पाद की खराबी के बारे में भी जानकारी देनी होगी। अभी तक सूचित करने का कोई प्रावधान नहीं था। औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 का अनुसूची भाग 'एम' नियम बनाया गया है। इससे मरीजों की जान जोखिम में नहीं डाली जा सकेगी।

विदेश में मौत के बाद निर्णय

ये दिशानिर्देश 2022 से कथित तौर पर घटिया भारतीय दवाओं और इसके कारण विदेश में होने वाली मौतों की शिकायतों की पृष्ठभूमि में जारी किए गए हैं। मैन्युफैक्चरर की ही जिम्मेदारी होगी कि उनका प्रोडक्ट पेशेंट की जिंदगी खतरे में तो नहीं डालता।

इस समय समूचा देश राममय है। 22 जनवरी को रामलला की प्राणप्रतिष्ठा होने जा रही है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद से राम मंदिर निर्माणाधीन है। इसका एक भाग इस माह की 22 जनवरी तक तैयार हो जाएगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा रामलला की प्राणप्रतिष्ठा की जाएगी। इस समारोह को भव्य बनाया जा रहा है। सभी दलों, अनेक संतों समेत देश विदेश के हजारों गणमाण्य लोगों को भव्य समारोह के लिए आमंत्रित किया गया है। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले राम मंदिर में प्राणप्रतिष्ठा पर राजनीति भी शुरू हो गई है। विपक्ष की ओर से सरकार पर तीखे आरोप लगाए जा रहे हैं कि भाजपा राम का राजनीतिक फायदा लेने के लिए यह सब कर रही है। भाजपा के निर्माण के कुछेक वर्ष के बाद से अयोध्या में राम मंदिर निर्माण पार्टी के कोर एजेंडे में रहा है। आज अगर राम मंदिर बन रहा है, तो निश्चित ही इसे भाजपा के संकल्प व अभियान का प्रतिफल माना जाएगा। राम व मंदिर पर राजनीति का आंकलन करता आजकल का यह अंक...

‘राममय’ का सांस्कृतिक-राजनीतिक दौर

विश्लेषण
सुशील राजेश
वरिष्ठ पत्रकार

श्रीराम के बिना भारत की कल्पना ही नहीं की जा सकती। नववर्ष 2024 की शुरुआत हुई है, तो भारत ‘राममय’ हो उठा है। यह हिन्दुओं का ही नहीं, राष्ट्र के उत्सव का दौर है। मुसलमान भी राम पर फूलों की बरसात कर रहे हैं। अयोध्या विवाद में जो इकबाल अंसारी बाबरी मस्जिद के पक्षकार थे, वह भी ‘राममय’ हो चुके हैं। वह प्राण-प्रतिष्ठा अनुष्ठान के दौरान मौजूद रहेंगे। यह देश के सांस्कृतिक, आध्यात्मिक गौरव का दौर है। ‘राममय’ होने की राजनीति का भी प्रबल विरोध किया जा रहा है। विपक्ष के अलग अलग नेता अपने बयानों से विरोध्र के बहाने राम की छवि को धूमिल करने के कुत्सित प्रयास करते नजर आ रहे हैं। विपक्षी भी अयोध्या जाएं व प्रभु राम की भक्ति की तरंगों का लाभ ग्रहण करें।

मुझे 11 जून, 1989 की तारीख बार-बार याद आती है। उस दिन हिमाचल प्रदेश की ‘चाय-घाटी’ पालमपुर में भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक थी। लालकृष्ण आडवाणी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे। पार्टी के सभी शीर्षस्थ नेता बैठक में मौजूद थे। तब भाजपा एक नवजात-सी पार्टी थी। मैंने एक जूनियर पत्रकार के तौर पर कार्यकारिणी को कवर किया था। जब मीडिया को ब्रीफ किया गया कि एक प्रस्ताव पारित किया गया है कि अयोध्या में प्रभु राम का भव्य और दिव्य मंदिर बनाया जाएगा। गांव-गांव ‘राम’ के नाम की शिलाएं पूजी जाएंगी और अंततः उन्हें अयोध्या भेजा जाएगा। आडवाणी सोमनाथ मंदिर से अयोध्या तक की रथ-यात्रा करेंगे और देश भर में राम मंदिर को लेकर एक सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और सामाजिक आंदोलन छेड़ा जाएगा। तब मैं भाजपा के प्रस्ताव की राजनीति और उसकी व्यापकता को समझ नहीं पाया था। पालमपुर में भाजपा ने एक ऐतिहासिक रैली भी की और पालमपुर से शिमला तक मार्च भी निकाला गया। कुछ अंतराल के बाद हिमाचल में विधानसभा चुनाव हुए, तो भाजपा को बहुमत मिला और शांता कुमार दूसरी बार मुख्यमंत्री बने। उसी वर्ष आम चुनाव में भाजपा के 86 सांसद जीत कर लोकसभा में आए, जबकि उससे पहले सदन में भाजपा के मात्र 2 ही सांसद थे। यहां से भाजपा का पुनरोत्थान और विस्तार शुरू हुआ। आज अयोध्या में ‘राम मंदिर’ ने आकार ले लिया है और त्रेता युग का दौर जीवंत हो उठा है। 22 जनवरी को प्रभु राम की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा का अनुष्ठान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक ‘यजमान’ के तौर पर करेंगे।

सांस्कृतिक पुनरोत्थान का प्रतीक

दरअसल श्रीराम के बिना भारत और लोकतंत्र की कल्पना ही नहीं की जा सकती। नववर्ष 2024 की शुरुआत हुई है, तो भारत ‘राममय’ हो उठा है। यह हिन्दुओं का ही नहीं, राष्ट्र के उत्सव का दौर है। मुसलमान भी राम पर फूलों की बरसात कर रहे हैं। अयोध्या विवाद में जो इकबाल अंसारी बाबरी मस्जिद के पक्षकार थे, वह भी ‘राममय’ हो चुके हैं। वह प्राण-प्रतिष्ठा अनुष्ठान के दौरान मौजूद रहेंगे। यह देश के सांस्कृतिक, आध्यात्मिक गौरव का दौर है। ऋग्वेद, सामवेद और यजुर्वेद के मंत्रोच्चार और यज्ञों का दौर है। उन कारसेवकों की आत्मा की शांति के लिए भी पूजन किए गए हैं, जिन्हें ‘राममय’ मान कर मार दिया गया था। हालांकि अब मैं इस अध्याय को विस्मृत करने के पक्ष में हूं, क्योंकि श्रीराम ‘क्षमावादी’ थे। अयोध्या त्रेता युग में देवनगरी थी, श्रीराम की जन्मस्थली थी, आज भी उसका स्थान बैकुंठ से कम नहीं है। प्रभु राम के जयघोष हैं, मंत्रोच्चार, शंखनाद, डमरू वादन है, फूलों की बरसात में लोग नृत्यमग्न हैं, क्योंकि राम अयोध्या में अपने महलनुमा मंदिर में प्रतिष्ठित होने जा रहे हैं। अयोध्या को कभी ‘अभिशप्त नगरी’ भी मान लिया गया था। वह कुछ दुराग्रही नेताओं की दुर्बुद्धि और आसुरी कर्म था। वे अयोध्या में प्रवेश करने से हिचकते थे, लेकिन आज खुद को ‘राममय’ साबित करने की होड़ में जुटे हैं। प्रभु राम और भारत, उसके लोकतंत्र के आपसी संबंधों का सच यह है कि संविधान की किताब में राम-सीता का चित्र छपा है। देश के प्रधान न्यायाधीश की सीट पर धर्म की व्याख्या है, लिहाजा धर्म कोई छुआछूत का विषय नहीं है, जिसे राजनीति से अलग रखा जाए। राजनीति लोकतंत्र का ही प्रारूप है। अयोध्या का राम मंदिर सांस्कृतिक पुनरोत्थान का प्रतीक है, तो राजनीति का भी मुद्दा है। भाजपा अपने सभी चुनाव घोषणा-पत्रों में इसे शामिल करती रही है। साफ है कि वह इस मुद्दे पर जनादेश मांगती आई है। इसी मुद्दे ने भाजपा को 303 सांसदों के प्रचंड बहुमत तक पहुंचा दिया है। बेशक अन्य मुद्दे भी महत्वपूर्ण रहे हैं। राम मंदिर के उद्घोष पर जो उन्माद और ध्रुवीकरण भाजपा के पक्ष में पैदा होता रहा है, उससे राजनीतिक लक्ष्य भी साधे गए हैं। भाजपा माने या न माने, राम मंदिर 2024 के आम चुनाव का सबसे अहं मुद्दा साबित होगा।

राम पर विपक्ष की ओछी सियासत

‘राममय’ होने की राजनीति का भी प्रबल विरोध किया जा रहा है। राजनीति से अलग ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा है कि चुनावी फायदे के लिए भाजपा अयोध्या में राम मंदिर के एक ही हिस्से का उद्घाटन करवा रही है। भगवान राम की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा चुनाव के मद्देनजर कराई जा रही है। सीपीएम महासचिव सीताराम येचुरी ने एक ही धर्म के राजनीतिकरण के कारण राम मंदिर समारोह का बहिष्कार किया है। एनसीपी के अध्यक्ष शरद पवार सरीखे वरिष्ठ नेता ने बयान दिया है कि जो सत्ता में हैं, उन्हें गाय और गौमूत्र ही दिखाई देता है। उन्हीं की पार्टी के एक मराठी नेता ने यहां तक अनर्गल अलाप किया है कि राम ‘मांसाहारी’ थे। किसी ने आशंका जताई है कि अयोध्या में ‘गोधरा जैसे दंगे’ कराए जा सकते हैं। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने जनता के सामने सवाल किया है कि आपको मंदिर चाहिए अथवा अस्पताल! वह जरा अपने पिता लालू यादव से पूछ लें कि जेल से छूटने के बाद वह सबसे पहले हनुमान मंदिर क्यों गए थे? कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और वरिष्ठ सांसद सोनिया गांधी को समारोह के निमंत्रण-पत्र भेजे जा चुके हैं, लेकिन वे मुस्लिम वोट की खातिर असमंजस में हैं, लिहाजा अपना कार्यक्रम नहीं बताया है, लेकिन कांग्रेस अध्यक्ष ने अपने पार्टीजनों को राम मंदिर जाने की छूट देकर एक सौहार्दपूर्ण निर्णय किया है। सवाल हो सकता है कि जब देश ‘राममय’ हो चुका है, तो ऐसी नफरत क्यों फैलाई जा रही है? क्या राम-विरोध से विपक्षियों को ज्यादा वोट मिल सकेंगे? यदि भाजपा हिन्दुत्व की राजनीति कर रही है, तो विरोधी भी जातीय गणना की सियासत कर ही रहे हैं। इसके अलावा विपक्ष के राजनीतिक एजेंडे में मस्जिदवाद, अडाणी भी हैं। विपक्ष की राजनीति बेरोजगार, महंगाई, भ्रष्टाचार के मुद्दे तक ही सीमित नहीं है। यह तो लोकतंत्र है। त्रेता युग में भी श्रीराम का विरोध करने वाले असुर, खलनायक थे, लिहाजा अब कलयुग में क्या अपेक्षा की जा सकती है?

तीर्थस्थल के तौर पर अयोध्या का उदय

अयोध्या विवाद पर सर्वोच्च अदालत की संविधान पीठ ने सर्वसम्मत फैसला सुनाया था कि वहां राम मंदिर का निर्माण कराया जाए। भूखंड तय करने और ट्रस्ट बनाने का दायित्व प्रधानमंत्री को सौंपा गया था, लिहाजा उन्होंने कैबिनेट के जरिए यह काम किया। मस्जिद के लिए भी अयोध्या के पास ही भूखंड तय किया गया है। मेरी जानकारी है कि अब मुस्लिम लॉ बोर्ड और बाबरी मस्जिद समिति उस भूखंड को कबूल करने को तैयार है। यदि अयोध्या में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बनाया गया है और रेलवे स्टेशन को जंक्शन बनाकर शेष देश के लिए ‘अमृत भारत’ और ‘वंदे भारत’ रेलगाड़ियां शुरू की गई हैं, तो उनके उद्घाटन प्रधानमंत्री नहीं करेंगे, तो क्या विपक्ष करेगा? अयोध्या में विश्व स्तरीय 20 होटलों के लिए ज़मीन दी गई है। एक अनुमान है कि प्रभु राम की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा होने के बाद औसतन 3 लाख श्रद्धालु हररोज़ अयोध्या में आ सकते हैं। हिसाब लगाएं कि यदि इतने श्रद्धालु और पर्यटक अयोध्या आएंगे, तो उस नगरी और आसपास के इलाकों की अर्थव्यवस्था कितनी समृद्ध होगी? अयोध्या को भी, अर्थव्यवस्था के लिहाज से, रोम, मक्का-मदीना और भारत के ही तिरुपति मंदिर की जमात में रखा जा सकेगा। अयोध्या का तो परिसंस्कार किया जा रहा है। बेशक नरेन्द्र मोदी देश के पहले प्रधानमंत्री हैं, जो विवादों के बाद अयोध्या गए और राम नगरी के चैतरफा परिसंस्कार का दायित्व निभाया। अयोध्या का तो चेहरा ही बदलने लगा है।

आस्था से राजनीति तक

आम चुनाव के मद्देनजर अयोध्या के राम मंदिर पर भाजपा ही नहीं, आरएसएस और विहिप ने एक ‘मास्टर प्लान’ तैयार की है। संघ परिवार के कार्यकर्ता गांव-गांव, घर-घर जाकर आमंत्रण बांट रहे हैं और पावन कार्यक्रम के सीधा प्रसारण को देखने के लिए लोगों को मानसिक तौर पर तैयार कर रहे हैं। भाजपा और संघ परिवार 15 जनवरी तक करीब 12 करोड़ परिवारों के 60 करोड़ लोगों से संपर्क करेंगे। उन्हें भगवान राम का चित्र और पूजित अक्षत (चावल) देंगे। उन्हें 22 जनवरी के समारोह को सामूहिक तौर पर देखने, भजन और भोग का न्योता दिया जा रहा है। विहिप ने 22 जनवरी को देश के 5 लाख गांवों के मंदिरों, धार्मिक या सार्वजनिक स्थलों में भी आयोजनों का लक्ष्य तय किया है। भाजपा और संघ परिवार की यह पूरी कवायद ‘राममय’ होने के लिए है। भाजपा ने आम चुनाव में 50 फीसदी या उससे अधिक वोट हासिल कर 350-400 सीटें जीतने का लक्ष्य तय किया है। ऐसा लक्ष्य विपक्ष भी तय कर सकता है। राम मंदिर संघ परिवार के लिए आस्था और देश की अस्मिता का प्रतीक है, तो राजनीतिक मकसद भी है। विपक्षी भी अयोध्या जाएं व प्रभु राम की भक्ति की तरंगों का आध्यात्मिक लाभ ग्रहण करें। इसमें गलत क्या है? मात्र विरोध के लिए विरोध से विपक्ष पुनजीर्वित नहीं होगा।

भारतीय अस्मिता के सांस्कृतिक पुरुष श्रीराम

प्राण प्रतिष्ठा
प्रो. निरंजन कुमार
अधिष्ठाता, दिल्ली विश्वविद्यालय

22 जनवरी 2024, यह दिन इतिहास में अमर हो जाएगा। सदियों की सांस्कृतिक गुलामी के बाद इस दिन प्राचीन सांस्कृतिक नगरी अयोध्या में भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा और नवनिर्मित मंदिर के उत्सव का कार्यक्रम है। आज पूरे भारत ही नहीं बल्कि भारत से जुड़े हुए संसार के हर हिस्से में रहने वाले लोगों की भावनाएँ हिलोरें ले रही हैं। प्रश्न उठता है क्यों राम को लेकर देश और दुनिया गुंजायमान है? क्या राम सिर्फ हिंदुओं के आराध्य देव हैं? या क्या श्रीराम केवल उत्तर भारत के देव हैं? गाहे-बगाहे कुछ लोग इस तरह का वितंडा खड़ा करते रहते हैं, जबकि अगर आप रामकथा को देखें तो श्रीराम का चरित्र न केवल सार्वदेशिक है, बल्कि सार्वपंथिक, सार्वजनीन और सर्व समावेशी भी। अयोध्या के श्रीराम परम ईश्वर तो हैं ही, इसके अतिरिक्त वे एक विराट सांस्कृतिक पुरुष भी हैं जिनसे पूरा भारतवर्ष ही नहीं संसार के विभिन्न देश युगों-युगों से प्रभावित हुए हैं।

सबके राम

सभी क्षेत्रों, भाषाओं, जातियों और धर्मों के लोगों ने अपने-अपने तरीके से रामायण अथवा रामकथा को रचा है। केवल ‘हिंदू’ कहलाने वाले समाज ही नहीं बल्कि बौद्ध, जैन, सिख आदि भारतीय पंथों के साथ-साथ मुसलमान और ईसाइयों तक को रामकथा ने गहरे प्रभावित किया है। वाल्मीकि के ‘आदि रामायण’ के बाद व्यास रचित महाभारत में भी 'रामोपाख्यान' के रूप में यह कथा वर्णित हुई है। फिर बौद्ध परंपरा में श्रीराम से संबंधित ‘दशरथ जातक जैसी कथाएँ उपलब्ध हैं। जैन साहित्य में स्वयंभू कृत 'पउमचरिउ' जैसे रामकथा संबंधी कई ग्रंथ हैं। सिख धर्म में भी राम का महत्वपूर्ण स्थान है, जिन्हें राम अवतार या राजा राम कहा जाता है। गुरु गोविंद सिंह द्वारा रचित दशम ग्रंथ के अन्तर्गत 'चौबीस अवतार' में राम का उल्लेख भगवान विष्णु के 24 दिव्य अवतारों में से एक के रूप में किया गया है। मुसलमानों में कवि रहीम ने, जो तुलसी के समकालीन थे, राम के आदर्श को नमन करते हुए लिखते हैं ‘रामचरित मानस विमल, संतन जीवन प्राण/हिन्दुआन को वेद सम, यवनहीं प्रकट कुरान’, तो ईसाइयों में रामकथा के प्रामाणिक शोधकर्ता फादर कामिल बुल्के के अनुसार “जिन आदर्शों, जीवन-मूल्यों और सामाजिक समरसता की प्रतिष्ठा के लिए श्रीराम संघर्ष करते हैं वे पूरे भारतीय जीवन-संस्कृति में रचे-बसे हैं”। स्पष्ट है कि श्रीराम सभी पंथों से परे एक ऐसे सांस्कृतिक चरित्र हैं जो भारतीय संविधान की प्रस्तावना में प्रयुक्त ‘पंथनिरपेक्ष’ शब्दावली के सच्चे प्रतीक के रूप में मौजूद हैं।

समस्त भारतीयता के प्रतिनिधि

भौगोलिक दृष्टि से देखें तो उत्तर से लेकर दक्षिण और पूर्व से लेकर पश्चिम सभी दिशाओं में रामकथा विद्यमान है। पूर्व में ‘कृतिवास रामायण’ और पूर्वोत्तर के रामायणों की चर्चा होती है, तो महाराष्ट्र में ‘भावार्थ रामायण’ है। उत्तर में वाल्मीकि रामायण और रामचरितमानस हैं, तो दक्षिण में कम्ब रामायण है। विभिन्न भारतीय भाषाओं में हिन्दी में 11, मराठी में 8, बाङ्ला में 25, तमिल में

12, तेलुगु में 12 तथा उड़िया में 6 महत्वपूर्ण रामायण मिलते हैं। इसके अतिरिक्त गुजराती, मलयालम, कन्नड़, असमिया,कश्मीरी, उर्दू, अरबी, फारसी, संथाली व पूर्वोत्तर आदि की अनेक भाषाओं में रामकथा लिखी गयी। इस दृष्टि से राम समस्त भारतीयता के प्रतिनिधि चरित्र हैं।

सार्वभौमिक चरित्र राम

यही नहीं, भारत के बाहर भी संसार के अनेक देशों में अनेक भाषाओं में रामचरित्र आपको दिखाई पड़ेगा। विदेशों में भी ‘तिब्बती रामायण’; पूर्वी तुर्किस्तान की ‘खोतानी रामायण’; इंडोनेशिया की ‘ककबिनरामायण’; जावा का ‘सेरतराम’, ‘सैरीराम’, ‘रामकेलिंग’, ‘पातानीरामकथा’; इण्डोचाइना की ‘रामकेर्ति’,‘खमैररामायण’; म्यांमार की ‘यूतोकी रामयागन’; थाईलैंड की ‘रामकियेन’ आदि रामचरित्र के सार्वभौमिकता का बखूबी बखान करती हैं।

समावेशी राम

श्रीराम सर्व समावेशी भी हैं, सामाजिक समरसता के सच्चे प्रतीक हैं। यह अनायास नहीं कि तथाकथित सवर्ण जातियों के अतिरिक्त पिछड़े-दलित तथा आदिवासी जातियों के लोगों ने भी राम को अपनी रचना का विषय बनाया। कबीर “मेरा मन रामहि आहि” कहते हैं तो रैदास “जब मन मिलो राम-सागर सों” की धुन लगाते हैं। इक़बाल जैसे शायर ने तो श्रीराम की शान में कविता लिखी। उन्होंने श्रीराम को हिंदू धर्म का प्रतीक न मान कर भारत की सांस्कृतिक धरोहर के प्रतीक के रूप में पहचाना है।

सामाजिक समरसता के प्रतीक

सामाजिक समरसता के प्रतीक श्रीराम सामाजिक दृष्टि से राज पुरुष होते हुए भी सभी समुदायों, सभी जातियों, सभी वर्गों और समुदायों के प्रति समानधर्मा और समभावी हैं। एक तरफ उनका आत्मीय संबंध कोल, किरात, भील, शबर, गुह और निषाद आदि ओबीसी या आदिवासी लोगों के साथ है, तो दूसरी तरफ पशु-पक्षियों और वृक्षों-पादपों से भी उनका वैसा ही प्रगाढ़ संबंध है। केवट, गुह और निषादराज आदि जहाँ राम के मित्र हैं, वहीं भाव-विभोर होकर भीलनी माता शबरी के झूठे बेर भी श्रीराम खाते हैं। एक ओर पक्षीराज जटायु के प्रति करुणा व्यक्त करते हैं तो वानरश्री हनुमान उनके अंतरंग है, और भल्लूकराज जामवंत और वानरराज सुग्रीव उनके मित्र।

आज भी प्रेरणास्रोत

आज के भौतिकतावादी युग में सामाजिक विघटन और पारिवारिक मूल्यों के क्षरण के दौर में जिस तरह से सारे सामाजिक और पारिवारिक संबंध टूट रहे हैं, भाई अपने भाई से, पिता अपने पुत्र से, और मित्रता के संबंध जब क्षणभंगुर हो रहे हैं, ऐसे में भी राम का उदात्त चरित्र शाश्वत प्रेरणास्पद और मन में एक उत्साह जगाने वाला दिखाई पड़ता है। राम का चरित्र एक तरफ करुणा सम्पन्न है तो दूसरी तरफ वीर और शौर्यवान भी। अपने पराक्रम रूप में वे राक्षसों के आतंक का खत्म कर सज्जनों को दिलासा देते हैं। आज जब संसार आतंकवाद की विभीषिका झेल रहा है, ऐसे में भी श्रीराम का यह रूप संसार को एक वैश्विक संदेश दे सकता है। सार्वजनीन चरित्र श्रीराम का ऋषि-मुनियों, भक्तों-संतों और कवियों आदि ने महिमा मंडन तो किया ही, आधुनिक काल में भी विभिन्न मनीषियों और चिंतकों जैसे विवेकानंद, महर्षि अरविंदो, तिलक, रवींद्रनाथ ठाकुर, महात्मा गांधी, विनोबा भावे और लोहिया राम चरित्र से बहुत प्रभावित थे, और अपने लेखन का विषय बनाया। भारत के कण-कण में, हर मन में राम विराजमान हैं। श्रीराम वह सांस्कृतिक पुरुषोत्तम हैं जो देश-काल से परे हैं। श्रीराम जिन जीवन मूल्यों, आदर्शों, मर्यादा और सामाजिक समरसता की प्रतिष्ठा के लिए संघर्ष करते हैं, वे भारतीयों के जीवन-संस्कृति में रचे-बसे हैं। यह अकारण नहीं कि जिस निर्माणाधीन राम मंदिर की आज चर्चा हो रही है उसके निर्माण के लिए निधि समर्पण में पूरी दुनिया में बसे हिन्दू भारतीयों लोगों के साथ-साथ कम्युनिस्ट, बौद्ध, पारसी, ईसाई व मुसलमान ने भी सहयोग किया है। यह देश सदा ऋणी रहेगा क्योंकि यह राम मंदिर ही नहीं, राष्ट्र मंदिर भी है।

‘धर्मराज्य’ के लिए मिलती रहेगी प्रेरणा

राम मंदिर
प्रो. महेश चंद गुप्ता
शिक्षाविद् व डीयू के पूर्व प्रोफेसर

हर सनातनी और राष्ट्रवादी देशवासी उस घड़ी का साक्षी बनने को आतुर है, जब अयोध्या के श्रीराम मंदिर में श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा होगी। सनातन संस्कृति के आस्थावान इस अवसर को दिव्य, अद्भुत, अलौकिक तथा देश के सम्मान की पुनरुस्थापना का मार्ग प्रशस्त करने वाला मान रहे हैं। आशा की जा रही है कि श्रीराम लला के अयोध्या में विराजमान होने के बाद भारत फिर से राम राज्य के आदर्श बनने की ओर अग्रसर होगा।

22 तारीख के इंतजार में देश में कुछ वैसा ही माहौल है, जिस प्रकार दीपावली और स्वाधीनता दिवस से पहले हुआ करता है। देश का हर नागरिक इस दिन दीप प्रज्ज्वलित करने के लिए तत्पर है। सनातन धर्म और संस्कृति में जिनकी आस्था है, उनके लिए जितना 15 अगस्त के दिन का महत्व है, उतना ही जनवरी की 22 तारीख का भी होगा। यह कोई साधारण दिन नहीं है और न ही आसानी से देखना नसीब हो रहा है। यह कई पीढ़ियों द्वारा सदियों तक किए गए प्रयासों-संघर्षों का परिणाम है। श्रीराम के प्रयोजन के लिए जिन लोगों ने अपना सर्वस्व होम कर दिया, यह उन हुतात्माओं के बलिदान का प्रतिफल है।

अयोध्या में बना यह मंदिर देश के लिए सिर्फ पूजास्थल नहीं है बल्कि यह हमारे लिए तप, त्याग और संकल्प प्रतीक और स्थायी प्रेरणापुंज बनने जा रहा है। इसकी वजह साफ है-श्रीराम का यह भव्य मंदिर जिस आंदोलन की बदौलत आकार ले पाया है, वह अर्पण, तर्पण और संकल्प से ओत-प्रोत आंदोलन था। उसी अर्पण, तर्पण और संकल्प की बदौलत ये मंदिर कोटि-कोटि लोगों की सामूहिक संकल्प शक्ति और हमारे राष्ट्र का प्रतीक बनने जा रहा है। जन मान्यता है कि इसी मंदिर में श्री रामलला के विराजित होने के उपरांत राम राज का शिलान्यास भी हो जाएगा। उस राम राज की आधारशिला रखी जाएगी, जिसकी परिकल्पना न जाने कब से हम भारत के लोग कर रहे हैं। सदियों की प्रतीक्षा समाप्त होने जा रही है।

अभी हम जिस कालखंड में जी रहे हैं, वह भारत के लिए क्रांतिकारी, गौरवशाली और बड़े सकारात्मक बदलावों का कालखंड है। पूरी दुनिया हमारी संस्कृति को मान रही है। भारत की गौरवशाली और प्राचीन संस्कृति की तरफ लोगों का रूझान है। पाश्चात्य संस्कृति की ओर खिंचे रहने वाले युवा भी हमारी संस्कृति को पुनः अंगीकार कर रहे हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद समेत सौ से ज्यादा संस्थाएं समाज को जाग्रत कर रही हैं। निश्चय ही आने वाला समय अच्छा समय है, इसमें श्रीराम मंदिर मील का पत्थर बनने जा रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने तो अगले पच्चीस सालों में मंदिर से राम राज की यात्रा का शुभारंभ करने की तैयारी शुरू की है। इसके लिए संघ की एक महत्ती योजना है, जिसके तहत संघ अगले पच्चीस सालों में ऐसे सशक्त भारत का निर्माण करना चाहता है, जिसकी बदौलत भारत एक बार पुनः विश्व गुरु बने। वर्ष 2047 में देश की आजादी के एक सौ वर्ष पूरे होने के अवसर पर आरएसएस की जो परिकल्पना है, उसे साकार करने के लिए केन्द्र बिंदु राम का मंदिर है और संघ समाज की सभी संस्थाओं को राम राज्य की

परिकल्पना के अनुरूप संवैधानिक दायरे में स्थापित करने का रोडमैप बना रहा है। संघ चाहता है आगामी पच्चीस सालों में प्रत्येक व्यक्ति का हृदय ऐसा हो, जिसमें श्रीराम स्वयं बसें और हर व्यक्ति अपने व्यक्तिगत एवं पारिवारिक जीवन की रचना इसी के अनुरूप करे।

आज यह सब करने की जरूरत इसलिए पड़ रही है क्योंकि अतीत में समय चक्र कुछ ऐसे चला, जिससे आसुरी शक्तियां हावी हो गईं। विदेशी आक्रांताओं की वजह से एक लंबे कालखंड तक देश में प्रतिकूल हालात बने रहे। आक्रांताओं ने हमारे विशाल भवन नष्ट कर दिए। हमारे अस्तित्व के खात्मे की कोशिशें की गईं मगर वह श्रीराम को भला किस प्रकार मिटा पाते। उस राम को कैसे मिटाते, जो कण-कण में हैं, हर जन के हृदय में हैं। वक्ती तौर पर भवनों को ढहा देने वाले आक्रांता खुश हो कर चले गए लेकिन जिस प्रकार काले बादलों का अंधेरा छंटने पर सूर्य की सप्त रश्मियां वातावरण को फिर से जगमग कर देती हैं, उसी प्रकार राम मंदिर की बदौलत देश में सुख, शांति, समृद्धि, वैभव की जगमगाहट होना तय हो गया है।

विरोध कर रहे मुट्ठी भर नेताओं को समझना चाहिए कि राम मंदिर किसी एक व्यक्ति अथवा पार्टी का नहीं है, इससे करोड़ों लोगों की आस्था जुड़ी है। राम किसी एक के नहीं, सबके हैं। समूचे संसार के हैं। भारतवर्ष में करोड़ों लोगों की आस्था के केन्द्र राम हैं तो अनेक विदेशों में भी हैं।

आज यह धारणा बलवती हो रही है कि राम मंदिर अनंत काल तक समूची मानवता को प्रेरणा देगा तो यह अकारण नहीं है। शास्त्रों में उल्लेख इस बात का है कि श्रीराम के समान कोई नीतिवान समूची धरा पर कभी नहीं हुआ। कोई गरीब व दुःखी न हो, यह राम राज का उद्देश्य था। श्रीराम का संदेश यह था कि नर-नारी को समान भाव से सुख मिले और बुजुर्गों व बच्चों की सदैव रक्षा हो।

कुछ लोगों के मन में प्रश्न उठ सकता है कि आखिर राम राज क्या है? राम राज एक सामाजिक व्यवस्था का नाम है। यह एक ऐसी व्यवस्था है, जिसकी परिकल्पना महात्मा गांधी ने भी की थी। राम राज रूपी सामाजिक व्यवस्था समर्पण एवं त्याग की भावनाओं से ओत-प्रोत है। राम राज ऐसी व्यवस्था का द्योतक है, जिसमें शांति, सत्य और जन भावना का समावेश लाजिमी है। इसमें ‘प्राण जाए पर वचन न जाए’ की भावना निहित है। लोक भावनाओं के सम्मान के बिना तो राम राज की कल्पना ही नहीं की जा सकती है। तुलसी दास जी ने राम राज के बारे में रामायण में जो लिखा है, उसे देखिए। वे कहते हैं- ‘‘दैहिक, दैविक, भौतिक तापा, रामराज काहु नहीं व्यापा।’’ अर्थात राम जी के राज में न देह से संबंधित रोग थे, न दैवीय प्रकोप और न ही भौतिक आपदाओं का प्रभाव व्याप्त था।

महात्मा गांधी के 20 मार्च, 1930 को हिन्दी पत्रिका ‘नवजीवन’ में ‘स्वराज्य और रामराज्य’ शीर्षक से प्रकाशित लेख में राम राज्य का बहुत ही सुंदर शब्दों में वर्णन किया गया है। गांधी जी लिखते हैं कि ‘‘स्वराज्य के कितने ही अर्थ क्यों न किए जाएं, तो भी मेरे नजदीक तो उसका त्रिकाल सत्य एक ही अर्थ है, और वह है रामराज्य, यदि किसी को रामराज्य शब्द बुरा लगे तो मैं उसे धर्मराज्य कहूंगा। रामराज्य शब्द का भावार्थ यह है कि उसमें गरीबों की संपूर्ण रक्षा होगी। सब कार्य धर्म पूर्वक किए जाएंगे और लोकमत का हमेशा आदर किया जाएगा। सच्चा चिंतन तो वही है, जिसमें रामराज्य के लिए योग्य साधन का ही उपयोग किया गया हो। यह याद रहे कि रामराज्य स्थापित करने के लिए हमें पाण्डित्य की कोई आवश्यकता नहीं है। जिस गुण की आवश्यकता है, वह तो सभी वर्गों के लोगों- स्त्री, पुरुष, बालक और बूढ़ों- तथा सभी धर्मों के लोगों में आज भी मौजूद है। दुःख मात्र इतना ही है कि सब उसे जगाते नहीं हैं। सत्य, अहिंसा, मर्यादा-पालन, वीरता, क्षमा, धैर्य आदि गुणों का हममें से हरेक व्यक्ति परिचय दे सकता है। श्रीराम का मार्ग मानवता का मार्ग है। जब-जब हम श्रीराम के मार्ग पर चले हैं तो विकास ने बाहें फैलाई हैं लेकिन यह भी सत्य है कि जब-जब हम राम जी के रास्ते से भटके हैं तो हमारा पतन हुआ है। अब हम राम के मार्ग पर हैं। हमारा मूल रास्ता ही यही है क्योंकि राम हमारी संस्कृति के आधार हैं।

नहीं थम रही सालार की आंधी, बढ़ रही 700 करोड़ के क्लब की ओर

मुंबई। प्रभास की फिल्म 'सालार' बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई कर रही है। कुछ दिनों पहले 'सालार' 600 करोड़ के आंकड़े को पार चुकी है और अब ये 700 करोड़ क्लब की ओर तेजी से बढ़ रही है। भारत के साथ-साथ विदेशों में भी फिल्म हर दिन करोड़ों में कमाई कर रही है। खबर के मुताबिक अब तक प्रभास की फिल्म ने ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर 667.59 करोड़ रुपए का टोटल बिजनेस कर लिया है।

अब ओटीटी पर स्ट्रीम होगी सलमान - कैट की टाइगर- 3

मुंबई। 'टाइगर 3' साल 2023 में रिलीज हुई थी। सलमान खान और कैटरीना कैफ स्टारर इस फिल्म को भी दर्शकों से काफी जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला। अब ये फिल्म जल्द ही ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। 'टाइगर 3' ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजॉन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। हालांकि अभी 'टाइगर 3' की ओटीटी रिलीज डेट रिवील नहीं की गई है।

अपकमिंग फिल्म मेरी क्रिसमस के प्रमोशन में जुटी कैटरीना

मुंबई। एक्ट्रेस कैटरीना कैफ इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'मेरी क्रिसमस' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। रिलीजिंग से पहले वह फिल्म की जमकर प्रमोशन करती नजर आ रही हैं। इसी बीच प्रमोशन के सिलसिले में कैटरीना को बांद्रा में स्पॉट किया गया, जहां वह पैपराजी को जमकर पोज देती नजर आईं। कैटरीना की ये तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं।

अनुपमा ने की वापसी, पंड्या स्टोर की टॉप-5 में एंट्री...

मुंबई। रूपाली गांगुली, गौरव खन्ना स्टारर टीवी शो टॉप पर वापस आ गया है। एक समय राज करने वाली अनुपमा, जो कुछ समय के लिए अपनी रैंक खो चुकी थीं, फिर से टॉप पर हैं। ये रिश्ता क्या कहलाता है, इमली और अन्य शो टीआरपी चार्ट पर शानदार रैंक हासिल कर रहे हैं। कुछ शो ने सचमुच दर्शकों को हैरान कर दिया है। अनुपमा ने एक बार फिर से बाजी मार ली है। इस शो को 2.6 मिलियन व्यूअरशिप इंप्रेशन की टीआरपी मिली है। शक्ति अरोड़ा, भाविका शर्मा और सुमित सिंह स्टारर टीवी शो गुम है किसी के प्यार में अब दूसरे स्थान पर है। इसे 2.4 मिलियन व्यूअरशिप इंप्रेशन मिले हैं। ऐसा लगता है कि जिस तरह से नए ट्विस्ट के साथ कहानी में बदलाव किया गया है वह फैंस को पसंद नहीं आ रहा है। शहजादा धामी, समृद्धि शुक्ला, प्रतीक्षा होनमुखे और रोहित खजूरिया स्टारर टीवी शो ये रिश्ता क्या कहलाता है, टीआरपी चार्ट पर दिल जीत रहा है। साई केतन राव और अद्रिजा रॉय स्टारर इमली शो में जबरदस्त बदलाव देखने को मिला। काफी समय बाद पंड्या स्टोर ने टॉप 5 में एंट्री की है। 2.0 मिलियन व्यूअरशिप इंप्रेशन की रेटिंग के साथ यह पांचवें स्थान पर है। इसमें रोहित चंदेल और प्रियांशी यादव मुख्य भूमिका में हैं। प्रियांशी और रोहित की केमिस्ट्री फैन्स को खूब पसंद आ रही है।

ट्रेडिशनल लुक में आईं नजर

मुंबई। पद्मिनी कोल्हापुरे और प्रदीप शर्मा के बेटे प्रियांक शर्मा और उनकी पत्नी शजा मोरानी जल्द ही पेरेंट्स बनने वाले हैं। हाल ही में कपल की गोदभराई सेरेमनी हुई थी। इस दौरान बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर भी अपने कजिन ब्रदर की खुशियों में शामिल होती हुई नजर आईं। इस खास मौके की कई तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। प्रियांक शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम पर तस्वीरों की एक सीरीज पोस्ट की है जिसमें न केवल श्रद्धा कपूर बल्कि प्रियांक की मां, पद्मिनी कोल्हापुरे और शाज़ा मोरानी की बहन ज़ोआ भी शामिल नजर आ रही हैं। एक तस्वीर में श्रद्धा कपूर को प्रियांक और शजा के साथ पोज देते हुए देखा जा सकता है। गोदभराई के मौके पर शज़ा और प्रियांक ने शाइनी पिंक कलर के आउटफिट पहने थे। मॉम टू बी शजा अट्रैक्टिव ज्वैलरी के साथ साटन की साड़ी में अपने बेबी बंप को फ्लॉन्ट करती हुई नजर आईं। वहीं प्रियांक ने भी ट्विनिंग करते हुए कुर्ता-पायजामा पहना था। वहीं श्रद्धा के लुक की बात करें तो एक्ट्रेस ने अपने कजिन ब्रदर और भाभी की गोदभराई फंक्श नके लिए ट्रेडिशनल लुक कैरी किया था। श्रद्धा ने लेमन कलर की अनारकली ड्रेस पहने हुई थी और वे काफी प्यारी लग रही थीं। उन्होंने अपनी नाक में नथ, झुमका और बालों का जूड़ा बनाकर अपना लुक कंप्लीट किया था।

सिंघम-3 में श्वेता बनेंगी खुफिया अधिकारी

मुंबई। अभिनेत्री श्वेता तिवारी ने एक दिलचस्प खुलासा किया है। अब श्वेता रोहित शेट्टी की अपकमिंग फिल्म 'सिंघम अगेन' में दिखाई देंगी। 'सिंघम 3' में श्वेता तिवारी खुफिया अधिकारी के रोल में दीपिका पादुकोण के साथ धमाका करने के लिए तैयार हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक श्वेता तिवारी सिंघम अगेन में एक खुफिया अधिकारी की भूमिका निभाएंगी। श्वेता तिवारी का कहना है कि रोहित शेट्टी की 'इंडियन पुलिस फोर्स' का हिस्सा बनना उनके लिए सम्मान की बात है और जब उन्हें सिंघम अगेन के लिए उनकी टीम से कॉल आया, तो वह बहुत एक्साइटेड हुईं।

रोमांचक प्रोजेक्ट की तलाश में भूमि

मुंबई। एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अपनी शुरुआत करने के लिए एक अच्छे प्रोजेक्ट की तलाश में हैं। भूमि के अब तक के काम से साबित होता है कि वह आज भारत की सबसे डिसरप्टिव अभिनेत्रियों में से एक हैं। वह केवल और केवल तभी स्ट्रीमिंग के लिए कदम उठाएंगी जब कोई बेहद रोमांचक प्रोजेक्ट उनके पास आएगा। वह कहती हैं, विश्व स्तर के साथ-साथ भारत में भी स्ट्रीमिंग कंटेंट का स्तर अविश्वसनीय है।

'एक देश, एक चुनाव' के लिए जनता से 15 तक मांगे गए सुझाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के नेतृत्व में 'एक देश, एक चुनाव' के लिए बनी समिति ने देश में एक साथ चुनाव कराने के लिए मौजूदा कानूनी प्रशासनिक ढांचे में उचित बदलाव करने के लिए जनता से सुझाव मांगे हैं। एक सार्वजनिक नोटिस में समिति ने कहा कि 15 जनवरी तक प्राप्त सुझावों पर विचार किया जाएगा। समिति ने एक साथ चुनाव कराने पर विधि आयोग के विचार भी सुने हैं। इस मुद्दे पर विधि आयोग को दोबारा बुलाया जा सकता है। नोटिस में आगे कहा गया है कि सुझाव समिति की आधिकारिक वेबसाइट या फिर ई-मेल पर भेजे जा सकते हैं।

एक देश-एक चुनाव दो चरणों में हो सकते हैं

'एक देश, एक चुनाव' से आशय विधानसभा और लोकसभा चुनाव एक साथ कराए जाने से है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक साथ चुनाव 2 चरणों में करवाए जा सकते हैं। पहले चरण में लोकसभा और कुछ राज्यों की विधानसभा के लिए मतदान हो सकता है। दूसरे चरण में बाकी राज्यों के विधानसभा चुनाव एक साथ हो सकते हैं। अगर राज्य सरकार बीच में गिर जाती है तो दूसरी बार में अन्य राज्यों के साथ उस राज्य के दोबारा चुनाव हो सकेंगे।

सभी राजनीतिक पार्टियों से भी मांगें थे सुझाव : बता दें कि सितंबर, 2023 में गठन के बाद से समिति की 2 बैठक हो चुकी है। समिति ने हाल में सभी राजनीतिक पार्टियों को पत्र लिखकर देश में एक साथ चुनाव कराने पर उनके विचार मांगे थे। ये पत्र 6 राष्ट्रीय पार्टियों, 33 क्षेत्र पार्टियों और 7 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त पार्टियों को भेजा गया था।

देश में एक साथ चुनाव से क्या होगा फायदा

केंद्र सरकार का एक साथ लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव कराने के पीछे तर्क है कि इससे चुनाव में जनता का पैसा बचेगा। साथ ही प्रशासनिक व्यवस्था और सुरक्षाबलों पर बार-बार चुनाव में पड़ने वाला बोझ कम पड़ेगा। इसके अलावा, सरकारी नीतियों का समय पर कार्यान्वयन हो सकेगा और प्रशासनिक मशीनरी चुनावी कार्यक्रम के बजाय विकास कार्यों में ज्यादा समय दे पाएगी। विधि आयोग ने कहा है कि देश में 2029 में एक साथ चुनाव हो सकते हैं।

इस वेबसाइट और ई-मेल पर भेजें सुझाव

नोटिस में कहा गया है कि 15 जनवरी तक सभी लोग अपने सुझाव समिति की आधिकारिक वेबसाइट **onoe.gov.in** या फिर **sc-hlc@gov.in** पर ई-मेल के जरिए भेज सकते हैं।

रिश्वतखोर अधिकारी के आवास से 5.86 लाख नकद बरामद

नागपुर। सीबीआई ने रिश्वतखोरी के एक कथित मामले में पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन के एक अधिकारी के महाराष्ट्र के नागपुर स्थित आवास पर छापा मारा और बिना हिसाब की 5.86 लाख रुपये की नकदी बरामद की। शुक्रवार को की गई इस छापेमारी के साथ, इस रिश्वत मामले में अब तक कुल लगभग 2.22 करोड़ रुपये की नकदी जब्त की जा चुकी है। अधिकारी ने बताया कि सीबीआई ने बृहस्पतिवार को पीईएसओ में विस्फोट उप मुख्य नियंत्रक अशोक कुमार दलेला और विवेक कुमार को कथित तौर पर रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

जैकेट के शेष

'सूरज की बाहों में...

प्रवेश कर चुका है। इस पर इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने कहा, आज केवल आदित्य-एल1 को सटीक हेलो कक्षा में स्थापित करना था। यह उच्च कक्षा की ओर बढ़ रहा था। हालांकि, हमें थोड़ा सा सुधार करना पड़ा। इसरो चीफ के मुताबिक आदित्य एल वन सही जगह पर है। हम अगले कुछ घंटों तक इसकी निगरानी करेंगे। अगर यह अपने तय रास्ते से थोड़ा सा भटकता है, तो हमें थोड़ा और सुधार करना पड़ सकता है। हालांकि, ऐसा होने की उम्मीद नहीं के बराबर है। इसरो ने तस्वीरें पहले ही वेबसाइट पर डाल दी हैं। उपग्रह में बचे ईंधन से कम से कम पांच साल के जीवन की गारंटी है।

इधर, इसरो की सफलता पर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृहमंत्री, विदेश मंत्री ने इसरो को बधाई दी है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, आदित्य-एल1 को उसकी कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित करने के लिए इसरो को बधाई। उन्होंने कहा कि इस मिशन से पूरी मानवता को लाभ होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बड़ी कामयाबी के लिए देश को बधाई दी है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, 'भारत ने एक और उपलब्धि हासिल की। केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा, भारत के लिए यह साल बेहद शानदार रहा है। पीएम मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, इसरो की टीम ने एक और सफलता की कहानी लिखी। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर केरल दौरे पर हैं। उन्होंने इसरो के सौर मिशन आदित्य-एल1 के हेलो ऑर्बिट में प्रवेश करने को लेकर बधाई दी। उन्होंने कहा, यह एक बड़ी उपलब्धि है। मैंने कई वर्षों तक अंतरिक्ष कार्यक्रम देखा है। मैं अंतरिक्ष आयोग का सदस्य भी रहा हूं। यह हमारे लिए वैसे ही गर्व का क्षण है जैसे चंद्रयान तीन कार्यक्रम था।

आदित्य एल-1 सूर्य का निरीक्षण करेगा, 24 घंटे रहेगा सक्रिय : इसरो के सौर मिशन आदित्य-एल1 के हेलो ऑर्बिट में प्रवेश करने पर अंतरिक्ष वैज्ञानिक और खगोलशास्त्री आरसी कपूर ने तकनीकी पहलू के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा, वहां सौर अपवर्जन क्षेत्र है जो लगभग 5 डिग्री है। इसलिए इसरो ने इस उपग्रह को हेलो कक्षा में रखा। सूर्य की ओर से देखने पर यह हेलो कक्षा की रेखा के लंबवत है।

उस कक्षा में घूमते हुए, हमारा उपग्रह हमेशा सूर्य की तरफ देखता रहेगा। इसलिए दिन के 24 घंटे और वर्ष के सभी दिन, यह सूर्य का निरीक्षण कर सकेगा। इसरो के लिए L1 तक पहुंचना और एक उपग्रह स्थापित करना इसके चारों ओर एक कक्षा में जाना उल्लेखनीय है। यह पहली बार है। दूसरी बात यह है कि, उन सभी भारतीय संस्थानों के लिए भी गर्व का मौका है, जिनके पेलोड आदित्य एल1 में इस्तेमाल किए गए हैं।

विधायक देवेंद्र की जमानत ....

जमानत अर्जी पर सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष के वकील ने कोर्ट को बताया कि जो इनकम टैक्स का मुकदमा है, वही गलत है। ईडी का पूरा केस इनकम टैक्स के मुकदमे पर आधारित है। जब इनकम टैक्स का मुकदमा ही गैरकानूनी है, तो ईडी का केस भी नहीं चलना चाहिए। बचाव पक्ष के वकील के तर्क तथा ईडी के वकील के तर्कों को सुनने के बाद कोर्ट ने देवेंद्र यादव की जामानत याचिका खारिज की।

जेल में आरोपियों से पूछताछ : मनी लांड्रिंग तथा माइनिंग ट्रांसपोर्ट में गड़बड़ी के आरोपियों से जेल में पूछताछ करने ईडी के वकील ने कोर्ट में अर्जी दाखिल की थी। ईडी की अर्जी को कोर्ट ने स्वीकार करते हुए ईडी के अफसरों को आरोपियों से 10 जनवरी से 16 जनवरी तक पूछताछ करने अनुमति प्रदान की है। इसके साथ ही ईडी के वकील ने कोर्ट में कांग्रेस नेता रामगोपाल अग्रवाल के पूछताछ में सहयोग नहीं करने का आरोप लगाते हुए गैर जमानती वारंट जारी करने आवेदन पेश किया, जिसे कोर्ट ने स्वीकार नहीं किया।

कोर्ट में चार आवेदन पत्रों पर सुनवाई : ईडी की विशेष अदालत में शनिवार को चार आवेदन पत्रों पर सुनवाई हुई है। कोर्ट में सुनवाई पूरी करने चार घंटे लग गए। सुनवाई में प्रमुख रूप से देवेंद्र यादव के जमानत आवेदन तथा दूसरा आवेदन शराब घोटाले के आरोपी अरविंद सिंह के आवेदन, इसके साथ कोल स्कैम से जुड़े 10 आरोपी जो जेल में हैं, उनके भी सेक्शन-50 स्टेटमेंट को आगे बढ़ाते हुए आवेदन पेश किया गया है। ईडी के वकील डॉ. सौरभ पांडेय के मुताबिक घोटाला वैसे तो 540 करोड़ का है, लेकिन अब तक 220 करोड़ का पता चला है। इसीलिए आगे कुछ सवाल जवाब की परमिशन के लिए हमने कोर्ट में आवेदन पेश किया था, जिसे स्वीकार कर लिया गया।

तीन के खिलाफ जमानती वारंट : ईडी ने तीन आरोपियों के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया है। कांग्रेस प्रवक्ता आरपी सिंह, कांग्रेस नेता विनोद तिवारी एवं अनुराग चौरसिया के खिलाफ पांच सौ रुपए का वारंट जारी किया गया है।

चार्जशीट में भूपेश ...

काम करती रहती है। **असीम ने खुद कहा था उन्हें धोखे में रखा गया** : भूपेश बघेल ने कहा, जिस असीम दास के पास से रुपए बरामद हुए थे, उसने जेल से अपने हस्तलिखित बयान में कहा है कि उन्हें भी धोखे में रखकर फंसाया गया। उन्होंने कभी किसी राजनेता व उनसे जुड़े लोगों को पैसा नहीं पहुंचाया। अब ईडी दावा कर रही है कि उसने यह बयान भी वापस ले लिया है। यह किस दबाव में हो रहा है, उसे सब जानते हैं। अब सवाल यह है कि ईडी ने जिस दिन कथित रूप से असीम दास से रुपए बरामद किए थे, उस घटना की पूरी रिकॉर्डिंग ईडी के पास है।

मैंने शुरू की थी .....

जांच कर रही है, लेकिन दुर्भाग्य है कि ईडी ने जांच को अपराध के बजाय राजनीतिक दबाव व बदनामी का हथियार बना लिया है। महादेव ऐप के पूरे मामले को जिस तरह से राजनीतिक रंग दिया गया है, उससे साफ है कि इसका उद्देश्य अब असली अपराधियों को बचाने और राजनीतिक दुष्प्रचार कर भाजपा को फायदा पहुंचाने का ही रह गया है।

पूर्व नियोजित थी .....

हथकंडे अपनाकर मेरा व मेरे सहयोगियों का नाम लेने का दबाव बना रही है। ईडी के नए दस्तावेज से यह और स्पष्ट हो गया है।

छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन ....

बदल के रहिबो। आमसभा के बाद तत्काल चुनाव की प्रक्रिया का भी विरोध करने की तैयारी है। किसी भी हाल में आमसभा वाले दिन चुनाव नहीं होने दिया जाएगा। मतदाता सूची लेने के बाद ही किसी और दिन चुनाव पर ही सहमति बनेगी। अध्यक्ष पद के लिए ही करीब आधा दर्जन दावेदार हैं। एसोसिएशन का चुनाव करीब डेढ़ साल विलंब से अब रविवार को राजधानी रायपुर में हो रहा है। एसोसिएशन के तीन पदों अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष का चयन प्रदेशभर के सराफा संघों के पदाधिकारी मतदाता करेंगे। इसके अलावा और किसी को मतदान का अधिकार नहीं होगा। मतदान करने वाले संघों के लिए यह जरूरी होगा कि वे शुल्क जमा कर दें। शुल्क जमा न करने वाले संघों के पदाधिकारियों को मतदान से वंचित होना पड़ेगा। इसी के साथ जो भी नए संघ जुड़ेंगे, उनके भी तीन पदाधिकारियों को मतदान का अधिकार रहेगा।

अब तक एक बार ही चुनाव : एसोसिएशन के 30 साल के इतिहास में मात्र एक बार ही करीब साढ़े सात साल पहले बिलासपुर में हुए चुनाव में मतदान की स्थिति बनी थी और मतदान से ही पदाधिकारियों का चयन हुआ था, अन्यथा आमतौर पर सर्वसम्मति से पदाधिकारियों का चुनाव निर्विरोध हो जाता है। इस बार रायपुर में होने वाले चुनाव में भी जो स्थिति बन रही है, उससे मतदान होना तय माना जा रहा है।

तीन संभाग एक साथ : इस बार के चुनाव में बिलासपुर सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष कमल सोनी ने अध्यक्ष पद की दावेदारी की है। उनको बिलासपुर के साथ सरगुजा और बस्तर संभाग के भी कारोबारियों का समर्थन है। तीन संभागों के कारोबारियों ने मिलकर तय किया है कि इस बार हर हाल में चुनाव से ही पदाधिकारियों का चयन करवाया जाएगा। किसी भी हाल में सर्वसम्मति का सवाल ही नहीं उठता है।

घमासान तय : छत्तीसगढ़ सराफा के साथ रायपुर सराफा एसोसिएशन के पूर्व उपाध्यक्ष लक्ष्मी नारायण लाहोटी का कहना है, इस हार चुनाव में घमासान तय है। किसी भी हाल में सर्वसम्मति बनने वाली नहीं है। पहली बार प्रदेश भर के सराफा कारोबारी चाह रहे हैं कि चुनाव की प्रक्रिया से ही पदाधिकारियों का चयन किया जाए।

सर्वसम्मति संभव ....

सभा के बाद तत्काल चुनाव कराया जाएगा तो उसका भी विरोध किया जाएगा, क्योंकि मतदाता सूची के बिना चुनाव की प्रक्रिया ठीक नहीं है। मतदाता सूची लेने के बाद किसी और दिन चुनाव कराने की मांग रखेंगे। नहीं मानेंगे तो रजिस्ट्रार आफिस में शिकायत करेंगे और जरूरत पड़ने पर हाईकोर्ट की शरण में भी जाएंगे।

पेज एक के शेष

श्रीराम के रंग में...

दिन देश के हर राज्य से हजारों की संख्या में लोग अयोध्या जाना चाहते हैं, लेकिन उस दिन भारी भीड़ के कारण परेशानी के साथ अव्यवस्था भी हो सकती है, ऐसे में राम मंदिर ट्रस्ट के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी देश वासियों से अपील की है कि प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन अयोध्या न आकर कार्यक्रम के बाद कभी भी आकर दर्शन करें, ताकि किसी को परेशानी न हो।

राम मंदिर में जलेंगे 11 सौ दीये : राजधानी रायपुर के राम मंदिर में 22 जनवरी को बड़ा कार्यक्रम होगा। मंदिर के पुजारी हनुमंत लाल ने बताया, भगवान श्री राम का विशेष श्रृंगार किया जाएगा। मंदिर के हॉल में प्रोजेक्टर लगाकर अयोध्या के कार्यक्रम का लाइव दिखाया जाएगा। इसी के साथ शाम को मंदिर की तरफ से 11 सौ दीये जलाए जाएंगे। इसी के साथ भक्तों को भी आमंत्रित किया गया है। भक्त भी अपनी तरफ से दीये जलाएंगे, ऐसे में हजारों की संख्या में दीये जलेंगे।

बड़े शहरों में बड़ा कार्यक्रम : बड़े शहरों में बड़े कार्यक्रम भी होंगे। राजधानी रायपुर के जयस्तंभ चौक पर बड़ी स्क्रीन लगातार लाइव प्रसारण होगा। इसी के साथ राजधानी के कई स्थानों पर कार्यक्रम के प्रसारण के लिए बड़ी स्क्रीन लगेगी। रात को जमकर आतिशबाजी भी होगी। रायपुर से ज्यादातर मंदिरों में पूजा-अर्चना के साथ प्रसाद का वितरण और भंडारा होगा। इसी तरह से हर जिले और बड़े शहरों में भंडारा और आतिशबाजी का कार्यक्रम होगा। मंदिरों में 101, 501 से 11 सौ 21 सौ दीये भी जलाए जाएंगे।

21 हजार भक्त करेंगे हनुमान चालीसा का पाठ : प्राण प्रतिष्ठा के एक दिन पहले 21 जनवरी को दुर्ग में संगीतमय हनुमान चालीसा का पाठ कार्यक्रम रखा गया है। विहिप के साथ कई संगठनों ने मिलकर रविशंकर स्टेडियम दुर्ग में यह कार्यक्रम रखा है। इसमें 21 हजार भक्त एक साथ हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे।

घर-घर जलेंगे दीये, मनेगी दीपावली : प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन घर-घर में दीये जलेंगे और दीपावली मनेगी। इसके लिए विहिप, आरएसएस, भाजपा सभी ने तैयारी की है। जहां इनके सभी कार्यकर्ता अपने-अपने घरों में दीये जलाने के साथ पूजा-अर्चना का कार्यक्रम करेंगे, वहीं घरों के सामने रंगोली सजेगी और शाम को आतिशबाजी भी की जाएगी।

60 लाख परिवारों को आमंत्रण : प्रदेश के 60 लाख परिवारों को अयोध्या आने का आमंत्रण दिया जा रहा है। घर-घर तक अक्षत के साथ आमंत्रण पहुंचाने का जिम्मा विहिप ने उठाया है। विहिप के प्रांत कोषाध्यक्ष सीए धवल शाह ने बताया, लोगों को आमंत्रित करते हुए बताया जा रहा है कि अयोध्या के राम मंदिर ट्रस्ट ने अपील की है कि प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन को छोड़कर इसके बाद किसी भी दिन अयोध्या आएं और राम लला के दर्शन करें।

लगातार हो रहे हैं कार्यक्रम : प्रदेश में लगातार कार्यक्रमों का सिलसिला भी चल रहा है। कई स्थानों पर कलश यात्राएं निकल चुकी हैं। रोज सुबह प्रभात फेरी भी निकाली जा रही है। ये कार्यक्रम लगातार 22 जनवरी तक चलेंगे। लोग मंदिरों में पूजा-अर्चना भी कर रहे हैं।

शोभायात्रा-बाइक...

भव्य जागरण बाइक रैली निकलेगी। इसमें हजारों की संख्या में बाइकर शामिल होंगे। इसके अगले दिन 21 जनवरी को तेलीबांधा तालाब से राम मंदिर तक शोभायात्रा निकालने का कार्यक्रम रखा है। इसमें दस हजार से ज्यादा लोग शामिल होंगे।

एक लाख जलेंगे...

भजन संध्या होगी, वहीं एक लाख दीये जगमग होंगे। इन दिन पूरे शहर को भी दीयों से जगमग करने के लिए आतिशबाजी करके दीपावली मनाने की तैयारी की जा रही है। वहां पर 15 जनवरी से कई तरह के कार्यक्रम होंगे।

रद्द होने वाली...

10) 09 से 17 जनवरी 18233 इंदौर- बिलासपुर नर्मदा एक्सप्रेस।
11) 07 से 16 जनवरी 18236 बिलासपुर-भोपाल एक्सप्रेस ।
12) 09 से 18 जनवरी 18235 भोपाल- बिलासपुर एक्सप्रेस ।
13) 09 से 16 जनवरी 11265 जबलपुर- अंबिकापुर एक्सप्रेस।
14) 10 से 17 जनवरी 11266 अंबिकापुर- जबलपुर एक्सप्रेस।
15) 08 से 16 जनवरी 18247 बिलासपुर-रीवा एक्सप्रेस ।
16) 09 से 17 जनवरी 18248 रीवा-बिलासपुर एक्सप्रेस ।
17) 09 से 15 जनवरी को 18257 बिलासपुर-चिरमिरी एक्सप्रेस ।
18) 10 से 16 जनवरी 18258 चिरमिरी – बिलासपुर एक्सप्रेस ।
19) 11 व 15 जनवरी 12535 लखनऊ-रायपुर गरीब रथ एक्सप्रेस ।
20) 12 व 16 जनवरी 12536 रायपुर- लखनऊ गरीब रथ एक्सप्रेस ।
21) 13 जनवरी को 20971 उदयपुर-शालीमार एक्सप्रेस ।
22) 14 को 20972 शालीमार- उदयपुर एक्सप्रेस ।
23) 10 को 20828 संतरागाछी - जबलपुर एक्सप्रेस ।
24) 11 जनवरी को 20827 जबलपुर- सांतरागाछी एक्सप्रेस ।
25) 13 जनवरी को 22830 शालीमार-भुज एक्सप्रेस ।
26) 16 जनवरी को 22829 भुज -शालीमार एक्सप्रेस ।
27) 14 जनवरी 18213 दुर्ग-अजमेर एक्सप्रेस ।
28) 15 जनवरी को 18214 अजमेर- दुर्ग एक्सप्रेस।
29) 10 जनवरी को 22169 रानी कमलापति-सांतरागाछी एक्सप्रेस।
30) 11 जनवरी 22170 सांतरागाछी-रानी कमलापति एक्सप्रेस।

पीएससी घोटाले की फाइल...

कार्यकर्ता अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान संभाग के बीस विधानसभा सीट के नव निर्वाचित विधायक और सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। राज्यसभा सांसद डॉ. सरोज पांडेय ने कहा कि प्रदेश आपातकाल से मुक्त हो गया है। उन्होंने कहा बचपन से राम लला की मंदिर का सपना संजोए थे, जो आज पूरा होगा। उन्होंने सभी से आग्रह करते हुए का सभी घर के बाहर पांच दिए 22 जनवरी को अवश्य जलाएं। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पांडेय ने कांग्रेस सरकार का घेराव करते हुए कहा कांग्रेस का व्यवहार ही भ्रष्टाचार का रहा है। प्रदेश अध्यक्ष किरण देव सिंह ने सभी कार्यकर्ताओं को जीत का श्रेय देते हुए अभिनंदन किया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री अरुण साव, विजय शर्मा, प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, प्रदेश अध्यक्ष किरण देव सिंह, केबिनेट मंत्री दयालदास बघेल, विधायक ललित चंद्राकर, गजेंद्र यादव, रिकेश सेन, डोमनलाल कोर्सवाड़ा, साजा विधायक ईश्वर साहू, पंडरिया विधायक भावना बोहरा, राज्यसभा सदस्य सुश्री सरोज पांडेय, राजनांदगांव सांसद संतोष पांडेय, संभाग प्रभारी भूपेंद्र सावन्नी, जिला प्रभारी राजीव अग्रवाल, पूर्व मंत्री रामशिला साहू, प्रेमप्रकाश पांडे, पूर्व संसदीय सचिव लाभचंद बाफना, भिलाई जिला अध्यक्ष बृजेश ब्रिजपुरिया के अलावा भाजपा के प्रादेशिक व संभागीय नेता शामिल हुए। मंच उद्बोधन जिला भाजपा अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा, महामंत्री सुरेंद्र कौशिक, राजेंद्र कुमार, मनोज मिश्रा, अरविंदर सिंह खुराना, चतुर्भुज राठी, अवधेश सिंह चंदेल, दीपक चोपड़ा, नटवरलाल ताम्रकार, कांतिलाल बोथरा, दिनेश देवांगन, नारायण दत्त तिवारी के अलावा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जुटे।

मां व बेटे की...

शनिवार की लगभग 12 बजे युवक शराब सेवनकर घर पहुंचा था। किसी बात पर गुस्सा होकर युवक ने अपनी पत्नी जगेश्वरी निषाद (20) पर टंगिया से हमला कर दिया। इस हमले में जगेश्वरी गंभीर रूप से घायल हो गई। टंगिया के वार से उसकी दो उंगली कट गई है, वहीं सिर पर भी गंभीर चोट लगी है। पत्नी पर हमला करने के बाद युवक ने अपनी मां शांतिबाई निषाद पर टंगिया चला दिया। युवक का अगला टारगेट उसका तीन माह का बेटा, जिसका अभी नामकरण भी नहीं हो पाया है। युवक ने अपने मासूम बच्चे की जमीन पर पटककर हत्या कर दी।

घर के दरवाजे पर ताला लगाकर आसपास ही घूम रहा था : बताया जाता है कि मां व बेटे की हत्या करने व पत्नी पर टंगिया से हमला करने के बाद युवक घर के दरवाजे पर ताला लगाकर आसपास ही घूम रहा था। दोपहर तक उसके घर में ताला लगा देख आसपास के लोगों को संदेह हुआ। दरवाजा तोड़कर भीतर प्रवेश करने पर वहां उसकी मां व बच्चे की लाश व जगेश्वरी घायल पड़ी थी। सूचना पर पुरूर पुलिस मौके पर पहुंचकर कारवाई में जुट गई। वहीं घायल जगेश्वरी को उपचार के लिए मसीही अस्पताल धमतरी लाया गया है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है।

पूरे परिवार को खत्म करने का मन बना लिया था : यह भी जानकारी मिली है कि आरोपी अपने पूरे परिवार को खत्म करने वाला था। पत्नी, मां व बच्चे को मारने के बाद आरोपी अपने पिता को भी मारकर फांसी लगाकर आत्महत्या करने वाला था, लेकिन उसका पिता मड़ई देखने अपनी बेटी के गांव चला गया था।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
विविध कार्य हेतु निविदा सूचना

(1) निविदा संख्याः टीआरडी-बीएसपी-203-23-24 दिनांकः 29.12.2023

कार्य- 24 महीने की अवधि के लिए बिलासपुर डिवीजन के कटनी-अनूपपुर-अम्बिकापुर तथा बोरिडांड-चिरिमिरी सेक्शन में पीएसआई परिसंपत्तियों के निवारक रखरखाव, निगरानी और प्रबंधन गतिविधियों की आउटसोर्सिंग । **निविदा मूल्यः 2,39,85,061.57/-, निविदा दस्तावेज मूल्यः 10,000.00/-, अमानत राशिः 2,69,900.00/-, निविदा जमा करने की अंतिम तिथि व समयः** दिनांक **22/01/2024** के 15.00 बजे तक ।

पात्रता के मापदंड तथा अन्य विस्तृत जानकारी के लिए कृपया हमारे वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर पधारें । निविदा सूचना को वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियंता (क.वि.) दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर (छ.ग.) के कार्यालय के नोटिस बोर्ड से भी देखें जा सकते हैं।

व.मं.विद्युत अभियंता (क.वि.)
सीपीआर/10/365 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

गेंद गृह मंत्रालय के पाले में

हिट एंड रन मामलों में ट्रांसपोर्ट सेक्रेटरी ने सुझाया ऑनलाइन रिपोर्ट का ऑप्शन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देशभर में नए हिट एंड रन कानून को लेकर बवाल मचा हुआ है। नए कानून के खिलाफ ट्रक ड्राइवरों ने हड़ताल की। कुछ जगहों पर अभी भी हड़ताल जारी है। इस दौरान सड़क परिवहन मंत्रालय ने प्रस्ताव रखा है कि सड़क हादसा होने के बाद तुरंत बाद ड्राइवरों को ऑनलाइन रिपोर्ट करने की सुविधा दी जाएगी। इस प्रस्ताव का उद्देश्य भारतीय न्याय संहिता के हिट एंड रन के प्रावधानों के तहत सजा और मॉब लिचिंग के खतरे से ड्राइवरों को बचाना है। मंत्रालय के सीनियर अधिकारी ने कहा कि इस प्रस्ताव पर आखिरी फैसला गृह मंत्रालय का होगा।

ड्राइवरों ने इस कानून पर जताई है चिंता

गौरतलब है कि भारतीय न्याय संहिता के तहत, जो ड्राइवर पुलिस को बिना जानकारी दिए घटनास्थल से भाग जाते हैं, तो उन्हें सात साल तक की कैद और जुर्माना हो सकता है। हालांकि, यह कानून अभी तक लागू नहीं हुआ है, लेकिन ट्रक, बस और टैक्सी ड्राइवरों ने इस प्रावधान को लेकर अपनी चिंता जताई है। ड्राइवरों ने देशभर में हड़ताल भी कर दी थी जिसके बाद सरकार ने ट्रक चालकों और ट्रांसपोर्टर संगठनों को आश्वासन दिया है कि इस प्रावधान को लागू करने से पहले उनसे सलाह ली जाएगी।

मंत्रालय ऑनलाइन कंप्लेन पर कर रहा विचार

ट्रक और अन्य कर्मशियल वाहन चालकों की आशंकाओं को दूर करते हुए केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय के सचिव अनुराग जैन ने स्वीकार किया कि इस समस्या का समाधान खोजने के लिए मंत्रालय टेक्नॉलोजी के उपयोग पर विचार कर रहा है। एक सुझाव यह है कि ड्राइवर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर दुर्घटना की रिपोर्ट करें, जो इसे नॉन-हिट-एंड-रन केस के रूप में वर्गीकृत करेगा। इसके बाद ड्राइवर घटनास्थल से 25-50 किमी दूर स्थित पुलिस स्टेशन पर पुलिस को घटना की सूचना दे सकता है।

गृह मंत्रालय लेगा अंतिम फैसला

जैन ने आगे कहा कि पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराने का मौका मिलने से पहले हिट-एंड-रन के आरोप में गिरफ्तार होने के डर से, ड्राइवरों के लिए हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करने का प्रावधान हो सकता है। हालांकि, इस मामले पर अंतिम निर्णय गृह मंत्रालय का होगा।

वाहन चालकों के पास है यह विकल्प

अधिकारियों ने साफ किया कि बीएनएस की धारा 106 (2), जो हिट-एंड-रन मामलों से संबंधित है, में यह कहा गया है कि दुर्घटनास्थल से पुलिस को सूचित करना अनिवार्य नहीं है। इसलिए, ड्राइवरों के पास हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करके या अपनी सुविधानुसार किसी पुलिस स्टेशन पर घटना की सूचना देने का विकल्प है। प्राथमिक उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पीड़ितों को तुरंत चिकित्सा सहायता मिले।

लोस चुनाव प्रचार समिति के माकन होंगे संयोजक

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आगामी लोकसभा आम चुनाव के लिए प्रचार समिति का गठन किया है। कोषाध्यक्ष अजय माकन इस समिति के संयोजक होंगे और महासचिव जयराम रमेश तथा के. सी. वेणुगोपाल इसके सदस्य बनाए गए हैं। पार्टी ने आम चुनावों के लिए एक 'सेंट्रल वार रूम' भी बनाया है, जिसके संचार वार रूम का नेतृत्व वैभव वालिया करेंगे, जबकि संगठनात्मक वार रूम की अध्यक्षता शशिकांत सेंथिल एस करेंगे। वरुण संतोष, गोकुल बुटेल, नवीन शर्मा और कैप्टन अरविंद कुमार संगठनात्मक वार रूम में उपाध्यक्ष होंगे। महासचिव (संगठन), पार्टी महासचिव (संचार), प्रशासनिक विभाग के प्रभारी, मीडिया और प्रचार विभाग के प्रमुख और सोशल मीडिया विभाग के प्रमुख इसके सदस्य होंगे। प्रशासनिक विभाग के प्रभारी गुरदीप सिंह सप्पल, मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा और सोशल मीडिया विभाग की प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत हैं।

संशोधित सूचना
सहायक योगा ट्रेनर पद के लिए आवेदन आमंत्रित

कवर्धा, 05 जनवरी 2024। जवाहर नवोदय विद्यालय उड़ियाकला, जिला कबीरधाम के लिए सहायक योगा ट्रेनर के पद पर संविदा आधार पर तीन महीने के योग तकनीकी शिक्षा कोर्स के अध्यापन के लिए 8 जनवरी 2024 तक आवेदन आमंत्रित किए गए है। इसके लिए निर्धारित योग्यता किसी भी विषय में 50 प्रतिशत अंकों से स्नातक की डिग्री के साथ-साथ योग शिक्षा में न्यूनतम एक वर्ष का डिप्लोमा एवं डिग्री प्राप्त अनिवार्य होना चाहिए।

जवाहर नवोदय विद्यालय उड़ियाकला के प्राचार्य श्री प्रभाकर झा ने बताया कि योग्य उम्मीदवार आवेदन के सभी शैक्षणिक योग्यता प्रमाण के साथ विद्यालय के ई-मेल jnvkabirdham@gmail.com आईडी पर 08 जनवरी 2024 तक भेज सकते है। केवल अनिवार्य योग्यता रखने वाले अभ्यर्थी को ही वॉक इन इंटरव्यू के लिए बुलाया जाएगा एवं उच्च प्रशिक्षण एवं शिक्षण अनुभव की वरीयता के आधार पर अंतिम चयन किया जाएगा। विस्तृत जानकारी के लिए विद्यालय के वेबसाईट www.jnvkabirdham पर विजिट कर सकते है। इसके लिए किसी भी प्रकार का मार्ग व्यय देय नहीं होगा।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्‌घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **रानी सती ट्रेडिंग कंपनी अपने प्रॉप के माध्यम से श्री गगन अग्रवाल रायपुर रोड एससीएच के पास जिला शामतारी छत्तीसगढ़, और स्टेशन पारा औधयोगिर वार्ड नं 7 धमतरी छत्तीसगढ़–493773 ने सीटी केस संख्या 14835/2018 धारा 138 एनआई एक्ट के तहत** थानाः पटेल नगर, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **रानी सती ट्रेडिंग कंपनी** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **रानी सती ट्रेडिंग कंपनी** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्‌घोषणा की जाती है कि **सीटी केस संख्या 14835/2018 धारा 138 एनआई एक्ट के तहत थाना पटेल नगर, दिल्ली के उक्त रानी सती ट्रेडिंग कंपनी** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **06.02.2024** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
करणवीर सिंह
महानगर दण्डाधिकारी एनआई एक्ट–05
पश्चिम कमरा नं.04, उपभवन–I
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/203/CD/2024

राशिफल

मेष — मन परेशान रहेगा। किसी मित्र के सहयोग से कारोबार का विस्तार हो सकता है। यात्रा पर जा सकते हैं। खर्चों में वृद्धि होगी। संयत रहें।

वृष — व्यवधान आ सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन सुख में कमी आयेगी। मन परेशान हो सकता है। किसी अज्ञात भय से परेशान रहेंगे।

मिथुन — लाभ के अवसर मिलेंगे। मित्रों से सद्भाव बनाकर रखें। परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में यात्रा पर जा सकते हैं। वाणी में मधुरता रहेगी।

कर्क — कारोबार में कुछ कठिनाइयां तो आ सकती हैं। फिर भी लाभ में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा। भौतिक सुखों में वृद्धि होगी।

सिंह — रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। लाभ बढ़ेगा। मित्रों के साथ यात्रा पर जा सकते हैं। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा।

कन्या — तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। कार्यक्षेत्र का विस्तार होगा। परिश्रम अधिक रहेगा। आय में वृद्धि होगी। क्षणे रुष्टा-क्षणे तुष्टा की मन:स्थिति रहेगी।

तुला — नौकरी में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। आत्मसंयत रहें। मन परेशान रहेगा। अफसरों का सहयोग मिलेगा। वाद-विवाद से बचें।

वृश्चिक — किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। पिता के स्वास्थ्य को लेकर परेशान हो सकते हैं।

धनु — नए अवसर मिलेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। संयत रहें। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। मन प्रसन्न रहेगा।

मकर — नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। मन प्रसन्न रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी।

कुंभ — वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। आत्मविश्वास में कमी आएगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय के साधन बन सकते हैं।

मीन — आय में वृद्धि होगी। कारोबार में भागदौड़ अधिक रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। सेहत का ध्यान रखें। लाभ के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी।

शब्द पहेली - 5387

बाएँ से दाए-
1. फिसलना-4
5. गुनाह, जुर्म-4
8. नाव चलानेवाला-3
9. लड़ी, श्रृंखला -2
11. ईर्ष्या, डाह-3
12. उद्देश्य, वजह-4
14. भोजन-2
15. थकावट-3
17. जी, चित-2
19. मंत्र पढ़ना-2,3
22. राजपूत, राज कुंवर-2,3
25. यात्रा करनेवाला-2
26. समझौता, संधि-3
27. ईसाई साध्वी-2
28. मनमुटाव-4
30. नौकर-3
31. बदला-2
33. गर्भ, कोख-3
35. रुआफ-4
36. सजनता-4

ऊपर से नीचे
2. लम्हा, क्षण-2
3. नामित, मनोनीत-4
4. रनिवास, हरम-5
5. बुद्धि-3
6. गोंद, लाख-2
7. हृदयगति, स्पंदन- 4
10. विम्मी व सुनील दत्त की फिल्म-4
13. शिक्षा, पाठ-3
16. कालिख, कालापन-3
17. ईकार, मनाही-2
18. झंडा, पताका-2
20. चौकसी, रखवाली-3
21. मोटा आटा, सूजी-2
22. निशा, रात-2
23. अच्छे कुल का-3
24. प्रस्थान, विदा-4
25. यान चलाने वाला-2,3
26. सुंदरी, षोडशी, कुमारी-4
28. प्रार्थना, मनोकामना-4
29. गरल, विष-3
32. ताला (अंग्रेजी-2)
34. पात्र, थापा, संचक, डाई -2

शब्द पहेली -5386 का हल

सूडोकू नवताल- 5397

सरल

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकू नवताल- 5396 का हल

एक-दूसरे से सहज संपर्क के लिए ईजाद किया गया मोबाइल फोन, अब हमारी जीवनशैली का जरूरी हिस्सा बन चुका है। इसमें मौजूद तकनीकों ने बहुत सहूलियतें दी हैं तो यह हमारे बारे में दूसरों को बहुत-सी जानकारियां भी दे सकता है। हमारे व्यवहार, मानसिकता और सामाजिक छवि के बारे में भी हमारा मोबाइल फोन बहुत कुछ बताता है।

हमारे बारे में बहुत कुछ बताता है
मोबाइल फोन

कवर स्टोरी
किरण भास्कर

इस समय दुनिया में कुल जितनी आबादी है, उससे करीब डेढ़ गुना ज्यादा मोबाइल फोन मौजूद हैं। एक अनुमान के मुताबिक धरती के हर कोने में, हर समय करीब चार अरब से ज्यादा मोबाइल फोन सक्रिय रहते हैं। मोबाइल फोन अब महज एक-दूसरे के साथ संपर्क का जरिया भर नहीं है बल्कि यह हर साल तीन ट्रिलियन से ज्यादा के ऑनलाइन और मोबाइल कारोबार का बुनियादी जरिया भी बन चुका है। दुनिया में हर दिन इसी मोबाइल फोन की बदौलत जहां करोड़ों दिल प्यार की डोर में बंधते हैं, वहीं लाखों लाख दिल हर दिन इसी मोबाइल के जरिए टूट भी जाते हैं। आज शासन-प्रशासन की ज्यादातर गतिविधियां भी मोबाइल फोन से ही संपन्न होती हैं। लब्बोलुआब यह कि आज मोबाइल फोन सिर्फ सूचना पाने या देने का जरिया ना होकर, यह हमारी आधुनिक जीवनशैली का जरूरी हिस्सा बन चुका है।

रिलेशन अप्रोच करता है साबित

जब तक मोबाइल फोन नहीं थे, दुनिया में सिर्फ लैंडलाइन फोन ही थे, तब तक किसी से फोन पर बात करने या ना करने की हमारे पास भरपूर छूट हुआ करती थी। मान लीजिए किसी ऐसे व्यक्ति का फोन हमारे लैंडलाइन पर आया, जिससे हम बात नहीं करना चाहते, तो किसी और से कहला दिया जाता था कि आपको जिनसे बात करनी है, फिलहाल वो यहां मौजूद नहीं हैं। लेकिन अब इस तरह की छूट लेना संभव नहीं रहा, क्योंकि भले आपका मोबाइल फोन उठाकर कोई अन्य सदस्य कॉल करने वाले से यह कह दे कि आपको जिनसे बात करनी है, वो यहां मौजूद नहीं हैं, सिर्फ उनका मोबाइल फोन यहां छूट गया है। लेकिन अब आपकी ऐसी बातों पर कोई आसानी से यकीन नहीं करेगा। भले यह सौ फीसदी सच हो, क्योंकि मोबाइल फोन का मतलब होता है, ऐसा फोन जो सिर्फ आपके पास रहता है और जिसे आप ही उठाने या ना उठाने का निर्णय करते हैं। इसलिए आज के दौर में किसी का फोन अगर कोई नहीं उठाता, तो इसका साफ संदेश होता है कि आपसे वह बात नहीं करना चाहता। पहले कई तरह के दूसरे बहानों की गुंजाइश थी, लेकिन अब नहीं रह गई है। इसलिए आज की तारीख में किसी का फोन उठाना या ना उठाना, आपके उस व्यक्ति के साथ रिश्ते अच्छे होने या ना होने का आधार माना जाता है।

कॉलर की पहचान हुई आसान

आज की तारीख में मोबाइल फोन इसलिए एक सेंसिटिव, एटिकेट और रिलेशन का मानक बन गया है, क्योंकि आज तकनीक ने हमसे वो तमाम बहाने छीन लिए हैं, जिनकी बदौलत पहले हम यह भ्रम पाल सकते थे या किसी और से पलवा सकते थे कि वास्तव में हमें आपकी सही-सही पहचान का पता नहीं चलता था। लेकिन आज ऐसा नहीं है। करीब-करीब हर व्यक्ति के फोन में यह सुविधा है कि जब कोई फोन आ रहा हो

तो साफ पता चल सके कि फोन कौन व्यक्ति कर रहा है। जिन्हें अभी यह सुविधा उपलब्ध नहीं है या जो इसका उपयोग नहीं करते, उन्हें भी कम से कम इतना तो पता चल ही जाता है कि फोन कौन कर रहा है? अगर उसका फोन नंबर आपके मोबाइल में मौजूद है या उससे नियमित बात होती है तो।

लोकेशन भी बताता है फोन

अब तो कई ऐसी नई तकनीकें भी आ चुकी हैं, जिनके कारण लोगों का यह बहाना भी छिन गया है, जिसमें वे होते कहीं और थे, जबकि बताते कहीं और थे। इससे उन्हें बात ना करने की छूट मिल जाती थी। आज बहुत मामूली भुगतान पर ऐसे तकनीकी एप मौजूद हैं, जो आपको बताते हैं कि फोन करने वाला व्यक्ति कहां से फोन कर रहा है? यानी कॉलर की प्रेजेंट लोकेशन क्या है? इसलिए आप दिल्ली में बैठे हुए किसी व्यक्ति से यह नहीं कह सकते कि मैं मुंबई में हूं। बेहतर यही है कि मोबाइल से बात करते समय अपनी लोकेशन के बारे में सच ना छुपाएं।

यहां जिक्र की गई क्वालिटीज के अलावा भी फोन की तकनीक ने हमारी जिंदगी के बहुत सारी परतों को सबके सामने खोलकर रख दिया है। कुल मिलाकर कहने की बात यह है कि आज रोजमर्रा की जिंदगी में फोन हमारी जीवनशैली और रोजगार से लेकर भावनाओं के कारोबार तक का जरिया बन चुका है, इसलिए फोन का बहुत सटीक और जितना हो सके ईमानदार उपयोग करें, वरना आपकी सालों की बनी-बनाई इमेज को मोबाइल फोन पलक झपकने की देरी में डैमेज कर सकता है। *

फॉलो करें मोबाइल एटिकेट्स

मोबाइल फोन के पर्सनल यूज में सावधानियों के साथ शिष्टता का बर्ताव करते हुए कुछ प्रैक्टिकल टिप्स को भी याद रखना चाहिए।

- जब भी किसी क्लोज फ्रेंड या रिलेटिव से पब्लिक प्लेस या वर्कप्लेस पर बात करें तो उसके फोन को स्पीकर पर ना डालें। इससे फोन करने वाले को इंसल्ट महसूस होती है। उसे लगता है उसकी बातें दूसरे ऐसे लोग भी सुन रहे हैं, जिनको नहीं सुनना चाहिए, फिर चाहे भले ऐसा ना हो रहा हो।
- फोन से बात करते हुए कभी भी अपनी आवाज बहुत तेज ना करें। कोशिश करें कि किसी सार्वजनिक जगह पर फोन से तभी बात करें, जब आपके आस-पास 4-5 फीट तक कोई ना खड़ा हो।
- वो दिन बीत गए जब लोग धड़ल्ले से दूसरों का लैंडलाइन फोन इस्तेमाल किया करते थे। मोबाइल के दौर में दूसरे के फोन के इस्तेमाल की कोशिश ना करें। यदि मजबूरी में ऐसा करना हो तो बिना परमिशन ऐसा ना करें।
- अगर आप किसी मीटिंग या पब्लिक प्लेस पर हैं और बात नहीं कर सकते तो कॉल करने वाले को मैसेज से सूचना जरूर दे दें कि बाद में आप कॉल करेंगे। *

डिजिटल संवाद का
पसंदीदा सिंबल इमोजी

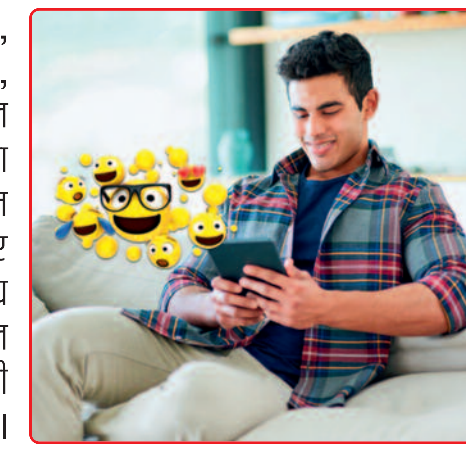

व्हाट्सअप, मैसेंजर, एसएमएस, ई-मेल, फेसबुक या ट्विटर, सोशल मीडिया या डिजिटल कम्युनिकेशन का कोई भी ऐसा प्लेटफॉर्म नहीं है, जहां इन दिनों इमोजी का जमकर इस्तेमाल ना हो रहा हो। सच यही है कि आज की डिजिटल होती लाइफस्टाइल में इमोजी पूरी तरह फिट हो गई है।

टेक्नोलाइफ / लोकमित्र गौतम

आज के दौर में पूरी दुनिया में लोग एक-दूसरे को जो डिजिटल मैसेज भेजते हैं, उनमें शायद ही किसी भी भाषा का कोई शब्द इतना ज्यादा इस्तेमाल होता हो, जितनी ज्यादा इमोजी का इस्तेमाल होता है। जी हां, वही छोटी-छोटी आकृतियां जिन्हें स्माइली भी कहा जाता है। दुनिया भर में हर दिन लोग आपस में डिजिटल संवाद करते हुए 6 बिलियन से ज्यादा बार इमोजियों का इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसा होना स्वाभाविक है, क्योंकि इमोजीज, डिजिटल संवाद को नए अर्थ ही नहीं, नए आयाम भी देती है। दरअसल, जब हम मन में उमड़-घुमड़ रहे असीमित भावों को शब्दों में व्यक्त कर पाने में असमर्थता महसूस करते हैं, तो ये छोटी-छोटी डिजिटल सिंबल्स हमारे बहुत काम आती हैं।

कहां से आई इमोजी: इमोजी, जापानी भाषा का शब्द है, जिसका मतलब होता है, चित्राक्षर। इ का मतलब होता है- चित्र और मोजी का मतलब अक्षर या वर्ण। इसे एक छोटी डिजिटल इमेज या आइकन भी कहा जा सकता है। इसका विकास साल 1997 में एक जापानी कलाकार शिगेताका कूरिता ने किया था। शिगेताका पेशे से इंजीनियर नहीं, अर्थशास्त्र से स्नातक थे और टेलीकॉम कंपनी डोकोमो में काम करते थे। उन्होंने ही पहली बार 176 इमोजी बनाए थे, जो दुनिया में इमोजीज का पहला सेट माना जाता है। इसमें 11X12 ग्रिड पर फिक्सेलेटिड रंगीन कार्प, सिलाई जैसे डिजाइन प्रस्तुत किए गए थे। इसके लिए सड़क संकेतों और चीनी अक्षरों से बनने वाले संकेतों का भी सहारा लिया गया था। इसका उद्देश्य उस जमाने में सेलफोन पर एक सीमित टेक्स्ट को असीमित आयाम देना था, क्योंकि उन दिनों 250 अक्षरों (कैरेक्टर्स) में ही अपना संदेश लिखने की बाध्यता होती थी। इस सीमा में रह कर अपने सीमित संदेश को कैसे असीमित आकार दें, इमोजी के संकेताक्षरों की खोज इसी उद्देश्य के लिए हुई थी।

यंगस्टर्स ने बढ़ाई पॉपुलैरिटी: वैसे कम्युनिकेशन में इमोजी का अस्तित्व पिछली सदी में ही अपनी जगह बना चुका था, लेकिन इसकी लोकप्रियता में उफान मौजूदा सदी के साल 2011 में तब आया, जब इसने धीरे-धीरे युवाओं को आपसी संवाद की भाषा में अपने इस्तेमाल के लिए आकर्षित किया। चार साल बाद सन् 2015 में 'ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी' ने इमोजी शब्द को अपने यहां जगह दी, जिस कारण इसे एक विश्वव्यापी परिभाषा मिली। ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी में इमोजी के लिए लिखा गया, 'फेस विद टीयर्स ऑफ जॉय।' इमोजी के बारे में अगर कहा जाए कि यह डिजिटल जनरेशन की सबसे पसंदीदा भाषा है, और पूरी दुनिया में इसकी एक जैसी वर्तनी और एक जैसी अभिव्यक्ति है, तो इसमें जरा भी अतिश्योक्ति नहीं होगी। यही वजह है कि बिना किसी प्रचार या प्रयास के भी आज हर दिन पूरी दुनिया में 6 बिलियन से ज्यादा इमोजीज का लोग आपसी संवाद में इस्तेमाल करते हैं। यह दुनिया की पहली ऐसी डिजिटल भाषा है, जो इस्तेमाल तो इमेज के रूप में होती है, लेकिन दिमाग में उसके भाव शब्दों के रूप में अर्थ पाते हैं। जून 2018 तक यूनिकोड 1,823 इमोजी को पहचानता था, जिनकी संख्या आज की तारीख में (यूनिकोड वर्जन 15.0 में) बढ़कर 3,664 हो चुकी है। यह चित्रमय भाषा दुनिया को, विशेषकर युवाओं को इस कदर आकर्षित कर रही है कि पिछले तीन सालों में इसका 775 प्रतिशत इस्तेमाल बढ़ा है। एक अनुमान के मुताबिक दुनिया भर में 92 प्रतिशत से ज्यादा मिलेनियल्स यानी, जिनका जन्म 21वीं में हुआ है, इसका प्रयोग करते हैं।

हर एज के लोग करते हैं यूज: 'एप बाय' नामक एक एप ने अपने सर्वे के जरिए यह निष्कर्ष निकाला है कि इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले 78 फीसदी से ज्यादा लोग अपने टेक्स्ट मैसेजों में इमोजी का इस्तेमाल करते हैं। सबसे ज्यादा अपने लिखित संदेशों में इमोजी का इस्तेमाल करने वाले उपभोक्ताओं की उम्र 44 साल से कम होती है। जबकि 45 साल और उसके अधिक उम्र के लोग इनके इस्तेमाल को लेकर थोड़े उदासीन होते हैं, फिर भी 24 फीसदी इस उम्र के लोग भी इनका इस्तेमाल खूब करते हैं। *

गजल / डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

झूठ के बाजार में

झूठ के बाजार में शाइस्तगी चलती नहीं
चापलूसी होती है पर मुफलिसी चलती नहीं
पेट की खातिर जलाना पड़ता खुद को रात-दिन
इश्क करने से किसी की जिंदगी चलती नहीं
वक्त आ जाए बुरा तो आगे बढ़कर जीस्त में
जूझना पड़ता है हरदम बुजदिली चलती नहीं
लोग मिलते हैं जहां में खुद-परस्ती के लिए
आजकल राहे वफा में दोस्ती चलती नहीं
दूर जाना पड़ता है सबको अकेले एक दिन
आसमां चलता नहीं ये सरजमीं चलती नहीं
शौक से जलता है परवाना शमा के सामने
बेखुदी के हाल में आवारगी चलती नहीं
रंज वो ही पालते हैं, जिनके मन में खोट है
हो खुलूसे दिल अगर तो दुश्मनी चलती नहीं

भाव श्रद्धा का न हो तो बंदगी किस काम की
आस्था के नाम पर दीवानगी चलती नहीं
सहना पड़ता है चमन का दर्द गुल के वास्ते
सिर्फ लफ्फाजी से 'नवरंग' शायरी चलती नहीं

पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश

स्त्री जीवन की कहानियां

बेटी को भले ही पराया धन माना जाता है लेकिन ब्याह के बाद भी एक बेटी अपने बाबुल को कभी पराया नहीं समझती। ताउम्र वह अपने मायके की खुशहाली के जतन में लगी रहती है। किसी कारणवश ब्याही बेटी को अगर मायके लौटना पड़े तो वह अपने ही घर मे बोझ बन जाती है। जलालत और रोज-रोज का क्लेश उसके जीवन का अंग बन जाता है। कुछ ऐसी ही बेटियों की संवेदनाओं और संघर्षों को बयां करती कहानियों का संग्रह है 'बाबुल और अन्य कहानियां।'

इस संग्रह में कुल दस कहानियां हैं। अधिकतर कहानियों में नायिकाएं बेटियां हैं। ये ऐसी बेटियां हैं, जो ससुराल से मायके में लौटते ही अपनों की आंखों की किरकिरी बन जाती हैं, फिर भी अपनी जिम्मेदारियों से पीछे नहीं हटती हैं। 'तारनहार', 'बाबुल', 'सजा' ऐसी ही बेटियों की कहानियां हैं। 'सजा' कहानी में नायिका को मिले कष्टों के साथ रिश्तों की बेमानी होने की पीड़ा को भी महसूस कर सकते हैं।

'छलावा' चालीस पार की एक स्त्री के प्रेम में पड़ने की कहानी है। लेखिका ने बड़ी बारीकी से नायिका के एहसासों को उकेरा है। 'कीमत' एक भुतहे घर की कीमत लगने की रोमांचक कहानी है। कहानियों की भाषा सहज-सरल है। यही वजह है कि पाठक इनसे सहज ही जुड़ जाता है। असल में ये ऐसी कहानियां हैं, जिनके कथानक हम अपने घर, परिवार, पड़ोस या रिश्तेदारी में देख सकते हैं। *

पुस्तक: बाबुल और अन्य कहानियां (कहानी संग्रह), **लेखिका:** शुभदा मिश्र, **मूल्य:** 200 रुपए, **प्रकाशक:** वैभव प्रकाशन, रायपुर

लघुकथाएं

अनमोल अमानत

तन्मय बदहवास-सा भागता हुआ रद्दी का सामान लेने वाले मंगतलाल की दुकान पर आया। वह हांफ रहा था। सांसों को संभालते हुए तन्मय बोला, 'मेरे घर से अभी अभी रद्दी लेकर तुम्हीं आए थे ना चाचा। उसमें एक साड़ी थी, बहुत पुरानी। पत्नी ने गलती से रद्दी के सामान के साथ तुम्हें बेच दी है चाचा। उससे बहुत बड़ी भूल हो गई। मैं घर में होता तो बिना जांचे तुम्हें रद्दी का सामान नहीं बेचता। असल में मैं बाजार चला गया था कुछ सामान लाने।'

तन्मय की आवाज में अपनी अमानत को लेकर गहरी चिंता थी।

मंगतलाल किसी की आई हुई रद्दी तौल रहा था। रद्दी तराजू पर चढ़ाते हुए बोला, 'बहुत कीमती साड़ी थी क्या बेटा? उसमें सोना-चांदी तो नहीं जड़ा था?'

'नहीं सोना-चांदी तो नहीं जड़ा था। तांत की सफेद साड़ी थी। साइड में ब्लू रंग का बॉर्डर था।' तन्मय ने बताया। मंगतलाल कुछ नहीं बोला।

तन्मय ने आतुरता से पूछा, 'हमारे घर से जो रद्दी लाए थे, कहां रखी है आपने चाचा?'

मंगतलाल ने इशारे से बताया, 'वो देखो कोने में रखी हुई है, सफेद वाले बोरे में।' तन्मय तेजी से बोरे के पास गया, उसे खोलकर रद्दी खंगालने लगा। बोरे में नीचे सफेद साड़ी झांक रही थी। तन्मय की खुशी का ठिकाना ना रहा। वह खुशी से बोला, 'मंगत चाचा, मिल गई साड़ी!' मंगतलाल ने साड़ी को हाथ में लेकर देखा। सफेद रंग की साड़ी जगह-जगह से फटी हुई थी। मन ही मन उसने सोचा इसके तो कोई पांच रुपए भी ना देता। मंगतलाल मजाक में बोला, 'बेटा, पांच सौ रुपए लगेंगे इस साड़ी के।'

तन्मय ने झट से बटुए से पांच सौ रुपए का नोट निकाल कर मंगतलाल के हाथ पर रख दिया और बोला, 'चाचा, आपने बहुत कम पैसे इस साड़ी के मांगे हैं। अगर आपने पांच हजार रुपए भी मांगे होते तो मैं खुशी-खुशी दे देता। यह मेरी मां की आखिरी निशानी है।' तन्मय साड़ी लेकर आगे बढ़ने को हुआ तो मंगतलाल ने टोका, 'सुनो बेटा, मैंने अभी बहू को रद्दी के पैसे दिए नहीं हैं। सोचा था दोपहर जाकर दे आऊंगा। यह पांच सौ रुपए का नोट वापस रख लो। बड़ी अजीब बात है, कोई इतनी मामूली चीज के पांच सौ रुपए देने को तैयार है!'

'आपके लिए यह मामूली होगी मंगत चाचा। मेरे लिए तो यह अनमोल अमानत है। मेरी मां की आखिरी निशानी है यह साड़ी।' यह कहते हुए तन्मय की आंखें छलक आई थीं। *

-महेश कुमार केशरी

पहचान

यह जनवरी की एक मखमली दोपहर थी। माहौल में शोखियां उरूज पर थीं। प्रदेश की कला अकादमी आज चित्रकार उमा को एक विशेष पुरस्कार से सम्मानित कर रही थी। उमा की सहेलियां तो उससे भी पहले सभा स्थल पर आ गई थीं। आती भी कैसे नहीं, उनकी सहेली उमा के साथ उन्हें भी तो उस समारोह की शोभा बनना था।

जब उमा की वह कलाकृति लगाई गई, जिसके लिए पुरस्कार मिलना था तो उसको देखकर सखियां हतप्रभ रह गईं। सखियों ने एक ही बार में पहचान लिया था कि कलाकृति में जो उदास-हताश बच्चे दिख रहे हैं, वह उमा की पुरानी काम वाली बाई के हैं। उमा ने अपनी कृति में गरीब बच्चों की पीड़ा को उकेरा था, जिसे देखकर किसी का भी हृदय द्रवित हो सकता था।

तभी समूचा हाल ताली की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। उमा को मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया। उसके लिए बधाई और शुभकामनाओं की बरसात होने लगी। लौटते समय एक सहेली ने उमा से कहा, 'लेकिन उमा ये बच्चे तो अब बहुत ही अच्छे एथलीट हैं, स्कॉलरशिप भी पा रहे हैं। इस तरह उनकी अनुमति के बगैर उनका चित्र बनाकर तुमने गलत तो नहीं किया?'

'अरे, जाने दो यार, मेरे टुकड़ों पर पलते थे वे बच्चे। आज वो कौन-सा खुद को पहचान लेंगे।' कहकर उमा ने अपनी अवार्ड ट्रॉफी को गौरव-भाव से चूम लिया। *

-हरीश चंद्र पांडे

स्नेह

अमन बहुत दिनों से नोटिस कर रहा था कि उसके घर के पास काम करने वाला एक बुजुर्ग उसे घूरता रहता था। जब भी अमन वहां से गुजरता, वह बुजुर्ग उसे ध्यान से देखता रहता। कभी-कभी तो वह अमन को देखकर मुस्कुरा भी देता। अमन को लगता कि कहीं यह बुजुर्ग कोई चोर-उचक्का तो नहीं है, जो उस पर नजर बनाए हुए है। अवसर पाकर उसको लूट लेगा। लेकिन उसकी उम्र को देखकर नहीं लगता था कि वह ऐसा कुछ करेगा। फिर भी अमन को अजीब-सा डर सताए रहता था।

एक दिन अमन ऑफिस के लिए निकल रहा था। वह बुजुर्ग उसे

फिर दिखाई दे गया। आज भी वह अमन को एकटक देखे जा रहा था। उसने अमन को देखकर हल्की मुस्कान भी छोड़ी। अमन से रहा नहीं गया। वह उस बुजुर्ग के पास गया और कड़े शब्दों में पूछा, 'क्या आप मुझे जानते हैं? मुझे आप यूं घूरते क्यों हैं? आप दिमागी रूप से ठीक हैं ना?'

अमन की बातों को सुनकर बुजुर्ग थोड़ा हड़बड़ा गया। उसे जवाब देते नहीं बन पा रहा था। लेकिन वह बड़ी हिम्मत करके आहिस्ता से बोला, 'बेटा, मैं तो तुम्हें देखकर अपने बेटे को याद कर लेता हूं। वह अब तुम्हारी तरह जवान हो गया होगा। वह बारह साल पहले मुंबई कमाई करने गया था, तब से घर नहीं लौटा। पता नहीं कहां गायब हो गया? मैं यहां अपने गांव से बहुत दूर आकर मजदूरी कर अपना और अपनी पत्नी का किसी तरह पेट पाल रहा हूं। सात साल से घर नहीं गया। तुम्हें देखता हूं तो उसकी याद आ जाती है। तुम्हें देखकर मन को बहला लेता हूं कि वह भी तुम्हारी ही तरह दिखता होगा।' बुजुर्ग की बातें सुनकर अमन की आंखें भीग गईं। उसे अपनी सोच पर पछतावा हुआ। बुजुर्ग की आत्मीयता ने उसे अंदर तक स्नेह से भर दिया। *

-ललित शौर्य

लेखक ध्यान दें...
लेखक रविवार भारती में प्रकाशनार्थ अपनी रचनाएं / लेख कृपया ई-मेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर भेजें।

तरकश

-संजय के. दीक्षित

पुलिस में मेजर सर्जरी

विष्णुदेव सरकार की पहली प्रशासनिक सर्जरी की सूबे में बड़ी चर्चा है। सरकार ने सिंगल लिस्ट में 88 अफसरों को बदल डाला। मगर सीएम साहब...इससे भी खराब हालत पोलिसिंग की है। बिहार, यूपी की तरह आए दिन गोलियां चल रही, चाकूबाजी आम हो गई है। प्रदेश की गलियों में नशे की सामग्री धड़ल्ले से बिक रही। राजधानी रायपुर में नशे की हालत में एक युवती ने चाकू से गोदकर युवक की हत्या कर दी। दरअसल, छत्तीसगढ़ में वर्दी का खौफ अब पुरानी बात हो गई। हो भी क्यों न...जिनके उपर कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी है, वे अपराधियों और भूमाफियाओं से गलबहिया कर धन-व्यवस्था में लग गए हैं...पुलिस के सिस्टम में अब भूमिकाएं बदल गई हैं...एसपी वसूली अधिकारी हो गए हैं और दरोगा वसूली एजेंट। पहले के जमाने में एसपी का औरा ऐसा होता था कि उसके सामने जाने के नाम से दरोगा की कंपकंपी छुटने लगती थी। किन्तु एसपी जब दरोगा से महीना लेने लगे तो फिर वो एसपी का क्या लिहाज करेगा। सूबा में कुछ ऐसे एसपी भी हैं, जो अपने खास टीआई के साथ रोज शाम को महफिले जमाते हैं। पहले एसपी लोग टीआई से ट्रेन या फ्लाइट की टिकिट, मोबाइल, बच्चों के लिए गिफ्ट जैसी चीजें मंगवा लेते थे। और अब...? सब तो नहीं... अधिकांश एसपी ज्वाईन करते ही दरोगा को बुलाकर थाने का एमाउंट फिक्स कर दे रहे। ऐसे में, सीएम साहब पोलिसिंग में आमूल चूल बदलाव कर कौंवा टांगने जैसा कुछ कीजिए, ताकि वर्दी पर आम आदमी का भरोसा बहाल हो सके।

सीएम साब ये भी...

सीएम विष्णुदेव साय के खिलाफ विधानसभा चुनाव के दौरान कुनकुरी थाना ने अपराध दर्ज करने में कोई देरी नहीं की। सीएम साब...इसका मतलब ये नहीं कि छत्तीसगढ़ की पुलिस एफआईआर दर्ज करने में बड़ी मुस्तैद है। उस समय की बात अलग रही, सो पुलिस अपना नंबर बढ़ाने के चक्कर में गच्चा खा गई। खैर बात बेहद अहम, आपके संज्ञान लेने लायक। आमतौर पर पुलिस सिर्फ इसलिए एफआईआर दर्ज नहीं करती कि उनके जिले का आंकड़ा बढ़ जाएगा। इसका नुकसान यह होता है कि छोटे-मोटे अपराध करते-करते अपराधियों का हौसला बढ़ जाता है और फिर बाद में वे बड़े क्राईम करने लगते हैं। दिल्ली पुलिस के एक सीनियर आईपीएस अफसर का कहना है, हर मामले में अपराध दर्ज होने लगे तो उसे झक मारकर कार्रवाई करनी पड़ेगी और कार्रवाई होगी तो अपराधियों का हौसला टूटेगा। सो, सीएम साहब आपकी सरकार नई है। आप कड़ाई से एफआईआर करने का निर्देश दीजिए...यह छूट देते हुए कि दो-एक साल आकंड़े बढ़ता है, तो बढ़ने दें मगर किसी भी केस में ढिलाई न करें, भले ही वह मोबाइल और पर्स लूट का ही क्यों न हो। मगर बात फिर वहीं...यह संभव तभी है, जब एकाध कौंवा मारकर....।

सिकरेट्री की फौज

2008 बैच के आईएएस अधिकारियों के स्पेशल सिकरेट्री से सिकरेट्री प्रमोशन के बाद छत्तीसगढ़ में सचिवों की अब फौज खड़ी हो गई है। 1999 बैच के सोनमणि बोरा प्रमुख सचिव प्रमोट हुए हैं। उनके बाद 2000 से लेकर 2008 बैच तक कुल 48 सिकरेट्री इस समय छत्तीसगढ़ में हैं। इनमें से आठ डेपुटेशन पर। फिर भी 40 का फिगर बड़ा होता है। वो भी उस छत्तीसगढ़ जैसे स्टेट में, जहां एक दशक पहले तक सिकरेट्री लेवल पर बड़ा टोटा था। खासकर रमन सिंह की तीसरी पारी के दौरान सचिवों की कमी की वजह से स्पेशल सिकरेट्री को कई महत्वपूर्ण विभागों का दायित्व सौंपा पड़ा था। हालांकि, प्रमुख सचिव इस समय सिर्फ एक हैं...निहारिका बारिक। मनोज पिंगुआ एक समय तक अकेले पीएस थे, वे भी इस महीने एसीएस हो गए। प्रमुख सचिव की कमी अभी चार-पांच साल बनी रहेगी। जब तक 2005 बैच का पीएस में प्रमोशन नहीं हो जाता, जो कि 2030 से पहले संभव नहीं।

आईजी भी अब पर्याप्त

जो स्थिति आईएएस में सिकरेट्री की रही, कमोवेश वही हालत आईपीएस में आईजी की थी। एक समय तो पांच रेंज के लिए मुश्किल से पांच आईजी होते थे। उस समय के आईजी का बड़ा जलवा होता था क्योंकि सरकार के पास कोई विकल्प नहीं था। यही वजह है कि लांग कुमेर जैसे आईजी कई साल बस्तर में रह गए। बहरहाल, इस समय आईजी की संख्या नौ हो गई है। अमरेश मिश्रा और ध्रुरव गुप्ता डेपुटेशन पर हैं। वरना, 13। उपर से 2006 बैच क डीआईजी मयंक श्रीवास्तव और आरएन दास का इसी महीने प्रमोशन होना है। उनके बाद यह संख्या दो और बढ़ जाएगी। हालांकि, मयंक अब जनसंपर्क आयुक्त बन गए हैं। फिर भी संख्या एक दर्जन रहेगी ही।

बिना नाम के बधाई

प्रशासनिक फेरबदल में अगर पोस्टिंग अच्छी मिली हो तो अफसरों को खूब बधाइयां मिलती है। मगर इस दफा विष्णुदेव सरकार ने जब 89 अधिकारियों की लिस्ट निकाली तो उसमें दो कलेक्टरों का नाम नहीं था, उसके बाद भी उन्हें बधाइयों की झड़ी लग गई। कलेक्टर हैं बिलासपुर के अवनीश शरण और रायगढ़ के कार्तिकेय गोयल। दोनों 2009 और 2010 बैच के आईएएस हैं। विधानसभा चुनाव के दौरान इन दोनों को आयोग ने वहां पोस्ट किया था। बधाई इसलिए इन्हें मिल रही थी कि चुनाव आयोग ने टेंपोरेरी पोस्टिंग की थी। आमतौर पर चुनाव के बाद सरकार फिर नए सिरे से लिस्ट निकालती है। मगर राज्य सरकार ने इन दोनों कलेक्टरों को कंटीन्यू करने का निर्णय लिया। लिहाजा, लिस्ट में उनका नाम होने का सवाल पैदा नहीं होता। लोगों की बधाइयों पर ये दोनों अफसर इस बात को लेकर चुटकी लेते रहे कि लिस्ट में बिना नाम के फिर बधाई क्यों...?

पोस्टिंग की मंडी

89 अफसरों की प्रशासनिक सर्जरी को भले ही एक युवा आईएएस और एक युवा मंत्री ने अंतिम रुप दिया मगर सब कुछ सीएम की नोटिस में रहा। बताते हैं, लिस्ट निकलने में विलंब इसलिए हुआ कि मुख्यमंत्री अफसरों के बारे में कंप्लीट फीडबैक ले रहे थे। एक-एक अफसर के बारे में उन्होंने तीन-तीन, चार-चार लोगों से क्रॉस चेक किया। जनसंपर्क आयुक्त के लिए मयंक श्रीवास्तव और कोरबा कलेक्टर सौरभ कुमार का नाम था। मगर मुख्यमंत्री ने मयंक के नाम पर मुहर लगा दिया। और नया रायपुर चूकि सरकार का प्राइम प्रोजेक्ट है, उसमें सौरभ कुमार को बिठा दिया। सरकार से जुड़े अफसरों का कहना है, पोस्टिंग के लिए एक लाईन का फार्मूला तय किया गया था...पिछली सरकार से जुडे अधिकारियों को कुछ दिन के लिए सही...किनारे कर ब्यूरोक्रेसी को संदेश दिया जाए कि अब पोस्टिंग की मंडी नहीं चलने वाली।

मंडल, कल्लूरी और राजू

सुनामी में कई अच्छे और मजबूत घर भी बिखर जाते हैं। उसी तरह 88 आईएएस के प्रशासनिक फेरबदल में ऐसा नहीं कि सभी नॉन पारफर्मिंग अफसरों को ही किनारे किया गया है। ऐसा पहले भी होता रहा है। आरपी मंडल, एसआरपी कल्लूरी और डॉ0 एसके राजू इसके सबसे बढ़ियां उदाहरण हैं। ये तीनों अफसर अजीत जोगी सरकार में बेहद पावरफुल थे, सीएम के करीबी भी। 2003 के विधानसभा चुनाव के दौरान इलेक्शन कमीशन ने इन तीनों की छुट्टी कर दी थी। तब समझा गया कि पांच साल के लिए ये गए। सरकार बनने के बाद मंडल को राजस्व सिकरेट्री बनाया गया, कल्लूरी को बिना विभाग पीएचक्य और राजू को हेल्थ में डिप्टी सिकरेट्री। मंडल और कल्लूरी बिलासपुर के कलेक्टर, एसपी थे और राजू सरगुजा जैसे जिले के कलेक्टर, जब सूरजपुर, बलरामपुर जिला नहीं बना था। आपको जानकर हैरत होगी कि मंडल छह महीने के भीतर सिकरेट्री से रायपुर के कलेक्टर हो गए। कल्लूरी को भले ही बलरामपुर जैसे पुलिस जिले का एसपी बनाया गया मगर वहां उन्होंने नक्सलियों का ऐसा पांव उखाड़ा कि ईनाम स्वरूप उन्हें बस्तर का आईजी बना गया। राजू को साल भर के भीतर पहले कांकेर का कलेक्टर और उसके बाद रायगढ़ की कमान सौंपी गई। यही नहीं, राजू यहां से डेपुटेशन पर गए तो पंजाब में उन्होंन न केवल तीन जिले की कलेक्टरी की बल्कि वहां मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रहते पंजाब का चुनाव भी कराया। याने जिस अफसर को चुनाव आयोग ने हटाया, उससे पंजाब का चुनाव कराया। कहने का मतलब कि प्रशासन में कोई चीजे स्थायी नहीं होती। सभी जानते हैं कि जिसका झंडा होता है, उसके अफसर होते हैं। कुछ ब्यूरोक्रेट्स चूक यही करते हैं कि वे सत्ता के पार्ट बन जाते हैं...लिमिट से ज्यादा सरेंडर हो जाते हैं। फिलवक्त, संकेत ऐसे हैं कि लोकसभा चुनाव के बाद रिजल्ट देने वाले अफसरों की मुख्य धारा में वापसी की जाएगी। क्योंकि, सरकार को आखिरकार रिजल्ट चाहिए। ऐसा पिछली सरकार में भी हुआ था...शुरूआत में सारे डिफेक्टेड आईएएस रमन सरकार को कोस कर बढ़ियां पोस्टिंग पा लिए थे। बाद में इनमें से कुछ को किनारे किया गया, कुछ अपनी बाजीगरी से बच गए।

भाई का बंगला

वित्त और आवास पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी को राजधानी के शंकर नगर स्थित बी5 बंगला मिला है। यह बंगला इसलिए खास है कि पांच बरस पहले तक यह चीफ सिकरेट्री का ईयर मार्क बंगला रहा। पी जाय उम्मेन से लेकर सुनील कुमार, विवेक ढांड और अजय सिंह तक इस बंगले में रहे। 2018 में जब सरकार बदली तो ब्यूरोक्रेसी को हतप्रभ करते हुए ईयर मार्क बंगले को मंत्री जय सिंह अग्रवाल को आबंटित कर दिया गया। उस बंगले के गेट पर मंत्री का नाम देख वहां से गुजरने वाले नौकरशाहों की आत्मा कलप उठती थी। क्योंकि, चीफ सिकरेट्री सिर्फ प्रशासनिक मुखिया नहीं होता बल्कि एक संस्था होता है...ब्यूरोक्रेट्स का गुरूर। अब किसी का गुरूर छीन जाए तो आप समझ सकते हैं। चलिये, ओपी के इस बंगले में जाने से नौकरशाहों का कलेजा ठंडा हुआ होगा। क्योंकि, भाई ही रहेगा अब इस बंगले में...भले ही वह मंत्री क्यों न बन गया हो। लास्ट में, ओपी को सुझाव...ठीक-ठाक पंडित को बुलाकर बंगले की पूजा-पाठ करवा लें...क्योंकि भांति-भांति की शख्सियतें वहां रही हैं...उनके कुछ अनोखे, शौकीन मिजाज के पूर्वज भी।

कैडर का मान

छत्तीसगढ़ कैडर के 1994 बैच के आईएएस विकास शील एशियाई बैंक के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर बनाए गए हैं। ब्यूरोक्रेसी में ये बड़ी अहम पोस्टिंग मानी जाती है। वो भी तब, जब उन्होंने इस पद के लिए अप्लाई भी नहीं किया था और उन्हें सलेक्ट कर लिया गया। फिलिपिंस की राजधानी मनीला में एशिआई बैंक का हेडक्वार्टर है। ईडी का वेतन सुनकर भी आप चौंक जाएंगे। विकास शील एसीएस रैंक से करीब छह गुना। महीने का 15 लाख के लगभग। ईडी, आईटी और जेल के झंझावत से जूझ रहे छत्तीसगढ़ के आईएएस कैडर का इस पोस्टिंग से मान बढ़ा है।

अंत में दो सवाल आपसे

1. पीएससी के किस रिटायर पदाधिकारी के साढू भाई ने डिप्टी कलेक्टर, डीएसपी के सलेक्शन में कैशियर की भूमिका निभाई?
2. लोकसभा चुनाव से पहले लाल बत्ती बांटने की बातें क्यों उड़ाई जा रही है?

---

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी —सुविधा हमारी—
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment आवश्यकता

आवश्यकता है- ग्लोबल' इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड में तत्काल परमानेंट भर्ती लड़के-लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन कार्यानुसार 7300+ 9500+ 11000+ 13500 + 15000 बाहर के लोगों को रहना+ खाना मेडिकल फ्री मार्कशीट की फोटो कॉपी+ 2 फोटो+ बायोडाटा के साथ। **संपर्क करेः- भिलाई पावर हाउस, ओवर ब्रिज के पास लक्ष्मी मेडिकल के बाजू में (छ.ग.) मो.- 91097-99525.** (RO-6301)

अकाउन्टेंट

आवश्यकता है- ऑफिस में कार्य करने हेतु एकाउन्टेन्ट की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता। वेतन योग्यता अनुसा। **संपर्क- श्याम हार्ड वेयर स्टोर्स, स्टेशन रोड, देशबन्धु स्कूल के पास रायपुर मो.- 9300908801.**(RO-239)

पैकिंग/हेल्पर कार्य

आवश्यकता है- पैकिंग एवं हेल्पर कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता (रहने की सुविधा उपलब्ध) **संपर्कः- अशोक इंटरप्राइजेस आशीर्वाद धर्मकांटा के पास बीरगांव, उरला रायपुर मोबाइल - 8770676924.**(RO-1880)

क्लासीफाईड

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- छत्तीसगढ़ के रायपुर और रायगढ़ में सिक्योरिटी गार्ड,सुपरवाइजर हेतु 5 वी,8, 10 वी पास हाईट 5 फीट 6 इंच, 4 फोटो, आधार कार्ड सहित मिले रहना,खाना,फ्री,वेतन 10000 से 15000 mobile **8109070600,7869230888, 8085859632, 8839506548.** (RO -1031)

टैली कॉलर

आवश्यकता है- Harmony Wellness को Calling हेतु Female Caller की आवश्यकता है, वेतन 6000 to 10000/- Traning+Incentive फ्री, **संपर्क - 9111335444.**(RO-4210)

हेल्पर/ब्रायलर

आवश्यकता है- प्लांट में हेल्पर एवं ब्रायलर में कोयला डालने हेतु आदमी की आवश्यकता है। **पता- कविता पालिमर उरकुरा रेल्वे स्टेशन रोड़ 9026710700.**(RO-1691)

कुक

आवश्यकता है- न्यू राजेंद्रनगर रायपुर घर में शाकाहारी खाना बनाने महिला कुक की आवश्यकता है । काम का समय सुबह 10 से 1 और शाम को 5 से 7 तक, वेतन 6000/- **संपर्क करें 8120289207.**(RO-1075)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- सबमर्सिबल पंप एवं प्लास्टिक पाइप नल दुकान में काम करने हेतु लडको की आवश्यकता है। सैलरी 9000-12000 योग्यता अनुसार। हम्माल की भी अवश्यकता है। **बजाज एंटरप्राइजेज रायपुर 9644433085, 9425843865.** (RO-1879)

आवश्यकता है- स्टेशनरी दुकान में कार्य करने हेतु लड़कियों की आवश्यकता है। **लक्ष्मी सेल्स गली नंबर 1, के.के. रोड़ जय स्तंभ चौक विनारबार के बाजू रायपुर**(RO-57)

आवश्यकता

आवश्यकता है- कार और ट्रक टायर कम्पनी में लोकल रायपुर शहर में ट्रांसपोर्टेशन के लिए 1 Tata Ace की जरूरत है जिनकी खुद की गाड़ी हो खुद ड्राइवर हो वही **सम्पर्क करें - 9977787518..** (RO-1070)

वार्ड बॉय

आवश्यकता है- उड़ीया वार्ड बॉय की जिसे उड़ीया पढ़ना व बोलना आता हो, रहने की सुविधा **संपर्कः- बांठिया हॉस्पिटल, राजा तालाब रोड़, रायपुर 0771-2425009.**

हरिभूमि क्लासीफाईड

ड्रायवर

आवश्यकता है- रायपुर एयरपोर्ट में इनोवा क्रिस्टा स्विफ्ट। चलाने के लिए ड्राइवर की आवश्यकता है। सैलरी क्रिस्टा- 25000, स्विफ्ट- 15000, + PF+ ESI+ पेंशन, संपर्क करें राहुल ट्रेवल्स रायपुर एयरपोर्ट मोबाइल 7399411411. (RO-3670)

आवश्यकता है- फैक्टरी में बोलेरो एवं टाटा एस चलाने हेतु अनुभवी ड्राईवर की आवश्यकता है। **पता- कविता पालिमर उरकुरा रेल्वे स्टेशन भनपुरी रायपुर 7828656506.**(RO-1690)

आवश्यकता है- अनुभवी ड्रायवर की आवश्यकता है जिससे ऑटोमैटिक और मैन्युअल गाड़ी चलाने का अनुभव हो, अपने ड्राइविंग लाइसेंस के साथ संपर्क करें। मिलने का समय सुबह 8:00 से 10:00 तक **स्थानः मेट्रो हाइट,तेलिबांधा, रायपुर सॉम्पर्क करेः 97557-77774.**(RO-2401)

फर्नीचर शो रूम

आवश्यकता है- महंत फर्नीचर शो रूम में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है **पताः- महंत फर्नीचर पंडरी रायपुर छ.ग.** HDFC Bank **के सामने मों. 9826243376, 9575254649.**(RO-1072)

आवश्यकता है- टाइल्स एवं सेनेटरी के शोरूम में कार्य हेतु युवकों की आवश्यकता है आकर्षक वेतन योग्यतानुसार सम्पर्क मनन इंटरप्राइजेज, विधानसभा रोड , मोवा थाना के सामने, रायपुरः मोबाइलः 9827109679.(RO-420)

मैकेनिक

आवश्यकता है- रायपुर स्थित सर्विस सेंटर को फ्रिज तथा ए.सी. सुधारक चाहिए हेल्पर- 4 पद, मैकेनिक- 2 पद काम सीखने के इच्छुक भी **संपर्क करें मोबाइल नंबरः- 9893210882.**(RO-2405)

टीचर

आवश्यकता है-महर्षि दयानंद उ.मा.विद्यालय कोहका भिलाई (C.G. Bord English medium)नर्सरी से 8वीं तक हेतु प्राचार्य/इंचार्ज की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार Resume जमा करने का स्थान व अंतिम तिथि **डी.ए.व्ही. मॉडल हायर सेकेण्ड्री स्कूल आर्यनगर दुर्ग में 20.01.2024 तक। समय प्रतिदिन 11से 3बजे तक।** (आरो न.-381)

Requirment - Trained teachers with PG English, Physics, Biology and Accountancy for PGT, TGT and PRT with all subjects needed in Theresian Academy, Boriyakhurd, Raipur. Interested candidates can submit your Biodata at the office before 6th February 2024. Time 9.00am to 11.30am Contact- **9407798966, 07712972515.**(RO-2396)

आवश्यकता है- महर्षि दयानंद उ.मा. विद्यालय मठपारा एवं गयानगर दुर्ग (C.G.Bord English Medium)नर्सरी से 12वीं हेतु अनुभवी प्राचार्य/इंचार्ज की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसार (02 पद) Resume जमा करने का स्थान व अंतिम तिथि **महर्षि दयानंद उ.मा.विद्यालय पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास मठपारा दुर्ग में 20.01.2024 तक समय प्रतिदिन 11से 3बजे तक।** (आरो न.-380)

इंजीनियर/मार्केटिंग

आवश्यकता है- फैक्ट्री हेतु इंजीनियर -3, मार्केटिंग -5,स्टोर कीपर -2, कंप्यूटर ऑपरेटर -2, हैल्पर, वेल्डर, फिटर की अवश्यकता है संपर्क -पाल बॉडी वर्क्स, टाटीबंध चौक,रायपुर। **मोबाइल - 90398 57933, 9685697933.**(RO-419)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- डीजे साउंड सिस्टम की दुकान में काम करने के लिये अनुभवी लड़को की आवश्यकता है **संपर्कः- दीपक साउंड सर्विस फूल चौक जोरा पारा काली माता मंदिर के पास रायपुर 9827114645.**(RO-2404)

वेल्डर/मिस्त्री

आवश्यकता है- गोंदवारा स्थित मेसर्स आर्या मेलेबल इंडस्ट्रीज में वर्कशॉप में अनुभवी लेथ मशीन वेल्डर टर्नर मिस्त्री के कार्य हेतु मेहनती लड़कों एवं डी.आई गाड़ी चलाने के लिए ड्राइवर की आवश्यकता है संपर्कः- सुबह 9:00 बजे से 6:00 बजे सायं तक रिंगरोड नंबर.2 रिलायंस पेट्रोल पंप के पीछे अनुग्रह रेजिडेंसी के पास गेट के सामने शंकर भगवान मंदिर गोंदवारा रायपुर छत्तीसगढ़ **मोबाइल नंबरः- 9893156983, 9303664588.**(RO-2403)

हरिभूमि क्लासीफाईड

मशीन ऑपरेटर

आवश्यकता है- फ्लैक्सो ग्राफिक प्रिंटिंग मशीन में कटिंग मशीन चलाने एवं प्रिंटिंग मशीन में हेल्परिंग कार्य हेतु हेल्पर की आवश्यकता है। **संपर्क- 9669672100.**(RO-1693)

सुपरवाइजर

आवश्यकता है- बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कंपनी हेतु सिविल सुपरवाइजर की आवश्यकता, 2 पद (अनुभव न्यूतम 3 वर्ष) भिलाई दुर्ग के लोगो को प्राथमिकता **संपर्क : 211,खिचारिया कॉम्प्लेक्स नेहरू नगर चौक, भिलाई (8962805541)**(RO-383)

मैनेजमेंट कार्य

आवश्यकता है- पैकेजिंग फैक्टरी में मैनेजमेंट कार्य हेतु स्मार्ट एवं पढ़ी लिखी युवती की आवश्यकता है। **संपर्क- 9329446000.**(RO-1694)

खाना मिस्त्री

आवश्यकता है- कैंटीन मेस में खाना मिस्त्री, रोटी मिस्त्री, किचन हेल्पर, बर्तन धोने एवं काउन्टर में खाना देने हेतु कर्मचारी चाहिए। रहने खाने की सुविधा **सम्पर्क करें- राजकिशोर नगर बिलासपुर 8871824812, 9993334937.**(RO-32391)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- कानपुर झांसी में ऑफिस कार्य हेतु 10वीं, 12वीं पास लड़के चाहिए सैलरी 10000+ कमीशन+ बोनस+ रेल, किराया आवास फ्री ट्रेनिंग पश्चात कमाएं 15000 से 20000 **सम्पर्क बिलासपुर 8770508791, 7225815090, 6266578863.**(RO-32400)

आवश्यकता है- इन्दौर में ऑफिस कार्य हेतु 18 से 28वर्ष, 10/12, ग्रेजुएट अविवाहित लड़के चाहिए। वेतन 8000+ रहना, खाना फ्री+ कमीशन+ बोनस+ गाड़ी किराया+ कोई शुल्क नहीं लगेगा। **सम्पर्क करें- 7415455110, 7898882634.**(RO-32401)

अन्य

आवश्यकता है- एयरपोर्ट (HEAD DEPARTMENT) हेतु सीधी भर्ती (पक्की परमानेंट नौकरी) अनपढ़, 8वीं, 10वीं, 12वीं, ग्रेजुएट (लड़के-लड़कियां) सैलरी (35400-83900) सुपरवाइजर, ग्राउंड स्टाफ, कंप्यूटर ऑपरेटर, चेकर, ड्राइवर, हेल्पर, गार्ड (फ्री रहना +खाना +मेडिकल) रायपुर **संपर्कः- 09310717928.** (RO-2358)

आवश्यकता है- बिना किसी बड़े निवेश के प्रारंभ करने का सुनहरा अवसर आयुवेदिक कंपनी में शिक्षित/बेरोजगार लड़के-लड़कियाँ हाउसवाइफ पार्टटाइम/फुलटाइम घर बैठे दवाई पैकिंग करके 28,500/- से 35,500/- महीना कमाएं रोजगार बढ़ाए (जरूरतमंद लोग कॉल/ WHATSAPP करें) NOC -2150/- +91 85830 47417.(RO-1310)

आवश्यकता है- Reliance Jio 5G कंपनी (SMS SENDING CALLING JOB) करके लड़के- लडकिया, गृहणिया, रिटायर्ड पर्सन, स्टूडेंट घरबैठे कमाए (21500- 48500) महीना (लैपटॉप + मोबाइल मुफ़्त) NAME, **पता** QUALIFICATION, CALL / SMS / WHATSAPP **करें :- 8695963713.** (RO -1306)

Purchase खरीदना

खरीदना है- आरा मील लायसेंस सहित खरीदना है। बेचने वाले संपर्क करें- 8827746933. (RO-1059)

हरिभूमि क्लासीफाईड
छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

Education शिक्षण

शीर्षक-फेल विद्यार्थी समय बचाए- पत्राचार ओपन प्राईवेट द्वारा 10वीं, 12वीं निश्चित सफलता के साथ पास करें B.ED, B.A, B.COM, B.Sc, BCA, MCA, BBA, M.A, M.COM, M.SC, MBA, MSW, B.LIB, M.LIB, DCA, PGDCA, POLYTECHNIC, B.Tech, (* अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करें*) सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा **संपर्कः-** Bharti Education Academy , Sector-6 Bhilai Mo.- **9826196515, 9826896515** (RO- 6313)

Astrology ज्योतिष

ज्योतिष - आपके घर किसी ने किया कराया, भूत-प्रेत, वशीकरण, पति-पत्नि में अनबन, गृहक्लेश, दवाई का ना लगना, या और कोई भी बाधा है तो खुली आंखों से दिखाऊंगा। दुःखीया एक बार फोन जरूर करे। **पताः-** 2nd floor, Shikhar Apartment, Near T.I. Mall, Smritinagar Bhilai, Durg **संपर्कः- स्वामी कुलदीप जी 8059178317.** (RO-2387)

Property प्रापर्टी

प्लाट

प्लॉट उपलब्ध है- भूमि बेचना है रजिस्ट्री फ्री भिलाई- दुर्ग से नज़दीक शिवनाथ नदी के पास, फार्म हाऊस के लिए 12 एकड़ में फ्रेश कटिंग प्लॉट मात्र 151/- रू. वर्गफीट में उपलब्ध है। मो.न. - 9827423470. (आरो न.-382)

फ्लैट

फ्लैट बेचना है- फ्लैट नं. 301, 302 तीसरे फ्लोर में कुल 1555 Sqft. में बना हुआ 4 बेडरूम, हाल, किचन, सर्वेंट रूम, स्टोर रूम, सर्वसुविधायुक्त फ्लैट बेंचना है। पता- श्रीराम रेसीडेंसी शंकरनगर बाटल हाऊस के पास रायपुर संपर्क करें- 9977345867 (RO -1065)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

मकान

मकान बेचना है- जनता कालोनी गुढ़ियारी, रायपुर में 1333 वर्गफुट के प्लाट पर बना मकान, सामने और पीछे खुला एरिया, बोरिंग की सुविधा सहित शीघ्र बेंचना है। **संपर्क करें- 9907463905.** (RO -1073)

मकान बेचना है- शिक्षक नगर दुर्ग के सड़क 3 का पहला पूर्वमुखी मकान प्लाट (33x33) कुल 1069 वर्गफुट, 1000 वर्गफुट में 3BHK पक्का मकान बना है। मकान के तीन तरफ रोड है **संपर्कः- 9425596643.**(RO-2400)

For Rent किराया

किराये से देना है- 500 वर्गफुट + 500 वर्गफुट के दो पक्के सर्वसुविधायुक्त गोदाम किराए से देना है। **संपर्क विवेकानंद आश्रम के सामने, रायपुर (छ. ग.) मो. 78693-94859.**(RO-4211)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पुर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

वैवाहिकी

वर चाहिए

वर चाहिए-उम्र 35/5'-2'' बीएससी, PGDCA/ सरकारी बैंक कार्यरत/ मासिक आय 78000 सुशील महिला 35 से 60 तक वर चाहिए जाति बंधन नहीं, रिटायर्ड, तलाकशुदा, विडो, अनमैरिड, बच्चे मान्य सम्पर्क -9179472796 (32457)

वर चाहिए-कान्यकुब्ज ब्राह्मण जन्म 1993 ग्वा. सुंदर आदि नाड़ी 29/6'1" एच.एम. (LPU) पी.जी.डी.एम. फ्रंट ऑफिस मैनेजर एम.एन.सी दिल्ली 8 लाख (पिता क्लास वन शास. म.प्र.) कार्यरत हेतु सुंदर सुशील समकक्ष कार्यरत वधू चाहिए (सभी ब्राह्मण मान्य) मोबाइलः- 94247 67409 (2361)

वर-वधु चाहिए- जीवन साथी चाहिए मिडिल क्लास फैमिली इच्छुक व्यक्ति ही सम्पर्क करें- 9039563783 (32458)

वधु चाहिए

वधु चाहिए-गुजराती 44/ 5'11" स्वयं का व्यवसाय इनकम 40000 मासिक, युवक हेतु कन्या चाहिए उच्च जाति बंधन नहीं संपर्क करें 9827114645, 91311 39179 (2406)

परिचय सम्मेलन

पंजीयन क्र. 1582/69
म.प्र. राजपूत समाज
6वा अ.भा.क्षत्रिय/राजपूत युवक-युवती परिचय सम्मेलन
रविवार, 28 जनवरी 2024
महाराणा प्रताप भवन, चार इमली मेन रोड नं. 3 भोपाल -16 (म.प्र.)
योग्य व उत्तम जीवनसाथी चयन हेतु आज ही हमारी वेबसाइड पर पंजीयन करायें।
web:- www.mprajputsamaj.org
ऑनलाइन पंजीयन हेतु अंतिम तिथि शनिवार, 20 जनवरी 2024
इस अवसर पर बहुरंगीय राजपूत दर्पण सामाजिक पत्रिका सभी युवक-युवतियों के रंगीन फोटो+बायोडाटा सहित प्रकाशित की जाएगी
Email:- mprajputsamaj1582@gmail.com
मोबाईल. 917 908 1582
9826015148, 9425004866

Healthcare

ईलाज की गारंटी पैसा ठीक होने के बाद

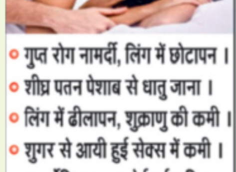

- गुप्त रोग नामर्दी, लिंग में छोटापन ।
- शीघ्र पतन पेशाब से धातु जाना ।
- लिंग में ढीलापन, शुक्राणु की कमी ।
- शुगर से आयी हुई सेक्स में कमी ।
- आयुर्वेदिक द्वारा खोई हुई शक्ति पुन: प्राप्त करें ।
- चर्मरोग व वात रोग का ईलाज किया जाता है।
- नि:संतान दम्पति आज ही मिले ।

आज ही संपर्क करें
श्रीकांत आयुर्वेदिक जड़ीबुटी भण्डार
दुर्ग में शॉप नं. 16, पारख कॉम्पलेक्स, पेट्रोल पम्प के सामने, ग्रीन चौक
रायपुर में स्टेशन रोड, सीमरन होटल के सामने
9174440077
9009330088

सोरियासिस (Psoriasis)
बिना रोगी को देखे मोबाईल से फोटो भेजकर दवा बेचने वालो से फोन द्वारा दवा मंगाने से कुछ नही होगा कोई समस्या हो जाये तो किसको कहां कहने जायेंगे। चिकित्सा के समय डॉक्टर के निगरानी में रहना जरूरी होता है। सावधान। सोरियासिस लाईलाज एक जटिल रोग है इसकी चिकित्सा केवल आयुर्वेद के रस-रसायन के अलावा दूरी चिकित्सा है ही नही। यह वात, पीत कफ तीनों की विकृती त्रिदोषज अर्थात इम्यून डिसऑर्डर रोग है। इसमे वायरस बैक्टीरिया दोनो नही है। सिर के रूसी का भ्रम, शरीर में तांबे रंग के पपड़ीयुक्त छिलकेनुमा छाले, दाग, नाखुनो का सड़ना उंगलियों का टेढ़ा होना, जोड़ों में सूजन-दर्द, अकड़न होकर रोगी अपंग हो जाता है। यह सोरियासिस के गंभीर लक्षण है। इसमें कोई चमड़ी रोग नाशक दवा या इस्टेराईड एवं पंचकर्म क्रिया से रोग नही जाता दब जाता है इससे कईयो के लीवर एवं किड़नी खराब हो गये और कई लोग हाईबीपी के शिकार हो गये यदि सफेद दाग (ल्यूकोडमा) एवं समस्त लाईलाज चमड़ी रोगों से परेशान हो।
वायरो रिसर्च एन्ड स्किन केयर क्लिनिक आई.एस.ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच.सी. अग्रवाल (एम.डी.)
भारत चिकित्सा रत्न व राष्ट्रीय चिकित्सा सम्मान पुरूस्कार, नेशनल एवार्ड से सम्मानित
मो. 9425555659, 9617789223
डॉ. वी.के. अग्रवाल (बीएमएस)
(आयुर्वेद विज्ञान विशेषज्ञ) रजि.न. 00255
मो. 9303948500
निशांत अग्रवाल (फार्मासाईटिस्ट)
मो. 9303242200
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने, बजाज (गोल्ड) फाईनेंस के पीछे दुर्ग (छ.ग.)
समय - शाम 4 बजे से 7 बजे।
अपाईटमेंट फोन से (गुरूवार अवकाश)

भारतीय सेना में अग्निवीर बनने का सपना देख रहे युवाओं के लिए यह महत्वपूर्ण खबर है। अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया में भारतीय सेना ने बड़ा बदलाव किया है। भारतीय सेना ने नया नियम इस साल (2024-25) की अग्निवीर भर्तियों में लागू किया जाएगा।

अग्निवीर बनने के लिए अब देना होगा 'टाइपिंग टेस्ट', आवेदन प्रक्रिया 17 से

नया नियम केवल क्लर्क और स्टोरकीपर के पदों पर भर्ती के लिए

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सेना ने एक अधिसूचना भी जारी की है। साथ ही सभी राज्यों के सेना भर्ती बोर्डों को भी इस बारे में सूचित कर दिया गया है। नया नियम केवल अग्निवीर के तहत क्लर्क और स्टोरकीपर के पदों पर भर्ती के लिए लागू किया जाएगा। नया नियम अन्य पदों पर लागू नहीं होगा।

कौन आवेदन कर सकता है?

क्लर्क और स्टोरकीपर के पदों के लिए 60 फीसदी अंकों के साथ 12वीं पास युवा आवेदन कर सकते हैं। पिछले साल सेना ने भर्ती प्रक्रिया में एक और बदलाव किया था। जिसके तहत अब पहले लिखित परीक्षा होगी और उसके बाद भर्ती रैली का आयोजन किया जाएगा।

हिंदी व अंग्रेजी टाइपिंग का ज्ञान होना जरूरी

आपको बता दें कि, अब सेना क्लर्क और स्टोरकीपर पदों पर भर्ती के लिए टाइपिंग टेस्ट भी लेगी, जो हिंदी में 30 शब्द प्रति मिनट और अंग्रेजी में 35 शब्द प्रति मिनट हो सकता है। बिहार-झारखंड सेना भर्ती बोर्ड निदेशालय के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि अग्निवीर के तहत क्लर्क और स्टोरकीपर पदों पर भर्ती के लिए टाइपिंग टेस्ट होगा, लेकिन इसका मानक अभी तय नहीं किया गया है। जल्द ही मानक तय कर दिया जाएगा।

इन पदों पर निकली हैं भर्तियां

अग्निवीर वायु सेना के 3500 पदों के लिए आवेदन प्रक्रिया 17 जनवरी से शुरू होगी और 6 फरवरी तक जारी रहेगी। भारतीय वायु सेना की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी अधिसूचना के अनुसार, उम्मीदवार निर्धारित अंतिम तिथि तक या उससे पहले आवेदन जमा कर सकते हैं। चयन लिखित परीक्षा पीईटी और दस्तावेज़ सत्यापन के माध्यम से किया जाएगा।

खबर संक्षेप

नौ करोड़ की कोकीन के साथ दो विदेशी गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई पुलिस ने शनिवार को पश्चिमी उपनगर साकी नाका में नाइजीरिया के दो नागरिकों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से नौ करोड़ रुपये की कोकीन जब्त की। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि गश्त कर रहे अधिकारियों ने डेनियल नेमैक और जोएल रामोस को पकड़ा जिनसे कोकीन बरामद हुई।

गैंगस्टर की हत्या मामले में दो वकीलों समेत 8 पकड़ाए

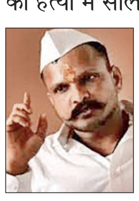

पुणे। पुणे में गैंगस्टर शरद मोहोल की हत्या में संलिप्तता के आरोप में पुलिस ने मुख्य संदिग्ध साहिल पोलेकर और दो वकीलों समेत आठ लोगों को पुणे-सतारा राजमार्ग पर एक स्थान से हथियारों और गोलियों के साथ पकड़ा गया। गैंगस्टर मोहोल के खिलाफ अपहरण, हत्या के प्रयास और हत्या के मामले दर्ज हैं। शुक्रवार को यहां कोथरुड इलाके के सुतारदरा में उसके घर के पास तीन लोगों ने उसकी छाती और कंधे पर गोली मार दी थी और कुछ घंटे बाद अस्पताल में उसकी मौत हो गई थी।

टीएमसी नेता आद्या की गिरफ्तारी पर भड़के समर्थकों ने ईडी टीम पर फिर किया पथराव

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल में कथित राशन घोटाले के सिलसिले में बोनगांव नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष शंकर आध्या को शनिवार तड़के गिरफ्तार कर लिया। रिपोर्ट के मुताबिक शंकर आद्या की गिरफ्तारी के बाद, उनके समर्थकों ने कथित तौर पर ईडी अधिकारियों के वाहनों पर पथराव किया जिसे नियंत्रित करने सीआरपीएफ टीम ने लाठीचार्ज किया।

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

संदेशखाली में शुक्रवार को हुए हमले के बाद केंद्रीय एजेंसी के अधिकारियों पर यह दूसरा हमला था। बता दें कि शंकर आध्या को पश्चिम बंगाल के राज्य मंत्री ज्योतिप्रियो मल्लिक का करीबी माना जाता है, जिन्हें पिछले साल कथित राशन वितरण घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था।

ज्ञात हो कि ईडी ने गिरफ्तारी से पहले शंकर आध्या और उनके परिवार के सदस्यों से जुड़ी संपत्तियों की 17 घंटे तक तलाशी ली। ईडी के एक अधिकारी ने कहा, 'तलाशी के साथ-साथ आध्या से पूछताछ भी की जा रही थी। उनके जवाब संतोषजनक नहीं होने के कारण उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। एजेंसी ने उत्तर 24 परगना जिले के टीएमसी नेता आध्या को बोनगांव के सिमुलटोला में उनके आवास से गिरफ्तार किया।

राजनीति गरमाई, राज्यपाल करेंगे उचित कार्रवाई

ईडी की टीम को निशाना बनाए जाने के बाद पश्चिम बंगाल में राजनीति भी गरमा गई है। कांग्रेस और बीजेपी राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग कर रहे हैं। इस घटना के बाद विपक्ष ने जहां एक ओर राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की है, वहीं दूसरी ओर राज्यपाल सी.वी.आनंद बोस ने भी संकेत दिया है कि वह सभी संवैधानिक विकल्पों पर विचार करेंगे और मामले पर उचित कार्रवाई करेंगे।

कांग्रेस बोली- बंगाल में लगे राष्ट्रपति शासन

कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग करते हुए कहा, 'ईडी अधिकारियों पर हमले हो रहे हैं। राष्ट्रपति शासन लागू करने के लिए यह उपयुक्त केस है। पश्चिम बंगाल की कानून व्यवस्था की स्थिति खराब है।

ममता किम जोंग जैसी : गिरिराज सिंह

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने ममता बनर्जी की तुलना किम जोंग से कर दी. ईडी टीम पर हमले को लेकर पश्चिम बंगाल बीजेपी अध्यक्ष सुकांता मजूमदार ने कहा कि इसमें रोहिंग्या का हाथ है. उन्होंने कहा कि आगे बंगालियों के साथ भी यही होने वाला है. वहीं ईडी हमले पर केंद्रीय गृह राज्य मंत्री निशिथ प्रमाणिक ने इसे राज्य के संघीय ढांचे पर हमला बताया है। उन्होंने कहा कि सहजहान शेख का हाल भी ममता के करीब अनुब्रत मंडल जैसा होगा।

आद्या बोले- मैं ईडी की जांच में सहयोग करूंगा

अपनी गिरफ्तारी के बाद शंकर आध्या ने मीडिया कर्मियों से कहा, 'मैं ईडी के साथ सहयोग करूंगा और हर संभव तरीके से उनकी मदद करूंगा'।

■ बंगाल में 24 घंटे में दूसरी बार अटैक! महिलाओं ने भी आद्या को ले जाने से रोकने की कोशिश की

सहजहान के खिलाफ लुकआउट नोटिस

ईडी अधिकारियों पर हमले के पीछे का मास्टरमाइंड टीएमसी नेता सहजहान शेख के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया है। जांच एजेंसी ने इस नोटिस को सभी हवाईअड्डे और बीएसएफ के साथ भी साझा किया है। घटना के बाद से सहजहान फरार है। जांच एजेंसी की शिकायत के आधार पर आरोपी टीएमसी नेता की तलाश की जा रही है।

सीआरपीएफ ने किया लाठीचार्ज

आद्या के समर्थकों ने केंद्रीय एजेंसी के कर्मचारियों को आद्या को अपने साथ ले जाने से रोकने की कोशिश की। ईडी टीम के साथ चल रहे सीआरपीएफ कर्मियों को स्थिति को नियंत्रित करने के लिए भीड़ पर लाठीचार्ज करना पड़ा। ज्ञात हो कि शुक्रवार को संदेशखाली में टीएमसी नेता सहजहान शेख के आवास पर भीड़ द्वारा पथराव कर उसके वाहनों में तोड़फोड़ की गई थी।

आद्या से संबंधित इन जगहों पर ली गई तलाशी

टीएमसी नेता की संपत्तियों के साथ-साथ, ईडी ने उनके ससुराल वालों के आवासों, उनके सहयोगियों और उनसे जुड़ी एक आइसक्रीम फैक्ट्री की भी तलाशी ली थी। एक ईडी अधिकारी ने बताया कि दस्तावेजों के अलावा, आद्या के ससुराल वालों के घर से एजेंसी ने लगभग 8 लाख रुपये नकद जब्त किए।

पतंजलि योगपीठ का 29वां स्थापना दिवस

रक्षामंत्री राजनाथ ने रखी पतंजलि गुरुकुलम की आधारशिला

एजेंसी ▶▶| हरिद्वार

पतंजलि योगपीठ के 29वें स्थापना दिवस, पतंजलि योगपीठ महर्षि दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती एवं गुरुकुल ज्वालापुर के संस्थापक पूज्य स्वामी दर्शनानंद जी की जयंती के अवसर पर देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विश्व के श्रेष्ठतम गुरुकुल पतंजलि गुरुकुलम एवं देश के श्रेष्ठतम शिक्षण संस्थान 'आचार्यकुलम' की नवीन शाखा का शिलान्यास किया।

इस अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि गुरुकूलों में शिक्षा के साथ-साथ समाज में शुचिता व नैतिकता का पाठ भी पढ़ाया जाता था। उन्होंने कहा कि मैकाले ने एक षड्यंत्र के तहत ऐसी शिक्षा प्रणाली विकसित की जिसने हमारी गुरुकुलीय परम्परा को लगभग समाप्त ही कर दिया था किन्तु स्वामी रामदेव जी महाराज जैसे तपस्वी महापुरुष ने गुरुकुल की परम्परा को पुनः गौरव प्रदान करते हुए पतंजलि गुरुकुलम की आधारशिला रखी। मुझे आशा है कि स्वामी रामदेव जी के दिशा-निर्देश में संचालित पतंजलि गुरुकुलम भारतीय संस्कृति एवं सनातन का ध्वजवाहक बनेगा। पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण जी ने कहा कि पूज्य स्वामी दर्शनानंद जी नेअल्प संसाधनों से यह संस्था प्रारंभ कर एक स्वप्न देखा था जिसे स्वामी रामदेव जी महाराज साकार कर रहे हैं।

मानव सेवा के लिए बनाया साम्राज्य : रामदेव

स्वामी रामदेव ने कहा कि हमने गुरुकुल से शिक्षा प्राप्त कर मानव सेवा के लिए विशाल अर्थ साम्राज्य स्थापित किया। अभी 500 करोड़ की लागत से पतंजलि गुरुकुलम तथा आचार्यकुलम तैयार करने की योजना है तथा साथ ही अगले 5 सालों में 5 से 10 हजार करोड़ रुपए शिक्षा के अनुष्ठान में खर्च करने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि जो देश से पाया, उसे इस देश को वापस लौटाना है।

■ चंपत राय ने कहा भारत-नेपाल के रिश्ते त्रेतायुग से लेकर आज तक है

राम की ससुराल जनकपुर से 'भार यात्रा' पहुंची अयोध्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अयोध्या

अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को है। उससे पहले राम की ससुराल नेपाल के जनकपुर धाम से 'भार यात्रा' शुरू होकर शनिवार को अयोध्या पहुंच गई। शुक्रवार को यात्रा नेपाल के बीरगंज से निकल कर भारत की सीमा में प्रवेश किया। जिसका जगह-जगह पुष्पों से स्वागत किया गया। भार यात्रा शनिवार को उत्तर प्रदेश के अयोध्या पहुंची।

भार यात्रा पहुंचने पर चंपत राय ने कहा कि भारत-नेपाल के संबंध त्रेतायुग से हैं। उन्होंने कहा कि मिथिला संस्कृति में विवाह के बाद जब बेटी का गृह प्रवेश ससुराल में होता है तो उसे सौगात (भार) भेजी जाती है। इसी परंपरा को निभाते हुए जनकपुर से भार यात्रा शुरू हुई, जोकि बिहार के मिथिला होते हुए आज (शनिवार) तड़के तीन बजे अयोध्या पहुंची। भेंट यानी भार को करीब 500 लोग लेकर पहुंचे हैं। चंपत राय ने भेंट यानी भार को स्वीकार किया।

श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ी

भव्य राम मंदिर बनने के बाद अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है। वहीं, योगी सरकार श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए रोड और हवाई मार्ग पर फोकस कर रही है। अयोध्या से फ्लाइट शुरू हो गई है। अयोध्या के लिए कई रूटों पर ट्रेनों की भी सौगात दी गई है, जिससे यात्रियों को किसी भी प्रकार की दिक्कत न हो।

भगवान राम के ससुराल से पहुंचा उपहार

चंपत राय ने कहा कि राम भगवान शंकर को अपना आराध्य और अपना पिता मानते हैं। भगवान शंकर राम को अपना आराध्य और अपना पिता मानते हैं। पशुपतिनाथ नेपाल में हैं। दोनों की एकात्मता को प्रकट करने वाले संबंध हैं। हम सब जानते हैं कि छोटी उम्र में राम को महर्षि विश्वामित्र अपने साथ ले गए थे। यज्ञ की रक्षा के लिए दो भाई भी गए थे। यात्रा करते-करते जनकपुर पहुंच गए।

कांग्रेस की हार से लें सीख गुटबाजी-भ्रष्टाचार से दूर रहें

■ राजस्थान के विधायकों को मोदी ने दिया गुरु मंत्र

जयपुर। भाजपा सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहली बार राजस्थान पहुंचे हैं। पीएम जयपुर की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं। इस दौरान पीएम ने राजस्थान के विधायकों और मंत्रियों से भी बैठक की और उन्हें गुरु मंत्र भी दिया। उन्होंने चर्चा के दौरान विधायकों, मंत्रियों और भाजपा पदाधिकारियों से विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार पर सवाल किए। इस पर कुछ विधायकों ने भ्रष्टाचार को इसका कारण बताया। इसके जवाब में मोदी ने विधायकों से कहा कि आपको गुटबाजी और भ्रष्टाचार से दूर रहना होगा। पीएम ने इसी के साथ विधायकों से कहा कि सिर्फ पांच साल के कार्यकाल को ध्यान में रखकर काम नहीं करना चाहिए। सरकार पांच साल बाद दोबारा बने।

चुनाव से पहले जल उठा बांग्लादेश, पोलिंग बूथ में लगा दी गई आग; सड़कों पर उतरा विपक्ष

एजेंसी ▶▶| ढाका

विपक्ष ने इन चुनावों के बहिष्कार का फैसला किया है। इसके अलावा 48 घंटे की हड़ताल घोषित की गई है। कई जगहों पर पोलिंग बूथों को आग लगा दी गई। बांग्लादेश में आज रविवार को आम चुनाव होने जा रहे हैं। इस बार चुनाव का जमकर विरोध हो रहा है। वोटिंग से पहले ही कई बूथों को आग के हवाले कर दिया गया। कई जगहों पर स्कूलों को आग लगा दी गई। वहीं इस बार विपक्ष चुनावों का बहिष्कार कर रहा है। विपक्ष के नेता सड़कों पर उतर गए हैं। भीड़भाड़ वाला ढाका सुनसान नजर आ रहा है। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षाबलों को राजधानी के चप्पे-चप्पे पर तैनात कर दिया गया है। बांग्लादेश में यह 12वां आम चुनाव है।

विपक्षियों ने की बहिष्कार व हड़ताल की घोषणा

बांग्लादेश की मुख्य विपक्षी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी चुनाव का बहिष्कार कर रही है। बीएनपी का कहना था कि शेख हसीना अपने पद से इस्तीफा दें और फिर एक निष्पक्ष अथॉरिटी चुनाव करवाएं। बांग्लादेश की 12 विपक्षी पार्टियों ने चुनाव के 48 घंटे के दौरान हड़ताल की घोषणा कर रखी है।

HMS ARSH-RAHAT
आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा
अर्श-राहत
बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है।
आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते हैं तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें
HMS देखकर खरीदें
असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
94060-21769

कोर्ट 24 को करेगा फैसला कि सर्वे रिपोर्ट पक्षकारों को दी जाए या नहीं

एजेंसी ▶▶| वाराणसी

■ वाराणसी अदालत ने सर्वे रिपोर्ट को सार्वजनिक करने पर लगा रखी है रोक

ज्ञानवापी मस्जिद पर एएसआई रिपोर्ट पक्षकारों को प्रदान की जाए या नहीं वाराणसी अदालत 24 जनवरी को फैसला करेगी। ज्ञात हो कि एएसआई ने रिपोर्ट सार्वजनिक ना करने के लिए प्रार्थना पत्र दाखिल किया था और इस प्रार्थना पत्र पर कोर्ट ने 24 जनवरी की तारीख दी है। बता दें कि कोर्ट शनिवार को दोनों पक्षों को रिपोर्ट सौंपने वाली थी लेकिन कोर्ट ने फिर से इस तारीख को बढ़ाकर 24 जनवरी नई तारीख तय की है।

ज्ञात हो कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने जिला जज डॉ अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत में दो सील बंद लिफाफों में ज्ञानवापी की सर्वे रिपोर्ट दाखिल की है। रिपोर्ट की मांग हिंदू के साथ ही मुस्लिम पक्ष ने भी की है। हिंदू पक्ष ने रिपोर्ट की प्रति तत्काल दिए जाने का अनुरोध किया था। मुस्लिम पक्ष ने पहले आपत्ति जताई थी, फिर ईमेल आईडी देकर रिपोर्ट मांगी है।

एएसआई ने कहा- सर्वे रिपोर्ट सार्वजनिक ना की जाए

बता दें कि, एएसआई ने जिला जज की अदालत में आवेदन देकर कहा कि 4 सप्ताह तक सर्वे रिपोर्ट सार्वजनिक ना की जाए। क्योंकि इलाहबाद हाईकोर्ट ने वर्ष 1991 के लंबित वाद लार्ड विश्वेश्वर मामले में भी सर्वे रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है। ऐसे में द्वितीय प्रति तैयार करने में समय लगेगा, इसलिए समय दिया जाए और रिपोर्ट सार्वजनिक ना की जाए।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्पलेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ध पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑक्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलबध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 7987119756, 9303508133

शेयर खरीदने के बाद रहें बेफिक्र, भाव गिरे तब भी फायदे में रहोगे

हर सौदे में नुकसान से बचने के लिए हेजिंग करना जरूरी ● स्टॉक मार्केट में हेजिंग का मतलब रिस्क मैनेजमेंट स्ट्रेटेजी ● यह आपको बड़े नुकसान से बचाने में हर हाल में सक्षम ● शेयरों में पैसा लगाना बाजार जोखिमों के अधीन होता है ● फ्यूचर एंड ऑप्शन में कॉल और पुट की एक्सपायरी भी ● इसकी अवधि एक माह तक हो सकती है ● आप हर माह अपनी कैश पॉजिशन को नुकसान से बचा सकते हैं

जरा सोचिये, 13 लाख रुपये कितनी बड़ी रकम होती है और वह हम ऐसे बाजार में रखते हैं जहां रिस्क और रिवॉर्ड दोनों मिलते हैं। जिस तरह हम महंगी गाड़ी खरीदने पर इंश्योरेंस कराते हैं और कीमती जेवरों की सुरक्षा के लिए उन्हें लॉकर में रखते है, इन दोनों कामों के लिए हमें प्रीमियम या किराया देना होता है। ठीक उसी तरह फ्यूचर एंड ऑप्शन में प्रीमियम अदा करके अपनी 13 लाख रुपये की पॉजिशन को हेज कर सकते हैं।

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में पैसा लगाते वक्त एक डर हमेशा निवेशकों के मन में रहता है कि कहीं स्टॉक गिर तो नहीं जाएगा। यह चिंता बड़े निवेशकों को बहुत रहती है, क्योंकि जो व्यक्ति बाजार में 10 लाख, 1 करोड़ या उससे ज्यादा पैसा लगाता है तो शेयरों में गिरावट होने का डर लाजिमी है, लेकिन, शेयरों में करोड़ों रुपये लगाने वाले इन्वेस्टर्स नुकसान से बचने के लिए बीमा भी करा लेते हैं। आप सोचेंगे कि शेयर खरीदने पर कौन-सा इंश्योरेंस होता है हमने तो आज तक नहीं सुना। आपने नहीं सुना इसका यह मतलब नहीं है कि ऐसा नहीं होता है। चूंकि शेयरों में पैसा लगाना बाजार जोखिमों के अधीन है और जहां रिस्क है वहां खुद को सिक्योर करना बहुत जरूरी है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए शेयर बाजार में फ्यूचर एंड ऑप्शन के कॉन्सेप्ट को लाया गया है, जिन्हें हेजिंग टूल कहा जाता है। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएं कि कि एफ एंड ओ यानि फ्यूचर एंड ऑप्शन क्या है। इसके क्या लाभ हैं। यह कैसे शेयर का भाव गिरने पर भी नुकसान नहीं होन देता।

क्या होती है हेजिंग

बाजार के जानकारों का कहना है कि स्टॉक मार्केट में हेजिंग का मतलब रिस्क मैनेजमेंट स्ट्रेटेजी यानी जोखिम प्रबंधन रणनीति है। इसका इस्तेमाल निवेशकों द्वारा शेयरों की कीमत में होने वाले से संभावित नुकसान को कम करने के लिए किया जाता है। हेजिंग की सुविधा शेयर, बॉन्ड, कमोडिटी और करेंसी सभी मार्केट में उपलब्ध है। इसे असानी से लिया जा सकता है। इसके कई प्रकार के लाभ होते हैं।

जोखिम से बचाने वाला बीमा

मान लीजिये आपने बहुत रिसर्च करके कोई शेयर खरीदा और आप आश्वस्त हैं कि आने वाले दिनों में शेयर का भाव बढ़ेगा, लेकिन, बाजार में इसकी कोई गारंटी नहीं होती है। एक बुरी खबर से शेयर औंधे मुंह गिर जाते हैं। ऐसे में अपनी पॉजिशन को हेज करना बहुत जरूरी है। मान लीजिये आप कोई भी स्टॉक खरीदते हैं, जिसका भाव 130 रुपये है। अगर आपने 130 के भाव से 10,000 शेयर खरीदे यानी कुल 13 लाख रुपये का निवेश किया।

आसानी के कर सकते हैं

फ्यूचर एंड ऑप्शन में पुट या कॉल ऑप्शन खरीद या बेचकर कैश मार्केट की पॉजिशन को आसानी से हेज किया जा सकता है। हालांकि, कॉल और पुट खरीदने में सिर्फ प्रीमियम देना होता है जो काफी कम होता है, जबकि सेल करने के लिए मार्जिन लगता है जो काफी ज्यादा होता है। इसलिए निवेशक कम पैसे में अपने निवेश किए गए रुपयों को आसानी से हेज कर सकते हैं और होने वाले नुकसान से बच सकते हैं।

यह भी कर सकते हैं

निवेशकों ने जिस स्टॉक के लिए 130 के भाव पर 10,000 शेयर खरीदे हैं। अगर शेयर गिरा तो नुकसान से बचने के लिए आप इस स्टॉक के 130 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का पुट ऑप्शन खरीद सकते हैं, जिसका भाव इस बाजार तक 4 रुपये तक चल रहा है और इसका लॉट साइज 10,000 है। आपको 40,000 रुपये का प्रीमियम देना होगा। यानी 13 लाख की कैश पॉजिशन में होने वाले नुकसान से बचने के लिए आपने 40,000 में पुट ऑप्शन खरीद लिया।

ऐसे होता है प्रॉफिट

अब आप देखिये कैश पॉजिशन में 1 लाख का प्रॉफिट होता है और पुट ऑप्शन में 40,000 का नुकसान भी हो जाए तो भी आप 60,000 के मुनाफे में रहेंगे। वहीं, अगर शेयर का भाव गिरकर 120 रुपये आ जाता है तो पुट ऑप्शन का प्रीमियम बढ़ेगा। ऐसे में कैश पॉजिशन में आपको 1 लाख का नुकसान होगा। वहीं, पुट का प्रीमियम बढ़कर 4 रुपये से बढ़कर 14 रुपये पहुंच जाता है तो यहां आपको 1 लाख रुपये का प्रॉफिट होगा यानी कैश पॉजिशन में 1 लाख का नुकसान और पुट ऑप्शन में 1 लाख का प्रॉफिट होने पर 'नो लॉस नो प्रॉफिट' रहेगा। अगर पुट का प्रीमियम 14 से बढ़कर 16 रुपये हुआ तो उल्टा आप 20,000 के प्रॉफिट में रहेंगे। हालांकि, फ्यूचर एंड ऑप्शन के जरिए हेजिंग करने के लिए शेयरों की चाल पर नजर रखना बहुत जरूरी है, जिस दिशा में शेयर बढ़े उसके हिसाब से पॉजिशन को काटना जरूरी है, ताकि ज्यादा से ज्यादा मुनाफा हासिल किया जा सके। बता दें कि फ्यूचर एंड ऑप्शन में कॉल और पुट की एक्सपायरी होती है, जिसकी अवधि एक माह होती है। आप हर माह अपनी कैश पॉजिशन को हेजिंग के जरिए नुकसान से बचा सकते हैं।

लाल सागर संकट से ढुलाई लागत 60 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। लाल सागर में संकट बढ़ने से समुद्री व्यापार पर गहरा असर पड़ने की आशंका है। वैकल्पिक मार्ग से माल ढुलाई पर लागत 60 प्रतिशत तक और बीमा प्रीमियम 20 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। एक रिपोर्ट में यह संभावना जताई गई है। आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने शनिवार को एक रिपोर्ट में कहा कि लाल सागर में संकट गहराने से माल ढुलाई में लगने वाले समय में 20 दिन की देरी और लागत में 40-60 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है।

Khadi India

राज्य स्तरीय खादी प्रदर्शनी
खादी बाजार-स्थानीय उत्पाद अमृत महोत्सव

दिनांक : 05-01-2024 से 14-01-2024 तक
स्थल : छत्तीसगढ़ हाट, महालक्ष्मी कपड़ा मार्केट के पास, पण्डरी, रायपुर (छ.ग.)
समय : प्रतिदिन सुबह 11:00 बजे से रात्रि 09:00 बजे तक

प्रदर्शनी का आकर्षण

- छत्तीसगढ़ एवं अन्य प्रदेशों की खादी संस्थाओं के माध्यम से ग्रामीण कारीगरों द्वारा उत्पादित शुद्ध कोसा की साड़ियां, सिल्क साड़ी, शर्टिंग, ड्रेस मटेरियल, रेडिमेड शर्ट, कुर्ता पायजामा, जैकेट, बेडशीट, दरी, लुंगी, गमछे इत्यादि।
- पीएमईजीपी/ग्रामोद्योग के अंतर्गत ग्रामीण कारीगरों द्वारा उत्पादित आचार, पापड़, बड़ी, अगरबत्ती, शैम्पु, साबून, आर्टिफिशियल फ्लावर, जूता, आयुर्वेदिक जड़ी बूटी, हर्बल उत्पाद, आर्टिफिशियल ज्वेलरी, फर्नीचर, डेकोरेटिव सामग्री, मिट्टी से उत्पादित वस्तुएं इत्यादि।

प्रदर्शनी में पधारकर ग्रामीण कारीगरों द्वारा उत्पादित शुद्ध खादी वस्त्रों एवं ग्रामोद्योग की वस्तुओं को खरीदकर कारीगरों का उत्साहवर्धन करते हुए स्वदेशी उत्पाद को प्रोत्साहित करें।

आयोजक
राज्य कार्यालय, खादी और ग्रामोद्योग आयोग
सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार
फोन : 0771-2886428 E-mail:- sorraipur.kvic@gov.in, Website: www.kvic.org.in

म्यूचुअल फंड्स से अलग हैं आर्बिट्राज फंड

बिजनेस डेस्क

इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों को आमतौर पर यही सलाह दी जाती है कि किसी फंड में पैसे लगाने के बाद धैर्य के साथ सही समय का इंतजार करें और उसे बेचने का फैसला तभी करें, जब आपके निवेश की वैल्यू पर्याप्त रूप से बढ़ जाए। लेकिन इनवेस्टमेंट का एक तरीका ऐसा भी है, जिसमें फंड मैनेजर इक्विटी में निवेश तभी करता है, जब उसे मुनाफा सामने नजर आ रहा हो। सही मौका मिलते ही वह एक हाथ से निवेश करता है और दूसरे हाथ से बेचकर प्रॉफिट बुक कर लेता है। बाकी तमाम एसेट्स की तुलना में बिलकुल अलग ढंग से काम करने वाले इस फंड का नाम है आर्बिट्राज म्यूचुअल फंड। निवेश की बिलकुल अलग स्ट्रैटजी के कारण इसे इक्विटी में निवेश का सबसे कम जोखिम वाला तरीका भी कहा जा सकता है। इक्विटी इनवेस्टमेंट के मामले में आर्बिट्राज का मतलब है, किसी एक शेयर की एक समय में दो अलग-अलग बाजारों या एक्सचेंज में दो अलग-अलग कीमतों के बीच मौजूद अंतर का फायदा उठाकर उसकी खरीद-बिक्री करना। मिसाल के तौर पर अगर एक शेयर का दाम एक स्टॉक एक्सचेंज में ज्यादा और दूसरे एक्सचेंज में कम हो, तो उसे एक ही साथ सस्ते बाजार से खरीदकर महंगे बाजार में बेचा जा सकता है और इस तरह फौरन मुनाफा कमाया जा सकता है। इसी तरह स्पॉट मार्केट और फ्यूचर्स मार्केट यानी वायदा बाजार में एक ही शेयर की अलग-अलग कीमत का लाभ भी उठाया जा सकता है।

आर्बिट्राज का फायदा

आर्बिट्राज के जरिए मुनाफा कमाने में दो दिक्कतें हैं-एक तो इसके लिए काफी हुनर और वक्त चाहिए, क्योंकि आपको एक साथ लगातार कई बाजारों और शेयरों पर नजर रखकर आर्बिट्राज के मौके तलाशने पड़ते हैं। दूसरी दिक्कत यह है कि दो बाजारों के बीच शेयरों की कीमतों में अंतर आम तौर पर काफी कम होता है। लिहाजा पर्याप्त मुनाफा कमाने के लिए बार-बार बड़े वॉल्यूम वाली डील करना जरूरी है। किसी आम निवेशक के लिए निजी तौर पर ऐसा करना मुश्किल है। लेकिन आर्बिट्राज फंड में निवेश करके इस स्ट्रैटजी का लाभ लिया जा सकता है।

मौके तलाशते हैं फंड मैनेजर

फंड मैनेजर और उनकी टीम लगातार आर्बिट्राज के मौके तलाशते रहते हैं और बार-बार खरीद-बिक्री करके मुनाफा कमाते हैं। सबसे खास बात यह है कि आर्बिट्राज फंड का मैनेजर किसी इक्विटी में निवेश तभी करता है, जब उसे किसी और मार्केट में मुनाफा दिख रहा हो। लिहाजा, इसमें नुकसान का रिस्क बेहद कम हो जाता है। फंड मैनेजर्स को जब इक्विटी में मुनाफा नहीं दिखता तो वो फंड को शॉर्ट टर्म मनी मार्केट या डेट इंस्ट्रूमेंट्स में पार्क करके रखते हैं, ताकि उस पर कुछ न कुछ रिटर्न मिलता रहे।

टैक्स बेनिफिट

आर्बिट्राज फंड दरअसल हाइब्रिड फंड हैं, जिन्हें टैक्सेशन के लिहाज से इक्विटी फंड की कैटेगरी में रखा जाता है। यानी अगर इसमें किए गए निवेश को 1 साल तक होल्ड करने के बाद निकाला जाए, तो उस पर 1 वित्त वर्ष के दौरान हुए 1 लाख रुपये तक के मुनाफे पर कोई टैक्स नहीं लगता। इससे ज्यादा मुनाफा होने पर 10 फीसदी की दर से लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स लगता है। 1 साल से पहले निवेश निकालने पर होने वाले प्रॉफिट पर 15 फीसदी की दर से शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स देना पड़ता है।

पिछले 1 साल में 8% तक रिटर्न

आर्बिट्राज फंड में निवेश पर जोखिम तो बहुत कम होता है, क्योंकि फंड मैनेजर प्रॉफिट दिखने पर एक बाजार से स्टॉक खरीदकर उसे दूसरे बाजार में बेच देता है, लेकिन ऐसे मौके ज्यादा नहीं मिलते और दो बाजारों में कीमतों का अंतर भी बहुत कम होता है। इसलिए इनमें मिलने वाला रिटर्न भी औसत ही रहता है। पिछले 1 साल में देश के कुछ टॉप आर्बिट्राज फंड ने लगभग 8 फीसदी तक सालाना रिटर्न दिया है। टैक्स बेनिफिट को जोड़ दें तो यह रिटर्न और भी बेहतर नजर आएगा। हालांकि इसे भविष्य के रिटर्न की गारंटी नहीं माना जा सकता।

किसे करना चाहिए निवेश

आर्बिट्राज फंड में निवेश का रिस्क प्रोफाइल डेट फंड की तरह होता है। यही वजह है कि कई आर्बिट्राज फंड बेंचमार्क के तौर पर लिक्विड फंड इंडेक्स का इस्तेमाल करते हैं। आर्बिट्राज फंड उन निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प हैं जो इक्विटी में निवेश करना चाहते हैं, लेकिन जोखिम नहीं उठाना चाहते। उतार-चढ़ाव वाले बाजार में, जोखिम से परहेज करने वाले कई निवेशक अपना पैसा आर्बिट्राज फंड में रखकर औसत रिटर्न ले सकते हैं। अगर आप ऊंचे टैक्स ब्रैकेट में आते हैं, तो टैक्स बचत के लिहाज से आर्बिट्राज फंड में निवेश करना आपके लिए अच्छा विकल्प हो सकता है।

बिजनेस साइट

श्री सीमेंट ने मास्टर ब्रांड 'बांगुर' के साथ अपने ब्रांड को दी नई पहचान

गुरुग्राम। भारत के सबसे बड़े सीमेंट निर्माताओं में से एक श्री सीमेंट लिमिटेड ने अपनी कॉर्पोरेट ब्रांड पहचान में बड़ा बदलाव लाते हुए मल्टीपल ब्रांड पेशकश 'बांगुर' को मास्टर ब्रांड के रूप में लॉन्च किया है। बांगुर के रूप में ब्रांड की नई पहचान उपभोक्ताओं की जरूरतों एवं राष्ट्र की

महत्वाकांक्षाओं पर खरा उतरते हुए 'बिल्ड स्मार्ट' के मूल दृष्टिकोण पर आधारित है। बांगुर मास्टर ब्रांड का अनावरण जाने-माने बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल के साथ एक नए विज्ञापन के साथ किया गया, जिन्हें कंपनी ने अपना ब्रांड अम्बेसडर बनाया है। इस अवसर पर नीरज अखोरी, मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री सीमेंट लिमिटेड ने कहा, 'मास्टर ब्रांड के रूप में 'बांगुर' का लॉन्च उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों एवं बढ़ती महत्वाकांक्षाओं पर खरा उतरने की हमारी योजनाओं के अनुरुप है। इस कदम के साथ हम 'बांगुर' को कंपनी के मुख्य ब्रांड के रूप में स्थापित करना चाहते हैं और ब्रांड को नई एवं स्पष्ट पहचान देना चाहते हैं। इस मेकओवर के द्वारा हमने उपभोक्ताओं के साथ बेहतर तरीके से जुड़ने और उन्हें अपने विशिष्ट उत्पादों के साथ अनूठा अनुभव प्रदान करने का लक्ष्य रखा है।' ब्रांड की नई पहचान का लॉन्च नई दिल्ली में एक भव्य समारोह के दौरान किया गया। इस समारोह में 8000 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें स्टॉकिस्ट, डीलर, रीटेलर और अन्य चैनल पार्टनर्स शामिल थे।

वित्त मंत्रालय
भारत सरकार

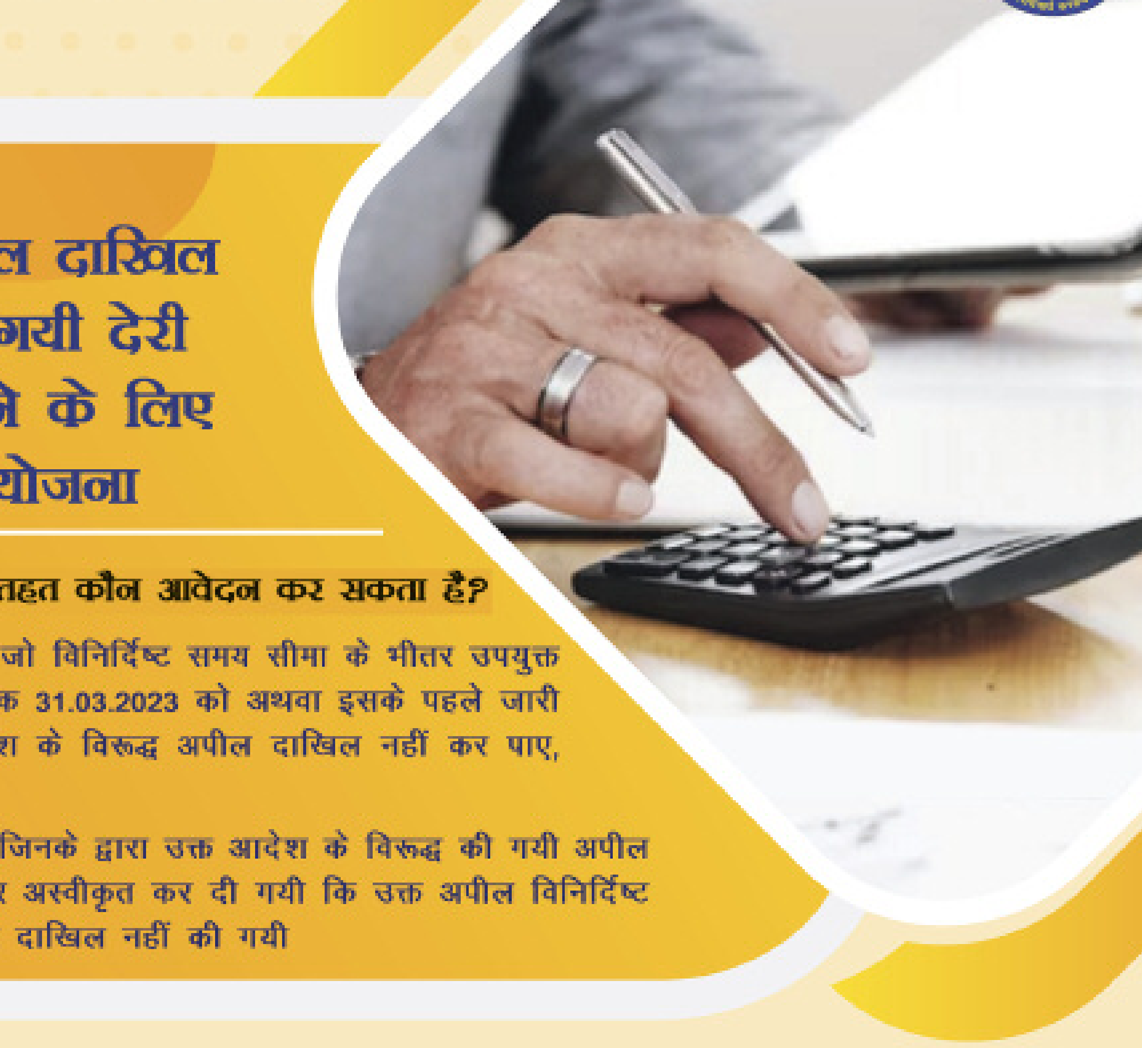

जीएसटी अपील दाखिल करने में की गयी देरी को क्षमा करने के लिए विशेष माफी योजना

इस माफी योजना के तहत कौन आवेदन कर सकता है?

- ऐसे करयोग्य व्यक्ति जो विनिर्दिष्ट समय सीमा के भीतर उपयुक्त अधिकारी द्वारा दिनांक 31.03.2023 को अथवा इसके पहले जारी किये गये मांग आदेश के विरूद्ध अपील दाखिल नहीं कर पाए, और
- ऐसे करयोग्य व्यक्ति जिनके द्वारा उक्त आदेश के विरूद्ध की गयी अपील केवल इस आधार पर अस्वीकृत कर दी गयी कि उक्त अपील विनिर्दिष्ट समय सीमा के भीतर दाखिल नहीं की गयी

इस माफी योजना का लाभ उठाने के लिए अब आप उक्त आदेश के विरुद्ध फॉर्म GST-APL-01 में दिनांक 31-01-2024 को अथवा इसके पहले अपील दाखिल कर सकते हैं, जो कि निम्न भुगतान किये जाने पर दाखिल की जा सकेगी:

- आक्षेपित आदेश द्वारा जनित, स्वीकार की गयी देयता (कर, ब्याज, जुर्माना, शुल्क और दंड की राशि)
- कर की शेष विवादास्पद राशि के 12.5% के बराबर राशि, जिसमें से कम से कम 20% इलेक्ट्रॉनिक कैश लेजर से डेबिट किया जाना चाहिए

कृपया ध्यान दें

- अपील का निपटान किये जाने तक इस माफी योजना के तहत कोई रिफंड प्रदान नहीं किया जाएगा
- ऐसी मांग जिसमें कर निहित नहीं है, के संबंध में इस माफी योजना के तहत कोई अपील स्वीकार नहीं की जाएगी

यह उन करदाताओं के लिए एक विशेष अवसर है जो अपील की समय सीमा चूक गए हैं

अधिक जानकारी के लिए कृपया अधिसूचना सं. 53/2023–केंद्रीय कर दिनांक 02.11.2023 को देखें

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड
@cbic_india @cbicindia www.cbic.gov.in @cbic @cbicindia @CBIC INDIA
cbc 15502/13/0024/2324

ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 3-0 से रौंदा
वार्नर का अपने आखिरी मैच में अर्धशतक

एजेंसी ▶▶| सिडनी

डेविड वार्नर ने अपने घरेलू मैदान पर 57 रन बनाकर 112 टेस्ट मैच के अपने कॅरियर का अंत किया। आस्ट्रेलिया ने शनिवार को यहां तीसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में पाकिस्तान को आठ विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में क्लीन स्वीप करके इस दिग्गज सलामी बल्लेबाज को शानदार विदाई दी। ऑस्ट्रेलिया जब लक्ष्य से केवल 11 रन दूर था तब वार्नर को साजिद खान ने पगबाधा आउट किया। जब वह सिडनी क्रिकेट ग्राउंड से पवेलियन की तरफ बढ़ रहे थे तब दर्शकों ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया। ऑस्ट्रेलिया की पारी में वह आउट होने वाले दूसरे बल्लेबाज थे। साजिद ने इससे पहले सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा को भी पगबाधा आउट किया था। ख्वाजा खाता भी नहीं खोल पाए।

वॉर्नर ने जड़ा 37वां अर्धशतक

डेविड वॉर्नर ने अपने टेस्ट कॅरियर के आखिरी मैच में कॅरियर का 37वां अर्धशतक जमाया। वह 57 रन की पारी खेलकर साजिद खान की गेंद पर एलबीडब्लू आउट हुए। वॉर्नर जब आखिरी टेस्ट पारी खेलने के लिए मैदान पर उतरे तो पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। सभी प्लेयर्स ने उनके सम्मान में खड़े होकर तालियां बजाईं।

वार्नर की उपलब्धि

	टेस्ट	वनडे
मैच	112	161
पारी	205	159
रन	8786	6932
औसत	44.6	4530
उच्च. स्कोर	335*	179
शतक	26	22
अर्धशतक	37	33

पाक की लगातार 17वीं हार

ऑस्ट्रेलिया में पाकिस्तान क्रिकेट टीम का रिकॉर्ड बेहद खराब रहा है। टीम ने यहां लगातार 17वां टेस्ट मैच गंवा दिया। उन्हें आखिरी बार 1995 में ऑस्ट्रेलिया में कोई टेस्ट जीत मिली थी। इस बीच टीम का कोई मुकाबला ड्रॉ भी नहीं रहा।

डब्लूटीसी के टॉप पर पहुंचा ऑस्ट्रेलिया

पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप के बाद ऑस्ट्रेलिया को डब्लूटीसी में भी फायदा हुआ। टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच गई। टीम के 2 सीरीज में 5 जीत और एक ड्रॉ से 54 पॉइंट्स हैं और 56.25% पॉइंट्स होने के कारण टीम पहले नंबर पर है। दूसरे नंबर पर भारत है। टीम के 2 सीरीज में 2 जीत और एक ड्रॉ से 26 पॉइंट्स हैं, टीम 54.16% पॉइंट्स होने के कारण दूसरे नंबर पर है। साउथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के 50% पॉइंट्स हैं, वे तीसरे, चौथे और पांचवें नंबर पर हैं। जबकि 2 सीरीज में 2 जीत और 3 हार के बाद पाकिस्तान के 22 पॉइंट्स हैं।

खबर संक्षेप

अफ्रीका में 'फुल लेंग्थ' की गेंदबाजी कारगर नहीं

केपटाउन। अपनी स्विंग गेंदबाजी से बल्लेबाजों को परेशान करने वाले मुकेश कुमार को दक्षिण अफ्रीका दौरे पर सेंचुरियन में खेले गए पहले टेस्ट मैच में मौका नहीं मिला लेकिन न्यूलैंड्स में दूसरे टेस्ट मैच में उनकी कारगर गेंदबाजी के बाद टीम प्रबंधन को अपनी चूक का एहसास हुआ। मोहम्मद सिराज (सात विकेट) और जसप्रीत बुमराह (आठ विकेट) की अनुभवी जोड़ी ने दूसरे टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया। इस बीच टीम के तीसरे तेज गेंदबाज मुकेश ने चार विकेट लिए जिसमें दूसरी पारी में शीर्ष क्रम के दो खिलाड़ियों को आउट करना शामिल था।

ऑकलैंड क्लासिक टेनिस टूर्नामेंट

कोको गॉफ और स्वितोलिना में आज होगा खिताबी मुकाबला

एजेंसी ▶▶| ऑकलैंड

पिछली बार की चैंपियन कोको गॉफ ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार को यहां ऑकलैंड क्लासिक टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाकर अपने खिताब का बचाव करने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। अमेरिका की इस खिलाड़ी ने सेमीफाइनल में हमवतन एम्मा नवारो को केवल 62 मिनट में 6-3, 6-1से हराया। गॉफ इस तरह से ऑकलैंड में दो वर्षों में लगातार 18 सेट और नौ मैच जीत चुकी है। रविवार को होने वाले फाइनल में कोको का मुकाबला दूसरी वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना से होगा, जिन्होंने एक अन्य सेमीफाइनल में तीन सेट तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में चीन की वांग जियू पर 2-6, 6-4, 6-3 से जीत दर्ज की। स्वितोलिना को इस मैच के दौरान दो बार 'मेडिकल टाइमआउट' भी लेना पड़ा लेकिन आखिर में वह चीन की अपनी प्रतिद्वंद्वी को हराने में सफल रही।

स्वियाटेक और हर्काज़ ने पोलैंड को फाइनल में पहुंचाया

सिडनी। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वियाटेक और ह्यूबर्ट हर्काज़ के शानदार प्रदर्शन से पोलैंड ने शनिवार को यहां फ्रांस को 3-0 से हराकर यूनाइटेड कप मिश्रित टीम टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। स्वियातेक ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके कैरोलिन गार्सिया को 4-6, 6-1, 6-1 से हराया। इसके बाद एटीपी रैंकिंग में नौवें नंबर पर काबिज हर्काज़ ने एड्रियन मन्नारिनो को 6-3, 7-5 से हराकर अपनी टीम को 2-0 की अजेय बढ़त दिला दी। पोलैंड ने इसके बाद मिश्रित युगल का मैच भी जीता। पोलैंड रविवार को होने वाले फाइनल में ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी के बीच खेले जा रहे दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से भिड़ेगा। शीर्ष वरीयता प्राप्त पोलैंड ने ग्रुप चरण में केवल एक मैच गंवाया था। उसने चीन को 3-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

भारत में 'वॉर' लागू करने सोच रहा एआईएफएफ

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ ने अतिरिक्त वीडियो समीक्षा प्रणाली के ट्रायल में भारत को शामिल करने के लिए खेल के नियमों को निर्धारित करने वाली संस्था अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल एसोसिएशन बोर्ड को पत्र लिखा है। वीडियो समीक्षा प्रणाली को पहली बार 2016-17 में फीफा की प्रतियोगिताओं में उपयोग किया गया था। इससे रेफरी को सही फैसले करने में मदद मिली।

एआईएफएफ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने कहा, 'हमारा मुख्य उद्देश्य मैच अधिकारियों को तकनीक के जरिए सशक्त बनाकर गलतियों की संख्या को कम करना है। हम वीएआर को लागू करने के लिए कार्य जारी रखेंगे लेकिन मेरा मानना है कि एवीआरएस की शुरुआत के लिए भारत जैसा देश अच्छा विकल्प हो सकता है। एवीआरएस हमें तकनीक के प्रभाव का अध्ययन करने, हमारे मैच अधिकारियों को नई अवधारणा से प्रशिक्षित करने तथा खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और क्लबों को इसके अनुकूल ढलने में मदद करेगा।'

पुजारा ने रणजी ट्रॉफी में ठोका दमदार शतक

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

साउथ अफ्रीका दौरे के लिए जब चेतेश्वर पुजारा को नजरअंदाज किया गया, तो हर किसी को लगा कि दिग्गज बल्लेबाज का टेस्ट कॅरियर अब समाप्ति की ओर बढ़ चला है।

किसी ने कहा कि टीम इंडिया की दीवार अब ढह चुकी है, तो किसी ने पुजारा की काबिलियत पर सवाल खड़े किए। हालांकि, इन सभी बातों और आलोचकों के मुंह पुजारा ने एकबार फिर जोरदार तमाचा जड़ा है। रणजी ट्रॉफी 2024 के पहले ही मैच में

पुजारा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए शतक ठोक डाला है। सौराष्ट्र की तरफ से खेलते हुए चेतेश्वर पुजारा झारखंड के खिलाफ नंबर चार पर बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 157 रन बना लिए हैं।

फॉर्मूला ई ने हैदराबाद रेस को रद्द कर दिया

हैदराबाद। फॉर्मूला ई ने तेलंगाना की नई सरकार पर अनुबंध के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए हैदराबाद में होने वाली रेस को रद्द कर दिया है। भारत में होने वाली इस दूसरी फॉर्मूला ई रेस का आयोजन 10 फरवरी को होना था। फॉर्मूला ई ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा, 'तेलंगाना सरकार के अंतर्गत आने वाले नगरपालिका प्रशासन और शहरी विकास विभाग ने 30 अक्टूबर 2023 को मेजबान शहर के साथ किए गए अनुबंध का पालन नहीं किया जिसके कारण यह रेस रद्द कर दी गई।'

टी20 श्रृंखला जीतने उतरेगी भारतीय महिला टीम

नवी मुंबई। पहले मैच में बड़ी जीत से उत्साह से ओतप्रोत भारतीय महिला टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अपना ऑलराउंड प्रदर्शन जारी रखकर तीन मैचों की श्रृंखला में अजेय बढ़त हासिल करने की कोशिश करेगी। एक दिवसीय श्रृंखला में तीनों मैच गंवाने के बाद भारतीय महिला टीम ने पहले टी20 मैच में खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करके ऑस्ट्रेलिया को नौ विकेट से करारी शिकस्त दी थी जो इस प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ उसकी सबसे बड़ी जीत है।

आर्यना सबालेंका की आज रिबाकिना से होगी भिड़ंत

एजेंसी ▶▶| ब्रिसबेन

शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका ने शनिवार को यहां दो बार की चैम्पियन विक्टोरिया अजारेंका पर 6-2, 6-4 की जीत से ब्रिसबेन अंतरराष्ट्रीय टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया जिसमें उनकी भिड़ंत एलीना रिबाकिना से होगा। पिछले साल आस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में भी सबालेंका और रिबाकिना का सामना हुआ था। इसमें सबालेंका ने रिबाकिना पर 4-6, 6-3, 6-4 से जीत हासिल कर ग्रैंडस्लैम खिताब जीता था। सबालेंका ने 2022 विम्बलडन चैंपियन रिबाकिना के साथ सात मुकाबलों में पांच में जीत हासिल की है। आस्ट्रेलियाई सरजमीं पर सबालेंका की जीत की लय 15 मैच की हो गई है जिसमें एडिलेड में 2023 के शुरू में खिताब के बाद मेलबर्न पार्क में ग्रैंडस्लैम ट्रॉफी जीतना भी शामिल रहा।

न्यायालय कलेक्टर, दुर्ग जिला-दुर्ग (छत्तीसगढ़)
व्यक्तिगत उपस्थिति समन

रा.प्र. क्र. 18/ ब-121/वर्ष 2023-24
प्राधिकृत अधिकारी, भारतीय स्टेट बैंक शाखा- [illegible] नाका, ब्लाक बी. 01, पुजारी चैम्बर, रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) ...वादी
प्रतिवादी
1. श्रीमति प्रिती नरेन्द्र सोलंकी पति श्री नरेन्द्र सोलंकी
2. श्री नरेन्द्र सोलंकी पिता श्री दयाल जी हरिभाई सोलंकी
दोनों पता- हाउस नं. 1578, स्ट्रीट नं. 36 दशहरा मैदान के पास, वार्ड नं. 11, शांति नगर, भिलाई, तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.) ....अनावेदकगण

उपरोक्त वादी द्वारा इस न्यायालय में वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 14 के अन्तर्गत अनावेदकों द्वारा आवेदक बैंक से वित्तीय सहायता की सुरक्षा हेतु बैंक के पक्ष में रखी गई बंधक संपत्ति- मौजा कोहका प.ह.नं. 14/19, ख.नं. 7961, प्लाट नं. 02 एवं प्लाट नं. 17 का भाग रकबा 2400 वर्गफीट अम्बेडकर नगर वार्ड नं. 11 शांति नगर के भीतर के भाग भिलाई तहसील भिलाई 03 व जिला दुर्ग में स्थित है की बकाया राशि की अदायगी नहीं करने के कारण रिक्त भौतिक आधिपत्य में प्राप्त करने हेतु प्रस्तुत आवेदन पत्र पर प्रकरण संस्थित कर प्राकृतिक न्याय सिद्धांत के अन्तर्गत अनावेदक को समक्ष सुनवाई किये जाने हेतु सूचना पत्र जारी कर आहूत किया गया था। जारी सूचना पत्र वापस अप्राप्त रहा।

चूंकि अनावेदकों को प्रकरण में समक्ष सुनवाई का युक्तियुक्त अवसर प्रदान किया जाना है। अतएव इस समन के जरिये अनावेदक को आदेश दिया जाता है कि आप इस मामले की आगामी पेशी दिनांक 16/01/2024 को कलेक्टर, दुर्ग के न्यायालय में व्यक्तिगत रूप से अनिवार्यतः उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें। यदि आप निर्धारित सुनवाई तिथि को अनुपस्थित पाये गये तो मामले की सुनवाई आपकी गैरहाजिरी में की जाकर आपके विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की जायेगी।

(मुहर)
संयुक्त - कलेक्टर,
वास्ते- कलेक्टर, दुर्ग
दुर्ग, दिनांक 05.01.2024

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक
क्षेत्रीय कार्यालय: महादेव घाट रोड, सुंदरनगर, रायपुर (छ.ग.)
Mob:6232032095 I Tollfree 1800-233-2300, (PIN 492013)
E-mail:npa.ro.rai@cgbank.in I Web: www.cgbank.in

सरफेसी अधिनियम 2002 (2002 का अधिनियम 54) के अंतर्गत बैंक में बंधक रखी गई अचल संपत्ति की नीलामी सूचना

[illegible] ''नीलामी जहाँ है जैसा है'' के आधार पर किया जाना है:-

क्र.	संपर्क शाखा	ऋणी का नाम एवं जमानतदार का नाम	अचल संपत्ति का विवरण	मांग सूचना एवं राशि (रु.में)/ अधिपत्य की तिथि/कब्जा प्रकार	आरक्षित मूल्य (Auction Amount)	धरोहर राशि (EMD Amount)
1.	पुरानीबस्ती मो.6232032029	ऋणी:-1) श्रीमती [illegible] ठाकुर पति श्री अखिलेश सिंह ठाकुर 2) श्री अखिलेश सिंह ठाकुर पिता श्री [illegible] सिंह ठाकुर [illegible]	[illegible] की बंधक संपत्ति (भूमि) का विवरण:- मौजा:- ख.क्र.-15301/37, प.ह.नं.-20, [illegible] जिला-रायपुर (छ.ग.)। क्र.- प्लाट नं.- क्षेत्रफल- 1- 358 750 वर्गफीट 2- 359 750 वर्गफीट 3- 360 750 वर्गफीट 4- 361 750 वर्गफीट 5- 362 750 वर्गफीट चौहद्दी:- उत्तर-प्लाट नं.-357, दक्षिण-प्लाट नं.- 363, पूर्व-प्लाट नं.323-327, पश्चिम-रास्ता।	17.03.2022, रु.29,63,781/-+ ब्याज +अन्य व्यय/ 12/07/2022 भौतिक कब्जा	1- रु.2,87,000/- 2- रु.2,87,000/- 3- रु.2,87,000/- 4- रु.2,87,000/- 5- रु.2,87,000/-	रु. 28,700/- रु.28,700/- रु.28,700/- रु.28,700/- रु.28,700/-
2.	पुरानीबस्ती मो.6232032029	ऋणी:-1) श्रीमती [illegible] साहू पति श्री [illegible] कुमार साहू 2) श्री [illegible] कुमार साहू पिता श्री [illegible] कुमार साहू [illegible]	श्री श्रीमती [illegible] साहू एवं [illegible] कुमार साहू की बंधक संपत्ति (भूमि) का विवरण:- मौजा:- ख.क्र.-15301/1, [illegible] प.ह.नं.-20, [illegible] जिला-रायपुर (छ.ग.) क्र.- प्लाट नं.- क्षेत्रफल- 1- 940 1000 वर्गफीट 2- 941 1000 वर्गफीट चौहद्दी:- उत्तर-प्लाट नं. 942, दक्षिण-प्लाट नं.939, पूर्व- [illegible], पश्चिम- 936,937।	20.05.2022 रु.22,16,528/-+ ब्याज +अन्य व्यय/ 30/08/2022 भौतिक कब्जा	1- रु.3,60,000/- 2- रु.3,60,000/-	रु. 36,000/- रु. 36,000/-
3.	पुरानीबस्ती मो.6232032029	ऋणी:-1) श्रीमती [illegible] पति श्री [illegible] 2) श्री [illegible] [illegible]	श्रीमती [illegible] की बंधक संपत्ति (भूमि) का विवरण:- मौजा:- ख.क्र.-425/12, प.ह.नं.-105/61, [illegible] जिला-रायपुर (छ.ग.)। कुलक्षेत्रफल:- 500 वर्गफीट। चौहद्दी:- [illegible]	09.05.2023 रु.4,34,986/-+ ब्याज +अन्य व्यय/ 09/08/2023 भौतिक कब्जा	रु. 4,05000/-	रु. 40,500/-
4.	[illegible] मो.6232032050	ऋणी:-1) श्री [illegible] सेन पिता [illegible] सेन	श्री [illegible] सेन की बंधक संपत्ति (भवन) का विवरण:-मौजा:- EWS FLAT-26/103 [illegible] जिला-दुर्ग (छ.ग.)। कुलक्षेत्रफल:- 403 वर्गफीट।	07.06.2022 रु.7,09,229/-+ ब्याज +अन्य व्यय/ 30/08/2022/ भौतिक कब्जा	रु. 4,48,000/-	रु. 44,800/-
5.	[illegible] मो.6232032005	ऋणी:-1) श्री [illegible] लाल वर्मा पिता [illegible] वर्मा [illegible]	श्री [illegible] लाल वर्मा की बंधक संपत्ति (भूमि) का विवरण:- मौजा:- ख.क्र.-2441/1,2 प.ह.नं.-88, [illegible] (छ.ग.)। कुलक्षेत्रफल:- 3000 वर्गफीट।	19.01.2022 रु.2,96,746/-+ ब्याज +अन्य व्यय/ 05/05/2022/ भौतिक कब्जा	रु. 1,06,000/-	रु.10,600/-
6.	[illegible] मो.6232032064	ऋणी:-1) श्रीमती [illegible] कोसले पति श्री अशोक कोसले 2) श्री अशोक कोसले पिता श्री [illegible] कोसले [illegible]	श्रीमती [illegible] कोसले की बंधक संपत्ति (भवन) का विवरण:- मौजा:- ख.क्र.-640/2 प.ह.नं.-42, [illegible] जिला-महासमुंद (छ.ग.)। कुलक्षेत्रफल:- 1900 वर्गफीट। चौहद्दी:- [illegible]	07.06.2023 रु.18,57,683/-+ ब्याज +अन्य व्यय/ 27/09/2023/ भौतिक कब्जा	रु.17,72,000/-	रु.1,77,200/-
7.	[illegible] मो.6232032013	ऋणी:-1) श्रीमती [illegible] अहमद पति श्री [illegible] अहमद	श्रीमती [illegible] अहमद की बंधक संपत्ति (भवन) का विवरण:- मौजा:- ख.क्र.-257/4, प.ह.नं.-105/47, [illegible] वार्ड नं.52 [illegible] जिला-रायपुर (छ.ग.)। कुलक्षेत्रफल:- 600 वर्गफीट। चौहद्दी:- [illegible]	07.06.2023 रु.16,09,531/-+ ब्याज +अन्य व्यय/ 09/08/2023/ भौतिक कब्जा	रु.14,85,000/-	रु.1,48,500/-

[illegible]

नीलामी तिथि 13.02.2024 समय 12:00 बजे से
नीलामी स्थान :- छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय - रायपुर महादेव घाट रोड, सुंदरनगर, रायपुर (छ.ग.)

नीलामी के नियम एवं शर्तें:- (1) **नीलामी जहाँ है जैसा है** के आधार पर हो रही है। (2) [illegible] (3) [illegible] (4) [illegible] 12.02.2024 [illegible] (5) [illegible] 14.02.2024 [illegible] 25% [illegible] 75% [illegible] 15 [illegible] (6) [illegible] (7) [illegible] (8) [illegible] (9) [illegible] (10) [illegible] 2002 [illegible] (11) [illegible] 12.02.2024 [illegible] (12) [illegible]

दिनांक 06.01.2024

प्राधिकृत अधिकारी
छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक क्षेत्रीय कार्यालय - रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक
क्षेत्रीय कार्यालय: महादेव घाट रोड, सुंदरनगर, रायपुर (छ.ग.)
Mob:6232032095 I Tollfree 1800-233-2300, (PIN 492013)
E-mail:npa.ro.rai@cgbank.in I Web: www.cgbank.in

नियम- 8(1) कब्जा नोटिस (अचल संपत्ति)

जबकि (Whereas) वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अंतर्गत एवं धारा 13(2) सहपठित प्रतिभूति-हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 3 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के निम्न अधोहस्ताक्षरकर्ता प्राधिकृत अधिकारी ने मांग सूचना पत्र जारी किया था, जिसमें निम्नलिखित उधार लेने वालों को उल्लिखित राशि ब्याज सहित नोटिस प्राप्ती की तारीख से 60 दिनों के भीतर भुगतान करने के लिये कहा गया था-

क्र.	ऋणी का नाम एवं जमानतदार का नाम शाखा का नाम	अचल संपत्ति का विवरण	मांग सूचना एवं राशि (रु. में)	अधिपत्य की तिथि
1.	ऋणी:-1) श्रीमती [illegible] मिश्रा पति श्री [illegible] मिश्रा 2) श्री [illegible] मिश्रा पिता [illegible] प्रसाद मिश्रा शाखा- [illegible] मो.- 6232032006	श्रीमती [illegible] मिश्रा एवं श्री [illegible] मिश्रा की बंधक संपत्ति (भवन) का विवरण:- मौजा:- ख.क्र.-185/129, प.ह.नं.-105, [illegible] जिला-रायपुर (छ.ग.)। कुलक्षेत्रफल:- 1005 वर्ग फीट। चौहद्दी:- [illegible]	03.10.2023, रु.21,67,826/-+ ब्याज + अन्य व्यय	06/01/2024
2.	ऋणी:-1) श्रीमती उषा सिंह पति श्री मोहन सिंह 2) श्री मनीष सिंह पिता मोहन सिंह शाखा- पुरानीबस्ती मो.- 6232032029	श्रीमती उषा सिंह एवं श्री मनीष सिंह की बंधक संपत्ति (भवन) का विवरण:- मौजा:- ख.क्र.-99/433, प.ह.नं.-105/61, मकान नं.- बी-10/16 [illegible] तहसील एवं जिला-रायपुर (छ.ग.)। कुलक्षेत्रफल:- 2000 वर्ग फीट। चौहद्दी:- उत्तर- प्लाट नं.बी-10/15, दक्षिण- प्लाट नं.-बी-10/17, पूर्व-रास्ता, पश्चिम- प्लाट नं.बी-10/7।	26.09.2023, रु.38,37,139/-+ ब्याज + अन्य व्यय	06/01/2024

[illegible] (CHARGE) होगा।

दिनांक-06/01/2024,
स्थान-रायपुर

प्राधिकृत अधिकारी
छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक
क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर (छ.ग.)

अनोखा पेड़, अंग्रेज अधिकारी ने दिया था गिरफ्तारी का आर्डर, 125 साल से बंधी है जंजीर

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

कोई अपराध करता है तो उसे कानून की ओर से सजा दी जाती है। चोरी, लूट और रेप जैसे मामलों में पुलिस को त्वरित कार्रवाई कर आरोपी को गिरफ्तार करते देखा जाता है। ये सब इंसानों के मामले में होता है, न कि किसी जानवर, पेड़ या पक्षी के साथ। लेकिन पाकिस्तान के पेशावर में तो एक पेड़ ही गिरफ्तार है। वो भी हाल फिलहाल में नहीं बल्कि वह पूरे 125 सालों से गिरफ्तार है और जंजीरों में लिपटा है।

ब्रिटिश अधिकारी ने दिया पेड़ को गिरफ्तार करने का आर्डर

भला कोई पेड़ आखिर क्यों और कैसे गिरफ्तार हो सकता है? इसका गुनाह क्या रहा होगा? तो हम आपको यहां इसके पीछे की दिलचस्प कहानी बताने जा रहे हैं। दरअसल तोरखन बॉर्डर के पास लैंडी कोटाल नाम की बस्ती में आज से 125 साल पहले एक ब्रिटिश ऑफिसर के चलते ये सब हुआ था। कहानी कुछ ऐसी है कि जेम्स स्क्विड नाम के इस अधिकारी ने एक दिन नशे की हालत में दावा किया कि ये पेड़ उनकी पकड़ में नहीं आ रहा है और बार-बार भाग रहा है। साथ ही उन्होंने अपने सिपाहियों को इस पेड़ को गिरफ्तार करने का ऑर्डर दिया। सिपाही जेम्स के नशे और बेतुकी गिरफ्तारी के समझ तो रहे थे लेकिन अधिकारी के सामने कुछ बोलने की उनकी हिम्मत नहीं हुई। उन्होंने पेड़ को गिरफ्तार करने के लिए उसके चारों ओर जंजीरें लगाकर उसे बांध दिया। तब से आज तक पेड़ गिरफ्तार है और उसकी जंजीरें जस के तस हैं।

बना हुआ है पर्यटक स्थल

एक स्थानीय व्यक्ति ने कहा की, इस पेड़ के माध्यम से, अंग्रेजों ने मूल रूप से आदिवासियों को यह बताया थी कि यदि उन्होंने राज के खिलाफ कोई हिम्मत की, तो उन्हें भी इसी तरह से दंडित किया जाएगा। अपने विवादास्पद अतीत के बावजूद, पेशावर का जंजीरदार पेड़ एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बना हुआ है, जो इस क्षेत्र में बेहतर टूरिस्ट प्लेस है।

ब्रिटिश शासन के अत्याचार का प्रतीक

इसके ऊपर लगी तख्ती टूरिस्टों को इसकी सारी कहानी समझाती है। इसके ऊपर लिखा है- 'आई एम अंडर अरेस्ट' और बाकी की पूरा किस्सा भी डीटेल में लिखा है। लैंडी कोटाल वे पर खैबर राइफल्स ऑफिसर्स मेस के पास स्थित, जंजीर में लिपटा पेड़ टूरिस्टों का बहुत ध्यान खींचता है। हालांकि, स्थानीय लोग इस पेड़ को देश में ब्रिटिश शासन के अत्याचार का प्रतीक मानते हैं।

पश्चिमी दुनिया की सबसे बड़ी बुद्ध प्रतिमा

प्राकृतिक खूबसूरती के कारण पहुंच रहे पर्यटक

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

ब्राजील में भगवान बुद्ध की बहुत ही अद्भुत प्रतिमा है, जो यहां एस्पिरिटो सैंटो स्टेट के इबिराकू सिटी में स्थित है। माना जाता है कि यह पश्चिमी दुनिया में सबसे बड़ी बुद्ध प्रतिमा है। साथ ही इसे दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी बुद्ध प्रतिमा भी माना जाता है। अब इसी प्रतिमा से जुड़ी तस्वीरें वायरल हो रही है। आखिर ये प्रतिमा कितनी अनोखी है, जो बड़ी संख्या में लोग इसे देखने के लिए खिंचे चले आते हैं।

हरे भरे मैदान और पहाड़ी इलाका

भगवान बुद्ध की ये प्रतिमा एकदम सफेद है, जो हरे भरे मैदान और पहाड़ियों वाले इलाके में स्थित है। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी मूर्ति होने के अलावा, ये बुद्ध की विशाल प्रतिमा अपनी सुंदर बनावट और इसके चारों ओर के प्राकृतिक खूबसूरती की वजह से काफी अनोखी है। इसके पास और भी कई छोटी बुद्ध प्रतिमाएं रखी हुई है, वो सभी भी सफेद रंग की है। भगवान बुद्ध की इस प्रतिमा को बनने में एक साल से अधिक का समय लगा, जिसे बनाने में लोहे, कंक्रीट और स्टील सहित अन्य चीजों के मिश्रण के करीब 350 टन मिश्रण को इस्तेमाल किया गया है।

प्रतिमा की ऊंचाई 35 मीटर

रिपोर्ट के अनुसार, यह बुद्ध मूर्ति ब्राजील का सबसे बड़ी प्रतिमा है, जिसकी ऊंचाई 35 मीटर है और यह रियो डी जनेरियो में ईसा मसीह की मूर्ति से भी पांच मीटर ऊंची है। इस विशाल मूर्ति और उसके चारों ओर की प्राकृतिक सुंदरता को देखने के लिए हजारों की संख्या में लोग वहां खिंचे चले आते हैं। कहा जाता है कि यह प्रतिमा देश की सांस्कृतिक और धार्मिक विविधता का प्रतिनिधित्व करती है।

समुद्र में दो खंबों पर बसा है दुनिया का सबसे छोटा देश, रहते हैं 50 से भी कम लोग

सीलैंड एक माइक्रो नेशन है, जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता नहीं मिली

नई दिल्ली। आपने अभी तक दुनिया के सबसे छोटे देश वैटिकन सिटी के बारे में सुना होगा, लेकिन कभी सीलैंड के बारे में सुना है, जिसे इंटरनेशनल लेवल पर मान्यता तो नहीं मिली है, लेकिन जनसंख्या और अन्य चीजों की वजह से इसे सबसे छोटा देश कहा जाता है।

उत्तरी सागर में स्थित है देश

दुनिया का सबसे छोटा देश अगर आप वेटिकन सिटी को समझते हैं, तो शायद आप यहां गलत हैं। विश्व का सबसे छोटा देश वेटिकन सिटी नहीं बल्कि उत्तरी सागर में स्थित ये छोटा देश है। इसे सीलैंड के नाम से जाना जाता है। ये चारों तरफ से समुद्र से घिरा हुआ है, हालांकि वेटिकन सिटी सबसे छोटा देश है, जिसे इंटरनेशनल लेवल पर मान्यता मिली हुई है, लेकिन सीलैंड एक माइक्रो नेशन है, जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता नहीं मिली है।

रहने के लिए नहीं है साधन

ये देश इग्लैंड के सफोल्क समुद्री तट से करीबन 10 किमी की दूरी पर मौजूद है। सीलैंड खंडहर हो चुके एक समुद्री किले पर मौजूद है, जिसका निर्माण ब्रिटेन ने दूसरे वर्ल्ड वॉर के दौरान किया था और फिर बाद में खाली कर दिया। सीलैंड में रहने लायक कोई अच्छा साधन नहीं है। 2011 की जनगणना के अनुसार, यहां जनसंख्या केवल 27 ही है। इस बेहद छोटे से देश में रहने का कोई साधन भी नहीं है। पहली बार लोगों को जब इसके बारे में मालूम हुआ तो, लोगों ने खूब डोनेशन दिया।

अपना राष्ट्रीय झंडा राष्ट्रगान और करेंसी

इस छोटे से देश को लेकर एक वेबसाइट भी बनाई गई है, आप https://sealand-gov.org/ पर जाकर इस देश के बारे में जान सकते हैं। वहीं फेसबुक पर प्रिंसिपैलिटी ऑफ सीलैंड के नाम से पेज बना रखा है। वेबसाइट की जानकारी के अनुसार, इस देश का अपना राष्ट्रीय झंडे, राष्ट्रगान और अपनी करेंसी भी है। ये देश इतना छोटा है कि इसे आप गूगल मैप पर भी सर्च नहीं कर पाएंगे। इंटरनेशनल लेवल पर सीलैंड को अभी मान्यता नहीं मिली है। इस कारण से एक देश के रूप में यहां कई सारी चीजें लागू भी नहीं है। अगर आप इंटरनेट पर सबसे छोटे देश के बारे में सर्च करेंगे, तो सीलैंड की जगह वैटिकन सिटी नाम आएगा।

वैटिकन सिटी को मिली है मान्यता

वैटिकन सिटी पर मौजूद देश वैटिकन सिटी को इंटरनेशनल मान्यता मिली हुई है और इस वजह से इसे दुनिया का सबसे छोटा देश कहते हैं। पहले ये इटली के अंडर था, लेकिन 1929 में ये आजाद हो गया। 0.44 वर्ग किलोमीटर वाले इस देश की आबादी 800 है। यहां इटैलियन भाषा बोली जाती है, वहीं करेंसी के रूप में यहां यूरो चलता है।

बढ़ा ग्लोबल वार्मिंग का खतरा

पिघल रहा दुनिया का सबसे बड़ा बर्फ का गड्ढा

नई दिल्ली। रूस के साइबेरिया में स्थित दुनिया का सबसे बड़ा पर्माफ्रॉस्ट क्रेटर बटागिका पिघल रहा है। बटागाइका क्रेटर के पिघलने से वैज्ञानिकों में चिंता बढ़ गई है क्योंकि इससे उत्तरी और उत्तरपूर्वी रूस के शहरों और कस्बों को खतरा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह न केवल रूसी शहरों के लिए, बल्कि पूरे ग्रह के लिए खतरा है, क्योंकि इसके पिघलने से भारी मात्रा में कार्बनिक कार्बन वायुमंडल में प्रवेश कर रहा है, जो ग्लोबल वार्मिंग को और बढ़ा सकता है। अंतरिक्ष एजेंसी नासा के मुताबिक, पर्माफ्रॉस्ट का मतलब वह जमीन या जगह है, जो लगातार कम से कम दो साल तक शून्य डिग्री सेल्सियस पर पूरी तरह जमी रहती है। ये स्थायी रूप से जमे हुए मैदान बर्फ द्वारा एक साथ बंधी मिट्टी, चट्टानों और रेत के संयोजन से बने हैं। नासा के अनुसार, पर्माफ्रॉस्ट उत्तरी और दक्षिणी ध्रुवों के पास के क्षेत्रों में सबसे आम है और पृथ्वी के बड़े हिस्से को कवर करता है। विशेष रूप से उत्तरी गोलार्ध में, लगभग एक चौथाई भूमि क्षेत्र पर्माफ्रॉस्ट से ढका हुआ है। हालाँकि ज़मीन जमी हुई है, पर्माफ्रॉस्ट क्षेत्र हमेशा बर्फ से ढके नहीं रहते हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह अंडरवर्ल्ड का प्रवेश द्वार

बटागाइका क्रेटर के पास के स्थानीय लोग साइबेरियाई परिदृश्य में विशाल, किलोमीटर-गहरे शाफ्ट को अंडरवर्ल्ड का प्रवेश द्वार भी कहते हैं। यह गड्ढा, जो 1960 के दशक में दिखना शुरू हुआ, उस क्षेत्र में वनों की कटाई का परिणाम था, जिसके कारण भूमि की बर्फ नष्ट हो गई और भूमि धंस गई। स्थानीय निवासी और शोधकर्ता एरेल स्ट्रुचकोव ने रॉयटर्स को बताया कि स्थानीय लोग इसे गुफा कहते हैं। इसका विकास 1970 के दशक में हुआ, शुरुआत में यह एक गड्ढा था, लेकिन धूप वाले दिनों की गर्मी में पिघलने के कारण इसका विस्तार होने लगा। स्थानीय निवासियों ने भी गड्ढे के तेजी से बढ़ने पर ध्यान दिया। उनका कहना है कि दो साल पहले जो किनारा सड़क से 30 मीटर दूर था, वह अब बहुत करीब है।

धरती की आंख की तरह दिखती है अनोखा झील

पानी इतना ठंडा की साहसी भी नहीं लगा सकते डुबकी

नई दिल्ली। सेटीना रिवर स्प्रिंग कुदरत का एक चमत्कार है, जिसे इज्वोर सेटाइन के नाम भी जाना जाता है। क्रोएशिया स्थित यह पानी का छोटा सा एक भंडार, जो सेटीना नदी का जलस्रोत है, जिसे हम झील कह सकते हैं। इसके अनोखे आकार के कारण, कुछ लोग कहते हैं कि यह 'धरती की आंख' की तरह दिखता है। इसका पानी बहुत ही साफ और काफी ठंडा है, हिम्मती लोग ही इसमें डुबकी लगाने का साहस दिखा पाते हैं। हालांकि इसके अंदर एक ऐसी दुनिया है, जिसे देखकर आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे. अब इसी सेटीना रिवर स्प्रिंग एक वीडियो वायरल हो रहा है।

सुंदरता को देखकर लोग हो जाते हैं मंत्रमुग्ध : जमीन के नीचे से निकलने वाला पानी इसको एक नेचुरल पूल बनाता है, जिसमें पानी हरे और नीले रंग का है। इसकी सुंदरता को देखकर लोग मंत्रमुग्ध हो जाते हैं। यही वजह है कि हर साल बड़ी संख्या में लोग यहां घूमने के लिए आते हैं।

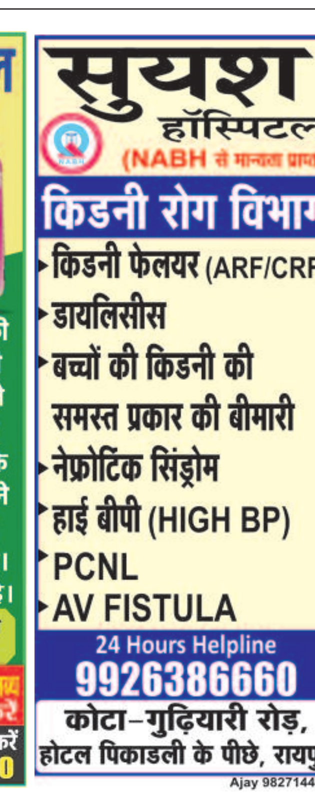

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com